बड़े पर्दे पर सुपरहीरो अवतार में नजर आएंगे आमिर खान? साजिद नाडियाडवाला और आर बाल्की के साथ मिलाया हाथ

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 28

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 256 RNI NO.43285/85 • संस्करण- नगर • मुजफ्फरनगर मंगलवार 15 सितम्बर 2026 • भाद्रपद शुक्ल 4 विक्रमी संवत • पृष्ठ 12 • मूल्य 4 रूपया

अब सुनकर भी समझ सकेंगे सुप्रीम कोर्ट के फैसले

आसान हिंदी में आदेश का ऑडियो-वीडियो जारी होगा

हिंदी दिवस पर जन सूचना सेवा ने कर दी बड़ी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी दिवस के मौके पर जल्द 'जन सूचना सेवा' शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे।

इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है। जन सूचना सेवा की शुरुआत हिंदी से होगी और बाद में यह सेवा दूसरी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी। कोर्ट ने इस पहल में दिव्यांगजनों तक न्यायिक जानकारी की

आसान पहुंच को भी खास महत्व दिया है। संविधान के अनुच्छेद 348 के तहत सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की कार्यवाही की भाषा अंग्रेजी है। अदालत के आधिकारिक फैसलों और आदेशों के लिए भी अंग्रेजी की व्यवस्था लागू है। हालांकि, आम लोगों तक न्यायिक जानकारी पहुंचाने के लिए भारतीय भाषाओं में अनुवाद और दूसरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रही हैं। अदालतों के फैसलों में कानूनी शब्दावली और जटिल भाषा का इस्तेमाल होता है।

ऐसे में आम व्यक्ति के लिए फैसला पढ़कर उसका मतलब समझना मुश्किल हो सकता है। आसान हिंदी में ऑडियो-वीडियो बुलेटिन से लोगों को फैसले की मुख्य बात और उसका मतलब जल्दी समझने में मदद मिलेगी। इसका फायदा आम नागरिकों के साथ-साथ वकीलों और उन लोगों को भी होगा जिन्हें कानूनी अंग्रेजी समझने में परेशानी होती है। खासतौर पर दिव्यांगजनों के लिए भी यह सेवा न्यायिक जानकारी तक पहुंच आसान बनाएगी।

ममता के 20 बागी सांसदों में 17 भाजपा में जाएंगे

यूसूफ पठान सहित तीन का बाहर से समर्थन, हार के बाद टीएमसी टूटी थी

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी से अलग हुए टीएमसी के 20 बागी सांसदों में से 17 सांसद अक्टूबर में दुर्गा पूजा से पहले या बाद भाजपा में शामिल होंगे। कूच बिहार सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने रविवार को कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी दी। बसुनिया के अनुसार, दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों के साथ जाने से दल-बदल कानून लागू नहीं होगा। बंगाल में टीएमसी की हार के बाद 14 जून को बागी सांसदों ने ममता का साथ छोड़ दिया था। इन सांसदों ने त्रिपुरा की स्थानीय पार्टी में विलय किया और एनडीए को समर्थन देने का ऐलान किया। अब ये सांसद सीधे भाजपा में शामिल होंगे। हालांकि तीन सांसद- अबू ताहेर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान भाजपा में शामिल हुए बिना बाहर से एनडीए का समर्थन करेंगे। टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से दो सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 11 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीतीं थीं। जिसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिशा सालियान की मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में सीबीआई ने सोमवार को एफआईआर दर्ज की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा के पिता की याचिका पर सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा था कि छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं करना और मामले को सिर्फ हादसे के रूप में देखना कई सवाल खड़े करता है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी। अक्टूबर 2020 में पुलिस ने मौत को सुसाइड बताया था। वहीं दिसंबर 2023 में केस दोबारा खोला गया और एसआईटी बनाई गई।

पंजाब विधानसभा चुनाव में बीजेपी का '3 सी' दांव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावना को देखते हुए बीजेपी एक 'बड़े' चुनावी अभियान की तैयारी कर रही है। पार्टी का अभियान आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद से लेकर अपराध, भ्रष्टाचार, नशे और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। बीजेपी

का यह अभियान दिल्ली और पश्चिम बंगाल में हाल के चुनावी अनुभवों से भी प्रभावित होगा। इन राज्यों में पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर के साथ मध्यम वर्ग से जुड़े मुद्दों और कल्याणकारी योजनाओं को चुनावी रणनीति का हिस्सा बनाया था। हालांकि, पंजाब में बीजेपी जाति के मुद्दे पर भी ज्यादा जोर देने की तैयारी में है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, तीन 'सी' यानी क्राइम (अपराध), करप्शन (भ्रष्टाचार) और चिट्टा (ड्रग्स) के साथ अब जाति का मुद्दा भी शामिल होगा।

वंदे मातरम का पूरा गौरव लौटाने में लग गए 80 वर्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूर्ण गौरव लौटाने में लगभग 80 वर्ष लग गए। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान में इस गीत की स्थायी और अटूट भूमिका को रेखांकित किया। 6वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वंदे मातरम ने देश के स्वाधीनता आंदोलन में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी भूमिका निभाई थी। यह गीत आज भी भारत की सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के संवर्धन को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ते हुए कहा कि इसका मूल उद्देश्य भारत की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के प्रति अधिक से अधिक जागरुकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अपनी संस्कृति और इतिहास के प्रति सजगता पैदा करना है।

घर-घर विराजे बप्पा

देशभर में गणेश उत्सव शुरू

• इंदौर में तीन टन मिट्टी से बने बप्पा, दर्शन के लिए उमड़े भक्त • हैदराबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा, लालबाग के राजा का स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। देशभर में सोमवार से गणेश महोत्सव शुरू हो गया है। इंदौर के तिलक नगर में 3 टन मिट्टी से 14 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा विराजित की गई है। प्रतिमा और पूरे पंडाल को प्रकृति-पशु कल्याण का संदेश देने के रूप में सजाया गया है। हैदराबाद के खैरताबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। वहीं, उप्पुगुडा में विकसित भारत 2047 की थीम पर पंडाल और गणेश प्रतिमा बनाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा का पंडाल और बप्पा की प्रतिमा शिव की थीम पर आधारित है, जिसके केंद्र में एक विशाल त्रिशूल भी

सजाया गया है। मंडल के अनुसार यह उसका 93वां गणेशोत्सव है। दर्शनों के लिए श्रद्धालु लंबी लाइन लगाकर खड़े हैं। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव और जन्मोत्सव पर विशेष दर्शन व्यवस्था है।

खजराना में 7 करोड़ के आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार

मध्य प्रदेश में गणेश चतुर्थी की धूम है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, बैतूल, सतना, सीहोर, टीकमगढ़ और मंदसौर समेत कई शहरों में गणपति स्थापना के साथ उत्सव शुरू हो गया है। मंदिरों, बाजारों और पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ है। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपए के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया। सवा लाख मोदक का भोग लगाकर प्रसाद वितरण शुरू हुआ। कलेक्टर शिवम वर्मा और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने ध्वज पूजन किया। बड़ा गणपति मंदिर में भी भक्तों की भीड़ उमड़ी।

शाजापुर में हनुमान मंदिर में गणेश जी भी विराजमान

उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में मनोकामना के लिए भगवान की पीठ पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में एक ही शिला पर बनी करीब 8 फीट ऊंची प्रतिमा के दोनों ओर से दर्शन होते हैं। शाजापुर के करीब 300 साल पुराने सिद्धवीर हनुमान मंदिर में हनुमान जी के साथ गणेश जी भी विराजमान हैं। ग्वालियर और टीकमगढ़ में प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ है। ग्वालियर में मिट्टी की प्रतिमाएं 3 से 4 हजार रुपए से शुरू होकर बड़ी प्रतिमाओं के लिए 20 से 25 हजार रुपए तक पहुंच रही हैं।

लोक सेवकों की उद्दंडता पर अंकुश बेहद जरूरी

सीएम योगी का अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर जोर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक सेवकों की जवाबदेही को लेकर सवाल उठाए और रामायण की एक चौपाई का अंश को उद्धृत करते हुए अधिकारों पर जरूरत पड़ने पर अंकुश लगाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि, यदि कोई भी लोक सेवक गलत काम करता है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कई बार व्यक्ति को ताकत मिलने पर वह उच्छृंखल और उद्दंडतापूर्ण व्यवहार करने लगता है। उन्होंने रामचरितमानस की पंक्ति 'प्रभुता पाई काहि मद नाहीं' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में कहीं न कहीं ऐसा अंकुश लगाया जाना जरूरी है, जो मर्यादाओं का पालन करा सके। मुख्यमंत्री योगी ने यह बात सोमवार को उत्तर प्रदेश लोकायुक्त संगठन के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही।

जीना हुआ मुहाल, आसमान पर पहुंची थोक महंगाई

बढ़कर 9.92 फीसदी पहुंची, 8 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने की चीजें, ईंधन महंगे होने का पड़ा है असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसदी हो गई। जुलाई में यह 9.78 फीसदी थी। खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स महंगे होने की वजह से यह बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार ने 14 सितंबर को ये आंकड़े जारी किए। महंगाई दर 9.92 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 109.92 का है। आम आदमी की रसोई से जुड़े फूड प्रोडक्ट्स महंगे हुए हैं।

थोक महंगाई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है।

पत्रकार तरुण तेजपाल का गोवा कोर्ट में सरेंडर

पणजी (एजेंसी)। तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की मापुसा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जेल जाते समय तेजपाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हमें यकीन है कि न्याय मिलेगा। कोर्ट ने उन्हें नॉर्थ गोवा की कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया, जहां उन्हें 10 साल की सजा काटनी है। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर से छूट की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई की जाएगी। तरुण तेजपाल के खिलाफ रेप का मामला 2013 का है।

सेना की रिपोर्ट, एलएसी पर चीन ने घटाए सैनिक

पिछले साल 2025 में 12 पाकिस्तानी आतंकी मारे गए

एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन 2 से बढ़कर 163 हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने 2025-26 की अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने एलएसी पर सैनिकों की संख्या घटाई है। एलएसी और चीन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में अब करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं। एक ब्रिगेड में करीब 3 हजार सैनिक होते हैं। कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड में पैदल गस्त वाली सेना, टैंक, तोपखाना और एयर डिफेंस क्षमताएं शामिल होती हैं।

स्थानीय युवाओं की भर्ती में भी गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति सेना के लगातार प्रयासों से कंट्रोल में रही। हिंसा का स्तर और विरोध-प्रदर्शन कम हुए। सेना ने बताया कि 2025 में सिर्फ एक स्थानीय युवक आतंकी संगठनों में शामिल हुआ। इससे पाकिस्तान के उस दावे को झटका लगा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद स्थानीय स्तर पर पैदा हो रहा है।

• **भारत-चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई-** रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत और चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई। मार्च और जुलाई में 33वीं और 34वीं बैठक हुई। सीमा विवाद को सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत भी दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में हुई। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन गए और तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसके बाद 25-26 अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख में 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई। सीमा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच पर्सनल मीटिंग भी चलती रहीं।

5 साल बाद कब्र से निकाला गया बीजेपी वर्कर का शव

बंगाल का संदेशखाली फिर चर्चा में, दोबारा होगा पोस्टमार्टम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में 2021 में चुनाव बाद हुई हिंसा में कथित तौर पर मारे गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता के कंकाल के अवशेष अदालत के आदेश पर पांच साल बाद कब्र से निकाले गए। अधिकारी के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दिन झनझनिया गांव के निवासी आस्तिक चंद्र दास पर कथित तौर पर विजय जुलूस निकाल रहे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों ने हमला किया था। आस्तिक चंद्र दास के बेटे सुब्रत दास ने आरोप लगाया कि हमले में उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें विशेष उपचार के लिए

अस्पताल ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद उनकी घर पर ही मौत हो गई।

जबरन शव दफनाने का आरोप

परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उनके घर के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और उन्हें शव को दफनाने के लिए मजबूर किया गया। परिवार के मुताबिक, शव का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद परिवार ने एक नई शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अदालत ने शव को कब्र से निकालने का आदेश दिया।

फरेंसिक जांच को भेजे गए अवशेष

अधिकारियों ने कहा कि रविवार को मजिस्ट्रेट और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में कंकाल के अवशेष कब्र से निकाले गए। नाजाट थाने के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई और मौत के कारण का पता लगाने के लिए अवशेषों को पोस्टमार्टम तथा फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। परिवार ने जरूरत पड़ने पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से विस्तृत जांच कराने और मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह घटना 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर झेलनी पड़ी ज्यादतियों का प्रमाण है। उस चुनाव में टीएमसी ने बड़ी जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा, कि टीएमसी के शासन में आतंक का माहौल था और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। हमें पता है कि न्याय होगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा मिलेगी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले का एक गांव संदेशखाली 2024 में उस समय राष्ट्रीय सुर्खियों में आया था, जब बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्थानीय टीएमसी नेता शाहजहां शेख पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किए थे।

अनमोल वचन

भौतिक सुखों के लिए भाग रहे मानव को एक पल ठहरकर जीवन के यथार्थ के बारे में सोचना चाहिये। अपने स्वार्थ की परिधि से बाहर निकलकर उसे संकीर्णता और अवगुणों का त्याग कर सबके मंगल के लिये प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिये तभी अपना भी भला होगा। हमारी संस्कृति तो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया' का उद्घोष करती है। दूसरों के जीवन में जहर फैलाने की अपेक्षा उसमें स्नेह भरे, उदारता भरे, करूणा भरे तथा सबके भले की कामना करें। यदि आपने किसी का अहित किया तो वह पलटकर वापस आपके पास ही आयेगा और उससे कई गुणा आपका भी अहित होगा। दूसरों की मंगल कामना करने वाले देवता कहलाते हैं जबकि दूसरों का बुरा करने वाले को पापी की संज्ञा दी जाती है। कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति अपने को कुटिल और पापी कहलाना पसंद नहीं करेगा। इसलिये अपनी श्रेष्ठता के सहारे प्रभु मिलन की राह में आगे बढ़ते जाना ही सभी के लिये श्रेयस्कर है। किसी दूसरे के अमंगल का विचार भूल से भी अपने मन में न आने दें।

मां ने बेटे को पैसों के लिए डांटा, बेटे ने जहर खाया तो मां ने भी निगला जहरीला पदार्थ, दोनों की मौत

नई मंडी के शांतिनगर में एक ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मां-बेटे ने दम तोड़ा; घटना के बाद इलाके में मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र के मोहल्ला शांतिनगर में सोमवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ही परिवार के मां-बेटे की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पैसों को लेकर बेटे की अपनी मां से कहासुनी हुई थी। मां द्वारा डांटे जाने के बाद बेटे ने कथित तौर पर घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। बेटे की हालत बिगड़ने के बाद उसकी करीब 80 वर्षीय मां ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों को गंभीर हालत में एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। एक साथ हुई दो मौतों की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं मोहल्ले में भी मातम पसर गया।

पैसों को लेकर मां से हुआ था विवाद

पुलिस को मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शांतिनगर निवासी करीब 50 वर्षीय जितेंद्र पुत्र दयाराम अविवाहित था। बताया गया कि जितेंद्र अपनी मौसी से पैसे मांग रहा था। इसी बात को लेकर उसकी करीब 80 वर्षीय मां सुशीला पत्नी दयाराम ने उसे डांट दिया। बताया जा रहा है कि मां की डांट से नाराज होकर जितेंद्र ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया।

बेटे की हालत देखकर मां ने भी उठाया खौफनाक कदम

परिजनों के मुताबिक जितेंद्र के जहरीला पदार्थ खाने के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। उसकी हालत

बिगड़ती देखकर मां सुशीला ने भी कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में दोनों की हालत खराब हो गई। परिवार के लोगों ने मामले की जानकारी आसपास के लोगों को दी और तत्काल एंबुलेंस की मदद से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझते रहे दोनों जिला अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने दोनों का उपचार शुरू किया। जहरीला पदार्थ खाने के कारण दोनों की हालत गंभीर बताई गई। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान पहले बेटे जितेंद्र और फिर उसकी मां सुशीला की मौत हो गई। अस्पताल की ओर से दोनों के संबंध में पुलिस को दो अलग-अलग मृतक मीमो भेजे गए। मां-बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जिस घर में कुछ देर पहले तक पैसों को लेकर विवाद की बात सामने आ रही थी, वहां अचानक दो लोगों की मौत से मातम छा गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद रिश्तेदार और आसपास के लोग भी जिला अस्पताल पहुंचे। शांतिनगर में भी घटना को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चचाएं होती रहीं।

घटना की सूचना मिलने के बाद थाना नई मंडी पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों को समझने का प्रयास किया। प्रारंभिक पूछताछ में पैसों को लेकर मां द्वारा बेटे को डांटने के बाद बेटे द्वारा जहरीला पदार्थ खाने और बाद में मां द्वारा भी जहरीला पदार्थ खाने की बात सामने आई है। पुलिस घटना के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। परिवार की सदस्य मौके पर मौजूद पुलिस के अनुसार मृतकों के परिवार से उनके छोटे भाई की पत्नी मौके पर मौजूद थीं। उनके द्वारा फिलहाल किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं किए जाने की बात बताई गई है। पुलिस ने घटना से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाने के साथ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पाकिस्तान के नंबर से आई धमकी से घबराया युवक, थाने पहुंचकर दी तहरीर

आपत्तिजनक फोटो वायरल करने की धमकी, सलमान ने पुलिस से लगाई गुहार

मीरापुर। खतौली रोड निवासी सलमान पुत्र इकबाल को पाकिस्तान के नंबर से फोन कर धमकी देने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाले ने सलमान से 25 हजार रुपये की मांग की और रकम नहीं देने पर उसके न्यूड फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी दी। घटना से घबराए सलमान ने थाना मीरापुर पहुंचकर अज्ञात कॉल करने वाले के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सलमान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 सितंबर को उसके मोबाइल फोन पर 923421449185 नंबर से कॉल आई यह नंबर पाकिस्तान का बताया जा रहा है। कॉल करने वाले ने कथित रूप से उससे 25 हजार रुपये की मांग की। रकम नहीं देने पर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। अचानक मिली इस धमकी से सलमान घबरा गया और उसने मामले की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद वह तत्काल थाना मीरापुर पहुंचा और पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराते हुए तहरीर दी। पीड़ित ने अज्ञात कॉल करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मारपीट के दौरान 60 वर्षीय महिला घायल, जिला अस्पताल रेफर

मीरापुर। गाली-गलौज और मारपीट के दौरान बीच-बचाव कराने आई 60 वर्षीय महिला को धक्का देकर घायल किया। गांव काममपुर खोला निवासी मनीष शर्मा पुत्र राम अवतार ने थाने में दी तहरीर में बताया कि सोमवार की सुबह वह किसी कार्य से अपने घर से बाहर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में सामने से आए गांव निवासी रवि ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगा। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पहले भी कई बार उसके साथ विवाद कर चुका है। इसी दौरान दोनों के बीच झगड़ा होता देख मनीष की बुआ कमला देवी उम्र करीब 60 वर्ष मौके पर पहुंचीं और दोनों में बीच-बचाव का प्रयास करने लगी। आरोप है कि इसी दौरान रवि ने महिला को धक्का दे दिया। महिला को धक्का देने के कारण वह जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में घायल महिला को जानसठ सीएचसी लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर राजीव शर्मा का कहना है कि मामले की जानकारी करके कार्रवाई की जाएगी

मुजफ्फरनगर में नए सिटी मजिस्ट्रेट बने दीपक कुमार पालः पंकज राठौड़ का देवरिया तबादला, पदोन्नत होकर बने एडीएम

यूपी में 14 आईएएस और 34 पीसीएस अफसरों के हुए तबादले

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए रविवार की देर रात 14 आईएएस और 34 पीसीएस अधिकारियों के अधिकारियों की तबादला सूची जारी की है। इन तबादलों की सूची में बुलंदशहर में उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात दीपक कुमार पाल का स्थानांतरण मुजफ्फरनगर किया गया है। उन्हें जनपद का नया नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। जबकि मुजफ्फरनगर में तैनात नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौड़ का स्थानांतरण कर उन्हें प्रोन्नति देते हुए देवरिया का अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बनाया गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने देर रात प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से बड़ा फेरबदल किया है। इस तबादला सूची के तहत प्रशासनिक फेरबदल के बाद अब मुजफ्फरनगर में नगर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी दीपक कुमार पाल संभालेंगे। शासन की तबादला सूची जारी होने के बाद जिले के प्रशासनिक अमले में भी इसे महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि यूपी शासनादेश के मुताबिक प्रदेश में कई जिलों के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), अपर जिलाधिकारी (एडीएम) और नगर

सिटी मजिस्ट्रेटः दीपक कुमार पाल

मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। शासन की ओर से जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि सभी स्थानांतरित अधिकारी तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थल पर पहुंचकर पदभार ग्रहण करें। उत्तर प्रदेश शासन ने देर रात प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से बड़ा फेरबदल किया है। राज्य सरकार ने 14 आईएएस और 34 पीसीएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल करते हुए नई तैनातियों के आदेश जारी किए हैं। तबादला सूची के तहत कई जिलों के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), अपर जिलाधिकारी (एडीएम) और नगर मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। शासन की ओर से जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि सभी स्थानांतरित अधिकारी तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थल पर पहुंचकर पदभार ग्रहण करें। सहारनपुर में नए अफसरों की तैनाती शासन द्वारा जारी तबादला सूची के अनुसार इस व्यापक फेरबदल के तहत मुजफ्फरनगर में नगर मजिस्ट्रेट के स्थानांतरण के अलावा सहारनपुर के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सुमित राजेश महाजन को उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईआ) बनाया गया है। उनके स्थान पर राज्य कर विभाग में अपर आयुक्त पद पर तैनात डॉ. सुनील कुमार वर्मा को सहारनपुर का नया सीडीओ नियुक्त किया गया है। वहीं सहारनपुर नगर निगम के अपर नगर आयुक्त प्रदीप कुमार यादव को अलीगढ़ मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, चिकित्सा शिक्षा विभाग की महानिदेशक एवं सचिव नेहा शर्मा को सचिव पद के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है। अलीगढ़ मंडल के अपर आयुक्त अरुण कुमार को ग्राम्य विकास विभाग का विशेष सचिव बनाया गया है। इसके अलावा, चिकित्सा शिक्षा विभाग की महानिदेशक एवं सचिव नेहा शर्मा को सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग के पद से अवमुक्त किया गया है।

बुढ़ाना में मासूम से कुकर्मः बाइक सवार आरोपी की तलाश में पुलिस, सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

घर के बाहर खेलते समय मासूम को ले गया था बाइक सवार

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। कस्बे के एक मोहल्ले में आठ वर्षीय मासूम बालक के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर दुष्कर्म किए जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। वारदात के बाद आरोपी पीड़ित को बदहवास हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गया। पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आरोपी की पहचान के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। पुलिस में दी गई तहरीर के अनुसार, घटना रविवार शाम की है। पीड़ित बालक अपने घर के समीप ही खेल रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात बाइक सवार व्यक्ति वहाँ पहुँचा और बालक को किसी बहाने से बहला-फुसलाकर अपनी बाइक पर बैठा लिया। आरोपी मासूम को सुनसान स्थान पर ले गया, जहाँ उसने बालक के साथ कुकर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद

आरोपी पीड़िता को छोड़कर मौके से चंपत हो गया। किसी तरह हिम्मत जुटाकर बालक अपने घर पहुँचा और परिजनों को रोते-बिलखते हुए पूरी आपबीती बताई। मासूम की आपबीती सुनते ही परिजनों के होश उड़ गए और वे तुरंत उसे लेकर बुढ़ाना कोतवाली पहुँचे।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही पुलिस

बुढ़ाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री ने बताया कि पीड़ित पिता ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस की विशेष टीमें घटनास्थल के आसपास और मुख्य रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। जल्द ही आरोपी बाइक सवार को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पुलिस ने पीड़ित बालक का चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल एग्जामिनेशन) कराने के लिए अस्पताल भेज दिया है और संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

कुटेसरा की मस्जिद में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

पहले भी हो चुकी हैं कई चोरी की घटनाएं, इस बार कैमरे में साफ दिखा संदिग्ध, ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश, पुलिस से जल्द खुलासे की मांग

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कुटेसरा में स्थित एक मस्जिद में रविवार को चोरी की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया। मस्जिद के अंदर चोरी करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। फुटेज सामने आने के बाद मस्जिद से जुड़े लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान और उसकी तलाश में जुटी है। बताया गया कि रविवार को एक व्यक्ति मस्जिद में दाखिल हुआ और वहां रखा सामान चोरी कर लिया। घटना के बाद जब मस्जिद से जुड़े लोगों ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें एक व्यक्ति मस्जिद के अंदर सामान चोरी करता हुआ दिखाई दिया। फुटेज में संदिग्ध की गतिविधियां

कैमरे में रिकॉर्ड हुई हैं, जिसके आधार पर पुलिस जांच को आगे बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुटेसरा की इस मस्जिद में इससे पहले भी कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं में चोरों का पता नहीं चल सका था। अब दोबारा चोरी होने और इस बार संदिग्ध के सीसीटीवी कैमरे में कैद होने से मस्जिद से जुड़े लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि लगातार हो रही घटनाओं के कारण मस्जिद की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। घटना की सूचना मिलते ही चरथावल पुलिस ने मामले की जानकारी ली और सीसीटीवी फुटेज को जांच के दायरे में लिया। पुलिस फुटेज में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान कराने के प्रयास कर रही है। साथ ही पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि यदि घटनाओं के पीछे एक ही व्यक्ति या गिरोह का हाथ हो तो उसका पता लगाया जा सके। मस्जिद में लगातार चोरी की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की जल्द पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाए। इसके साथ ही पहले हुई चोरी की घटनाओं का भी खुलासा कराया जाए, ताकि क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सके। चरथावल थाना प्रभारी सत्यनारायण दहिया ने बताया कि मस्जिद में चोरी की सूचना पुलिस को मिली है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फुटेज में दिखाई दे रहे संदिग्ध की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

पानीपत-खटीमा मार्ग पर कलरपुर कछौली चौराहे के पास हुआ हादसा, जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

मुजफ्फरनगर। पानीपत-खटीमा मार्ग पर रविवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही युवक के परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के

अनुसार शामली जनपद के ग्राम कैड़ी निवासी संजय पुत्र पालूराम रविवार रात मोटरसाइकिल से पानीपत-खटीमा मार्ग से होकर जा रहा था। बताया गया कि रात करीब साढ़े नौ बजे जब वह कलरपुर कछौली चौराहे के पास पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार संजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी बीच टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवक को एंबुलेंस की मदद से मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने संजय की हालत की जांच की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे, जहां युवक का शव देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

चार और छह साल की बच्चियों को कार से कुचलने के आरोप में मुकदमा दर्ज

केवलपुरी में सड़क पर खेल रही दोनों मासूमों के घायल होने का मामला; पिता वसीम की शिकायत पर कार्रवाई, सीसीटीवी फुटेज और मेडिकल दस्तावेज पुलिस को सौंपे

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मोहल्ला केवलपुरी में चार और छह साल की दो बच्चियों के कार की चपेट में आने का मामला सामने आया है। बच्चियों के परिजन ने कार सवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता वसीम पुत्र अनीस की तहरीर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश के बाद थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में घटना के सीसीटीवी फुटेज और बच्चियों के इलाज से संबंधित दस्तावेज भी पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

गोदाम के बाहर खेलती थीं दोनों बच्चियां

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार वसीम मोहल्ला केवलपुरी, आइसक्रीम बर्फखाने वाली गली नंबर-3 के निवासी हैं और मजदूरी का काम करते हैं। उनके मकान के सामने एक कपड़े का गोदाम बताया गया है। तहरीर के मुताबिक वसीम की चार वर्षीय पुत्री अनाबिया और उनकी छह वर्षीय भतीजी लीबा अक्सर गोदाम के मुख्य गेट के बाहर सड़क पर बनी पेड़ियों पर बैठकर खेलती थीं। वसीम ने आरोप लगाया है कि गोदाम से जुड़े समद पुत्र महताब निवासी चंदू लाला वाली गली, मोहल्ला मल्हूपुरा, थाना सिविल लाइन बच्चियों को वहां से भगा देता था। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बच्चियों को दोबारा वहां खेलते मिलने पर कार से कुचलने की धमकी दी गई थी। 28 जून को हुआ हादसा, कार की चपेट में आईं मासूम

तहरीर के अनुसार 28 जून 2026 को शाम करीब चार से साढ़े चार बजे दोनों बच्चियां गोदाम के बाहर गली में बनी आखिरी पेड़ी पर बैठी थीं। इसी दौरान फॉर्च्यूनर कार वहां पहुंची। वसीम ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि कार को तेज और लापरवाही से गलत दिशा में लाकर दोनों बच्चियों को कुचल दिया गया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार के आगे और पीछे के पहिए दोनों बच्चियों के ऊपर से निकल गए। हालांकि, घटना को लेकर लगाए गए इन आरोपों की पुलिस स्तर से अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह जांच कर रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

दोनों बच्चियों को गंभीर चोटें आने का दावा

घटना के बाद दोनों बच्चियों को घायल अवस्था में सरकारी अस्पताल मुजफ्फरनगर ले जाया गया। तहरीर के अनुसार चिकित्सकों ने अनाबिया की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद अनाबिया को मेरठ के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक बाद में दिल्ली में भी बच्ची का उपचार कराया गया और चिकित्सक मुकेश जैन को भी दिखाया गया। तहरीर में दावा किया गया है कि अनाबिया के कूल्हे की हड्डी टूटने के साथ शरीर में कई जगह फ्रैक्चर हुए हैं और चोटों के कारण वह अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही है। वहीं छह वर्षीय लीबा के पैर की हड्डी टूटने की बात कही गई है। बच्चियों के इलाज से संबंधित पर्चे और दस्तावेज पुलिस को सौंपे जाने की बात शिकायत में कही गई है। वसीम ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद आरोपी पक्ष, उसके परिवार और मोहल्ले के कुछ जिम्मेदार लोगों ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया था। तहरीर के अनुसार उस समय यह भरोसा दिलाया गया था कि घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई जाए और दोनों घायल बच्चियों के इलाज में होने वाला खर्च आरोपी पक्ष की ओर से उठाया जाएगा।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने इस भरोसे पर तत्काल पुलिस कार्रवाई नहीं की, लेकिन बाद में इलाज के खर्च को लेकर उसे कथित रूप से टालमटोल का सामना करना पड़ा। वसीम के मुताबिक अब वह रिश्तेदारों से रुपये उधार लेकर बच्ची का उपचार करा रहे हैं। तहरीर में वसीम ने घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के रूप में रियासत पुत्र शफीक, आसिफ पुत्र वहीद आदि के नाम भी बताए हैं। साथ ही दावा किया गया है कि जिस गली में घटना हुई, वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हुआ है। शिकायतकर्ता ने सीसीटीवी फुटेज पेन ड्राइव के माध्यम से पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही है। ऐसे में पुलिस जांच में सीसीटीवी फुटेज अहम साक्ष्य हो सकती है। इसके अलावा बच्चियों की मेडिकल रिपोर्ट और उपचार से संबंधित दस्तावेज भी विवेचना का हिस्सा बनाए जाएंगे।

विधवा महिला के खेत पर चोरों का धावा, 3.05 लाख के 215 पोपुलर के पेड़ काटकर ले गए

पुरकाजी में खाईखेड़ी मार्ग स्थित खेत में दिनदहाड़े पेड़ों पर चली आरी, ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर धर्मकांटे पर बेचने का आरोप; तीन नामजदों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला के खेत से करीब 3.05 लाख रुपये कीमत के 215 पोपुलर के पेड़ चोरी से काटकर ले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन लोगों ने एकराय होकर खेत में खड़े करीब चार वर्ष पुराने पोपुलर के पेड़ों को काटा और उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर बेचने के लिए ले गए। खेत स्वामिनी को घटना की जानकारी फोन पर मिली, जिसके बाद वह अपने पुत्र के साथ मौके पर पहुंची। वहां से पेड़ काटकर ले जाए जा चुके थे। बाद में तलाश करते हुए जब वह लक्सर रोड स्थित न्यू किसान धर्मकांटा पहुंची तो आरोप है कि आरोपी वहां चोरी से काटे गए पेड़ बेचकर फरार हो चुके थे। मामले में पुरकाजी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति ने लगाए थे पोपुलर के पेड़, चार साल में तैयार हुई थी फसल

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार ग्राम बरला, थाना छपार निवासी मानसी त्यागी एक विधवा महिला हैं। उनकी कृषि भूमि पुरकाजी क्षेत्र में खाईखेड़ी जाने वाले रास्ते पर स्थित है। शिकायतकर्ता के मुताबिक उनके स्वर्गीय पति ने इसी भूमि पर पोपुलर के पेड़ लगाए थे। करीब चार वर्ष की मेहनत के बाद ये पेड़ तैयार हुए थे और इनकी कीमत भी अच्छी बताई गई है।आरोप है कि इन्हीं पेड़ों को निशाना बनाते हुए आरोपियों ने खेत में पहुंचकर बड़ी संख्या में पेड़ काट डाले।

फोन पर मिली सूचना, खेत पहुंची महिला तो उड़ गए होश

घटना 30 अगस्त 2026 की सुबह करीब नौ बजे की बताई गई है। तहरीर के मुताबिक उस समय मानसी त्यागी के फोन पर वसीम अहमद निवासी खेड़ा दरवाजा, पुरकाजी ने सूचना दी कि खेत से रईस अहमद और रऊफ अहमद पुत्रगण जरीफ अहमद निवासी मोहल्ला खेड़ा दरवाजा, कस्बा पुरकाजी तथा तालिब पुत्र खैराती निवासी भोजाहेड़ी, थाना पुरकाजी पोपुलर के पेड़ काट रहे हैं। सूचना मिलते ही खेत स्वामिनी अपने पुत्र देवांश त्यागी के साथ मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि वहां उक्त लोग पोपुलर के पेड़ काटकर उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर ले जा रहे थे। शिकायतकर्ता के अनुसार तब तक बड़ी संख्या में पेड़ काटे जा चुके थे। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपितों ने एकराय होकर खेत से चोरी से करीब 215 पोपुलर के पेड़ काट लिए। शिकायतकर्ता ने काटे गए पेड़ों की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 5 हजार रुपये बताई है। महिला का आरोप है कि वर्षों की मेहनत और निवेश के बाद तैयार हुए पेड़ों को उसकी अनुमति के बिना काटकर ले जाने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद उसने अपने स्तर से पेड़ों और आरोपितों की तलाश शुरू की।

लक्सर रोड के धर्मकांटे तक पहुंची तलाश

तहरीर के अनुसार खोजबीन के दौरान शिकायतकर्ता और उसके पुत्र को जानकारी मिली कि काटे गए पोपुलर के पेड़ों को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर लक्सर रोड स्थित न्यू किसान धर्मकांटा, पुरकाजी पर ले जाया गया है। इसके बाद दोनों वहां पहुंचे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि धर्मकांटे पर पहुंचने पर जानकारी मिली कि आरोपित पोपुलर के पेड़ वहां बेचकर फरार हो चुके हैं। इसके बाद महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मानसी त्यागी की तहरीर के आधार पर पुरकाजी पुलिस ने रईस अहमद, रऊफ अहमद और तालिब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

मंगलवार 15 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

शेरनगर में देर रात भरभराकर गिरी मकान की छत, तीन घायल

छत गिरते ही मलबे में दबे तीन लोग, चीख-पुकार से मची अफरा-तफरी, पिता ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, तीनों का उपचार जारी

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र के ग्राम शेरनगर में देर रात एक मकान की छत अचानक भरभराकर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। छत के मलबे की चपेट में आने से तीन लोग घायल हो गए। अचानक हुई इस घटना से मकान के अंदर चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके की ओर दौड़ पड़े। परिजनों और ग्रामीणों ने राहत-बचाव करते हुए घायलों को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद घायलों के पिता जुल्फिकार ने 108 एंबुलेंस की मदद से तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

अचानक भरभराकर नीचे आ गिरी पूरी छत

जानकारी के अनुसार, शेरनगर गांव में देर रात परिवार के लोग मकान के अंदर मौजूद थे। इसी दौरान अचानक मकान की छत भरभराकर नीचे आ गिरी। छत गिरते ही मकान के अंदर धूल और मलबा फैल गया। कुछ ही क्षणों में मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोग घबराकर बाहर की ओर दौड़े, जबकि आसपास रहने वाले लोग भी आवाज सुनकर मौके पर पहुंच गए।

मलबे की चपेट में आए तीन लोग

छत गिरने के दौरान शाहरून उम्र करीब 20 वर्ष, अतिका उम्र करीब 13 वर्ष और शाहनूर उम्र करीब 15 वर्ष मलबे की चपेट में आ गए। तीनों के घायल होने के बाद परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाने की तैयारी की गई।

पिता जुल्फिकार ने दिखाई तत्परता, 108 से अस्पताल पहुंचाया

हादसे के बाद घायलों के पिता जुल्फिकार ने बिना समय गंवाए 108 एंबुलेंस की मदद ली। एंबुलेंस के पहुंचने के बाद तीनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायलों का उपचार शुरू कर दिया। फिलहाल तीनों घायल चिकित्सकों की निगरानी में हैं और उनका उपचार जारी बताया गया है।

छत गिरने की आवाज से पूरे इलाके में मचा हड़कंप

देर रात मकान की छत गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोग भी सहम गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। लोगों ने परिवार की मदद करते हुए मलबा हटाया और घायलों को बाहर निकालने में सहयोग किया। देर रात तक हादसे को लेकर गांव में चर्चा बनी रही।

परिवार में मचा कोहराम, सहमे लोग

अचानक मकान की छत गिरने की घटना से परिवार के लोग बुरी तरह सहम गए। कुछ ही देर पहले जिस मकान में सामान्य गतिविधियां चल रही थीं, वहां छत गिरने के बाद मलबा और क्षतिग्रस्त सामान बिखरा पड़ा था। घायलों को अस्पताल ले जाने के बाद परिवार के लोग भी उनके साथ जिला अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

बड़ा हादसा टला, तीन की जान पर आई आफत

गनीमत रही कि हादसे में तीन लोग घायल हुए और कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। हालांकि अचानक छत गिरने की घटना ने मकान की मजबूती और सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि हादसे के समय मकान में अधिक लोग मौजूद होते तो नुकसान और भी गंभीर हो सकता था।

मकान की छत गिरने की वजह की जांच जरूरी

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मकान की छत अचानक किस वजह से गिरी। छत पुरानी होने, निर्माण में कमजोरी अथवा किसी अन्य तकनीकी कारण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद मकान की स्थिति को लेकर भी परिवार और आसपास के लोगों में चिंता बनी हुई है। हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

कार सवार युवकों की दबंगई, घर के बाहर बैठे लोगों पर बरसाए ईंट-पत्थर

चलती कार से अचानक शुरू कर दी पत्थरबाजी, लोगों में मची अफरा-तफरी; सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई पूरी वारदात

मुजफ्फरनगर। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कार सवार अज्ञात युवकों की दबंगई का मामला सामने आने के बाद इलाके में हलचल मच गई। घर के बाहर बैठकर बातचीत कर रहे लोगों पर कार सवार युवकों ने अचानक ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। बिना किसी स्पष्ट कारण के हुई इस अचानक पत्थरबाजी से घर के बाहर बैठे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि लोग समय रहते वहां से हट गए। पूरी घटना घर के बाहर लगे निगरानी कैमरे में कैद हो गई। अब इसका चित्रण सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। चित्रण सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार सवार युवकों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक मकान के बाहर कुछ लोग बैठे हुए थे। माहौल सामान्य था और लोग आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक कार वहां से गुजरती दिखाई देती है। कार में सवार युवकों ने अचानक घर के बाहर बैठे लोगों को निशाना बनाते हुए ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। अचानक हुए इस हमले से लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। कुछ ही सेकंड में मच गई

अफरा-तफरी

निगरानी कैमरे के चित्रण में पूरी घटना दर्ज है। कार के वहां पहुंचते ही युवकों की ओर से पत्थर फेंके जाते दिखाई दे रहे हैं। अचानक ईंट-पत्थर बरसने से घर के बाहर बैठे लोग घबरा गए और बचने के लिए इधर-उधर हटने लगे। घटना इतनी तेजी से हुई कि लोगों को कुछ समझने का मौका तक नहीं मिला। पत्थरबाजी करने के बाद कार सवार युवक मौके से तेजी से निकल गए। आरोपी युवक वारदात को अंजाम देकर मौके से निकल गए, लेकिन उनकी हरकत घर के बाहर लगे निगरानी कैमरे में कैद हो गई। चित्रण में कार के आने से लेकर लोगों पर ईंट-पत्थर फेंकने और मौके से निकलने तक की घटना दर्ज है। यही चित्रण अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। चित्रण सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भी तरह-तरह की चचाएँ शुरू हो गई हैं।

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कार सवार युवकों ने घर के बाहर बैठे लोगों पर अचानक ईंट-पत्थर क्यों बरसाए। क्या युवकों की किसी से पुरानी रंजिश थी या फिर बिना किसी वजह के ही इस घटना को अंजाम दिया गया? पुलिस अब इन्हीं सवालों के जवाब तलाश रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान होने के बाद घटना के पीछे की वास्तविक वजह भी सामने आ जाएगी। पुलिस ने सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहे चित्रण का संज्ञान लिया है। निगरानी कैमरे के चित्रण के आधार पर कार की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रामलीला टिल्ला में दो पक्षों में जमकर मारपीट, पुलिस के सामने भी नहीं थमा हंगामा

कहासुनी के बाद भिड़े दोनों पक्ष, मौके पर पहुंची पुलिस के सामने होती रही हाथापाई, तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रामलीला टिल्ला में देर रात किसी बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई और देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद कुछ समय तक दोनों पक्षों के बीच हाथापाई जारी रही। इस दौरान किसी ने पूरी घटना का चित्रण बनाकर सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर दिया। चित्रण सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है।

कहासुनी के बाद अचानक शुरू हुई मारपीट

बताया गया कि रामलीला टिल्ला क्षेत्र में देर रात दो पक्ष किसी बात को लेकर आमने-सामने आ गए थे। दोनों के बीच पहले तीखी कहासुनी हुई। आसपास मौजूद लोगों ने विवाद शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते मामला बिगड़ गया और दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से भिड़ गए। इसके बाद मौके पर जमकर मारपीट होने लगी।

पुलिस पहुंची तो भी कुछ देर नहीं थमा हंगामा

विवाद और मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को अलग करने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसके बावजूद कुछ देर तक दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से हाथापाई करते रहे। पुलिस की मौजूदगी में मारपीट का यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों में भी हलचल मच गई।

मारपीट का चित्रण सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित

घटना के दौरान मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से पूरी घटना का चित्रण बना लिया। इसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं, जबकि पुलिसकर्मी

बीच-बचाव कर स्थिति संभालने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। बाद में यही चित्रण सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो गया। चित्रण सामने आने के बाद पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

रामलीला टिल्ला चौकी प्रभारी विक्रांत कुमार ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए राजकुमार, रजत और शर्वेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। तीनों का शांति भंग करने के आरोप में चालान किया गया है। चौकी प्रभारी के अनुसार, मामले की जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

वायरल चित्रण के आधार पर भी जांच

पुलिस द्वारा मौके पर हुई मारपीट के साथ ही सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित चित्रण की भी जांच की जा रही है। चित्रण में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान और घटना में उनकी भूमिका के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी ने कहा–स्थिति नियंत्रित, जांच जारी

एएसपी सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि रामलीला टिल्ला क्षेत्र में दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया गया। सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहे चित्रण के संबंध में भी जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अन्य लोगों पर भी पुलिस की नजर

पुलिस का कहना है कि मामले में तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इसके अलावा घटना के दौरान मौजूद अन्य लोगों और मारपीट में शामिल व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है। पुलिस जांच में यदि किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नहाते समय अश्लील वीडियो बनाया, डेढ़ साल तक ब्लैकमेल कर दुष्कर्म का आरोप

शादी का झांसा देकर महिला से लाखों के जेवर और नकदी लेने का भी आरोप, वीडियो वायरल करने की धमकी से परिवार में दहशत, कार्रवाई के लिए एसएसपी से लगाई गुहार

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि युवक ने नहाते समय उसका अश्लील वीडियो बना लिया और वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर करीब डेढ़ साल तक उसे ब्लैकमेल करता रहा। महिला ने आरोप लगाया कि इस दौरान युवक ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और दुष्कर्म के दौरान भी उसके अश्लील चित्रण बनाए। पीड़िता का आरोप है कि युवक लगातार शादी का झांसा देता रहा, लेकिन अब शादी से इनकार कर रहा है। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर महिला ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। महिला के अनुसार, उसका पति गुरुग्राम में रहकर काम करता है। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अबुजर खान ने

कथित रूप से उसका नहाते समय वीडियो बना लिया। महिला का आरोप है कि वीडियो उसके पास होने की बात कहकर आरोपी ने उसे डराना-धमकाना शुरू कर दिया और वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर उसका शोषण करता रहा। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि अबुजर खान ने वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर करीब डेढ़ साल तक उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी दुष्कर्म के दौरान भी उसका अश्लील वीडियो बनाता था, जिससे उसके पास लगातार महिला को डराने और दबाव में रखने का जरिया बना रहा। महिला का कहना है कि उसने आरोपी की हरकतों का विरोध किया तो वह शादी करने का भरोसा देता रहा। इसी भरोसे के चलते महिला लंबे समय तक चुप रही। आरोप है कि बाद में आरोपी ने शादी का झांसा देकर महिला से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और नकदी भी ले ली। शिकायती पत्र के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उससे करीब 10 तोले सोने के जेवरात लिए। इनमें सोने का हार, चार कंगन और एक जोड़ी झुमकी सहित अन्य आभूषण बताए गए हैं। महिला ने इनकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई है।

जनगणना-2027 को लेकर प्रशासन ने कसी कमर, डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जनगणना से जुड़े विभागों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक परिवार और प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित आंकड़ों को पूरी शुद्धता, सावधानी और गोपनीयता के साथ दर्ज किया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश के सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक राष्ट्रीय कार्यों में शामिल है। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश और

प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक तथा जनसांख्यिकीय स्वरूप को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संसाधनों के वैज्ञानिक एवं उचित आवंटन में सहायता मिलती है। इसलिए जनगणना-2027 का कार्य पूरी गंभीरता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाना जरूरी है। जिलाधिकारी ने तहसीलदारों और नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में लगाए जाने वाले पर्यवेक्षकों, प्रगणकों और अन्य कर्मचारियों की सही सूची एक सप्ताह के भीतर तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो, उसी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को उसी क्षेत्र की जनगणना का दायित्व सौंपा जाए। ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए, जिन्हें पहले भी गणना कार्य का अनुभव रहा हो।

डीएम ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जनगणना कार्य को लेकर वे अपने-अपने स्तर पर भी बैठक कर लें, ताकि सभी कर्मचारियों को उनके दायित्वों की स्पष्ट जानकारी हो।

उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी को कार्य शुरू होने के बाद जानकारी के अभाव में परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी पहले से तैयारी पूरी रखें और अपने क्षेत्र में आने वाली संभावित समस्याओं का समाधान समय रहते सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने तहसीलदारों और नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना-2027 से संबंधित सभी दिशा-निदेशों को अच्छी तरह पढ़कर समझ लें। उन्होंने कहा कि गणना के दौरान प्रक्रिया से संबंधित किसी प्रकार की दिक्कत न आए, इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले से नियमों और प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी होना जरूरी है।

विवाहिता को चुन्नी से गला दबाकर मारने की कोशिश, पति समेत छह पर मुकदमा

35 लाख रुपये खर्च कर हुई थी शादी, विवाहिता का आरोप–लगातार प्रताड़ना और मारपीट से तंग, पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर बचाई जान

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव गोयला में विवाहिता के साथ मारपीट कर चुन्नी से गला दबाकर जान से मारने की कोशिश किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। बागपत के ग्राम बागमौली निवासी विवाहिता ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। विवाहिता का आरोप है कि 11 सितंबर को दोपहर के समय आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की और चुन्नी गले में डालकर उसे जान से मारने का प्रयास किया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद उसकी जान बच सकी। सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपी घर से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

23 नवंबर 2024 को हुई थी शादी, 35 लाख रुपये खर्च करने का दावा

तहरीर के अनुसार ग्राम बागमौली जिला बागपत की रहने वाली विवाहिता है। उसकी शादी 23 नवंबर 2024 को सुभम निवासी गांव गोयला के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी।

विवाहिता के परिवार का दावा है कि शादी में करीब 35 लाख रुपये खर्च किए गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल में उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। पिछले करीब पांच महीने के दौरान वह चार बार मायके आई और आरोप है कि शुरूआती तीन बार भी उसके साथ गंभीर मारपीट की गई। तहरीर में बताया गया कि 11 सितंबर 2026 को करीब 12:30 बजे दोपहर सुभम, सहदेव, संगीता, मीरा, लाली और गुड़िया ने कथित तौर पर विवाहिता के साथ मारपीट की। विवाहिता का आरोप है कि इसी दौरान उसके गले में चुन्नी डालकर उसे मारने की कोशिश की गई। इसके बाद लाठी-डंडों से हमला किया गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

पीड़िता ने शोर मचाया तो आसपास के लोग घटना की ओर दौड़े। शिकायत के मुताबिक शोर सुनकर पड़ोसी सुरेश और हरेक समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे। लोगों के पहुंचने के बाद विवाहिता को बचाया जा सका। आरोप है कि इसके बाद सुरेश ने उसके पिता को घटना की सूचना दी। विवाहिता के पिता ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले आरोपित घर से फरार हो गए। विवाहिता ने तहरीर में अपने जेठ सहदेव पर कई बार जबरदस्ती करने का भी गंभीर आरोप लगाया है। उसका कहना है कि उसने इस संबंध में अपने पति को बताया, लेकिन पति ने उसका साथ देने के बजाय कथित रूप से उसी के साथ मारपीट की। आरोप है कि पति उसे धमकी देता था कि जैसा वह कहता है, वैसा करे, वरना अपने घर चली जाए। महिला ने पति पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

विवाहिता की तहरीर के आधार पर शाहपुर पुलिस ने सुभम, सहदेव, संगीता, मीरा, लाली और गुड़िया, सभी निवासी गांव गोयला, थाना शाहपुर, जिला मुजफ्फरनगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के दौरान मौके पर पहुंचे पड़ोसियों के बयान, विवाहिता की चोटों की मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल किया जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उसका आरोप है कि ससुराल में उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा है।

महिला से लॉकेट छीनने वाले तीन बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

रामराज पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त कार्रवाई; पुलिस पर फायरिंग कर भागने का प्रयास, जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल, दो दबोचे – लॉकेट, दो तमंचे, कारतूस, चाकू और बिना नंबर की बाइक बरामद

मुजफ्फरनगर। रामराज थाना क्षेत्र में महिला से लॉकेट छीनने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित पत्रकारवार्ता में एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि रामराज पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को दबोचा है। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो अन्य आरोपियों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से महिला से छीना गया लॉकेट, दो तमंचे, तीन जिंदा कारतूस, एक

खोखा कारतूस, एक चाकू और वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर प्लेट की टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है। एसएसपी ने बताया कि 10 सितंबर को महमूदपुर मंगूर के जंगल में प्राथमिक विद्यालय के पास एक महिला से लॉकेट छीनने की घटना हुई थी। इस मामले में थाना रामराज पर मुकदमा अपराध संख्या 71/2026 दर्ज किया गया था। पुलिस घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में जुटी थी। सोमवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वारदात में शामिल बदमाश रामराज की तरफ आने वाले हैं। मुखबिर की सूचना मिलने के बाद रामराज थानाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिरोही ने तत्काल एसओजी देहात टीम से संपर्क किया। इसके बाद रामराज पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने अहमदवाला तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम को बदमाशों के आने का इंतजार था। कुछ समय बाद पुलिस टीम को बिना नंबर प्लेट की एक टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने संदिग्धों को रोकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय बाइक दौड़ा दी। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी कर दी। बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में पुलिस टीम बाल-बाल बची। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे कब्जे में लिया, जबकि उसके दो साथियों को भी आवश्यक बल प्रयोग करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान शहिद पुत्र शौकीन अहमद निवासी मोहल्ला कुन्दन कालोनी, गोहर अली खां, थाना कोतवाली अफजलगढ़, जिला बिजनौर के रूप में हुई।

गहरे नलकूप के बोरिंग में गिरी गाय, ग्रामीणों ने घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला

बलवाखेड़ी में गाय के गिरने से मची अफरा-तफरी, सूचना मिलते ही पशु प्रेमी और ग्रामीण जुटे बचाव कार्य में, रस्सियों की मदद से बाहर निकाली गई गाय

मुजफ्फरनगर। चरथावल विकासखंड के गांव बलवाखेड़ी में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गाय अचानक नलकूप के गहरे बोरिंग में जा गिरी। गाय के बोरिंग में गिरने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। गहरे बोरिंग में फंसी गाय को बाहर निकालना आसान नहीं था, लेकिन ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी और अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू कर दिया। काफी देर तक चले प्रयास के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गाय के बाहर आने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। बताया गया कि गांव में एक नलकूप के बोरिंग के पास गाय पहुंच गई थी। इसी दौरान अचानक

उसका संतुलन बिगड़ा और वह गहरे बोरिंग में जा गिरी। गाय के गिरने की जानकारी होने पर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने जब बोरिंग के अंदर झांककर देखा तो गाय उसमें फंसी हुई थी।

ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड ने दी सूचना

घटना की जानकारी ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड को हुई तो उसने बिना देर किए ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे। कुछ ही देर में घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। सभी के सामने सबसे बड़ी चुनौती गहरे बोरिंग से गाय को सुरक्षित बाहर निकालने की थी। गाय के बोरिंग में गिरने की जानकारी मिलने पर पशु प्रेमी सन्नी चोपड़ा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर गाय को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य में सहयोग किया। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से गाय को बाहर निकालने की योजना बनाई और रस्सियों समेत उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल शुरू किया।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन अब चेतावनी नहीं, ठोस कदम उठाना होगा

कहीं तेज गर्मी तो कहीं भीषण बाढ़, बारिश ने विश्व का हाल बेहाल कर रखा है। यूरोप को धरती का ठंडा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब वहां भी वनाग्नि की घटनाएं आम हो गई हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल इन दिनों भीषण आग से दहक रहे हैं। यहां करीब ढाई लाख लोगों को घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया भर में कई योजनाएं और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उन्हें अमल में लाने की गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। विडंबना यह है कि कार्बन उत्सर्जन में जिन देशों का योगदान सबसे कम है, उन्हें ही जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का खमियाजा सबसे ज्यादा भुगतना पड़ रहा है। एक नई अध्ययन रिपोर्ट से भी इस बात की पुष्टि होती है, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक ताप में होने वाली बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2050 तक सालाना चार लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। इनमें से दस गुना अधिक मौत गरीब देशों में होंगी, क्योंकि वहां लोगों के पास भीषण गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक शीतलन सुविधाएं उपलब्ध कराने के संसाधन नहीं हैं।यही नहीं, तापमान बढ़ने से जंगलों में आग की घटनाएं भी लगातार भयावह होती जा रही हैं, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि मनुष्य के आवासीय इलाकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। गौरतलब है कि विश्व भर में विकास के नाम पर नए संसाधन विकसित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है।

बढ़ते शहरीकरण एवं औद्योगीकरण, वाहनों की संख्या में बेतहाशा इजाफा तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और जंगलों को नष्ट किए जाने से कार्बन उत्सर्जन का स्तर लगातार बढ़ रहा है।इसमें सबसे बड़ा योगदान विकसित देशों का है, मगर जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में वे निचली कतार में खड़े हैं। बढ़ते तापमान की वजह से जंगल की आग भी विनाशकारी साबित हो रही है।यूरोप को धरती का ठंडा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब वहां भी वनाग्नि की घटनाएं आम हो गई हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल इन दिनों भीषण आग से दहक रहे हैं। यहां करीब ढाई लाख लोगों को घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।भारत में भी हर साल जंगल की आग से वनस्पतियों का व्यापक नुकसान होता है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षित भविष्य के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों को लेकर गंभीरता दिखाई जाए और उन पर सख्ती से अमल किया जाए।

रूढ़वादियों के तुष्टीकरण हेतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सदन में 19 मई 1986 को मुस्लिम महिला अधिनियम पारित किया और देश की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वक्फ को मजबूत किया गया। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास कुल 8.72 लाख से अधिक पंजीकृत अचल संपत्तियां, 16 हजार से अधिक चल संपत्तियां तथा 38 लाख एकड़ से अधिक भूमि है। ईसाइयों की धार्मिक संपत्तियों के लिए कैनन लॉ के नियम लागू होते हैं। वहीं हिन्दुओं के मंदिरों की सम्पत्तियों पर सरकारी कब्जे के फरमान जारी होते रहे। अधिकांश पर सरकारी कारिन्दों को प्रशासक बनाकर बैठा दिया गया जो सरकार के इशारे तथा स्वयं की मर्जी से व्यवस्थाओं संशोधित कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों की कालिख के अलावा अब वर्तमान परिदृष्य बेहद कष्टप्रद होता जा रहा है। भगवां यात्रायें निकालने वाले हों या फिर हरे झंडे के नीचे धमकियां देने वाले। नीली जमात के सिपाहसालार हों या फिर सफेद टोपी वालों की भीड।

राजनीति के दंगल में धार्मिक तुष्टीकरण के दांव

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

बंगाल से लेकर दिल्ली तक दुर्गा पूजा पर मांसाहार के भक्षण पर बयानों, प्रदर्शनों और शब्द मंथन का दौर प्रारम्भ हो गया है। खान-पान, रहन-सहन और सोच-विचार के आधार पर देश को बांटने का प्रयास आक्रान्ताओं के आगमन के साथ ही शुरू हो गया था। चाटुकारों की लोलुप मानसिकता ने राष्ट्रभक्ति को दफन करके मीरजाफर की सोच को अंगीकार किया और भौतिक सुख की कल्पना में स्वयं के दुःखद अंत तक पहुंच गये। अतीत के पन्ने में चाटुकारों, लालचियों और स्वार्थी लोगों की कहानियां भरी पडीं हैं। सत्ता सुख, सम्मानित मंच और आर्थिक भण्डारण की मृगमारीचिका के पीछे दौडने वालों ने समय से साथ अवसरवादिता को अपनाया। कभी कट्टरता के आगे नतमस्तक हुए तो कभी शक्ति के आगे घुटने टेक दिये। कभी वैभव बटोरने के लिए नैतिकता की हत्या की तो कभी विलासता के लिए नीलामी के तख्ते पर खडे हो गये। ऐसे ही लोगों ने अपनों के छला और विरासत में मिलने वाली स्वयं की राष्ट्रीय थाथी को आतिताइयों के हाथों में पहुंचा दिया। संस्कृति, संस्कार और सनातन किस्तों में कत्ल होता चला गया। वैदिक परम्पराओं और मान्यताओं पर कुठाराघात होता चला गया। शान्त, सहज और सरल जीवन यापन करने वालों पर चन्द चालाकों ने शिकंजा कसा और शाश्वत सिद्धान्तों की मनमानी व्याख्यायें करके स्वयं भू संरक्षक बना बैठे। धर्म को छुईमुई का पौधा बनाकर रख दिया गया। अजर, अमर और अविनाशी धर्म को छुने, खाने, पहनने, बोलने, करने जैसी क्रियाओं से नष्ट होने की परिभाषायें दी जाने लगीं। विजातीय होने की घोषणायें होने लगी। परिणामस्वरूप सत्य पर असत्य का आवरण चढता चला गया। देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप जीवन शैली अपनाने वालों ने नये परिवेश में भी अपनी मान्यताओं को रूढियों में बदलकर लकीर पीटना शुरू कर दिया। शासकों ने शासितों पर अपनी मान्यताओं को थोप दिया। लम्बे समय तक गुलामी झेलने के कारण आम आवाम का आत्मविश्वास तार-तार हो गया। यही कारण है कि स्वाधीनता संग्राम में आक्रामकता को अंगीकार करने वालों के स्थान पर काले अंग्रेज बन चुके विलायती चाटुकारों के हाथों में षडयंत्र के तहत देश सौपा गया। नये तानाशाह का राजतिलक हुआ। बांटो और राज करो, की नीतियां चलती रहीं। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर बटवारे किये जाते रहे। सभी वर्गों के मीरजाफरों को पर्दे के पीछे से संरक्षण दिया जाता रहा। हालात यहां तक पहुंच गये कि तुष्टीकरण के लिए संविधान संशोधन भी किये जाते रहे ताकि अपने लोगों को खुश रखा जा सके। कभी न्याय के मापदण्ड बदले गये तो कभी धार्मिक सम्पत्तियों के लिए कठोर नियम बनाये। कभी पुरातन मान्यताओं को तोडा गया तो कभी आस्था पर आघात किया गया। स्वतंत्र भारत में ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पडे हैं जिनमें से शाहबानो प्रकरण तो आज देश की राजनीति से जवाब मांग रहा है। सन् 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम प्रकरण में स्वयं का भरण-पोषण करने में असमर्थ तलाकशुदा महिला के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत भरण-पोषण के अधिकार को मान्यता दी। कोर्ट ने शाह बानो बेगम के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया जिससे कट्टरपंथी नाराज हो गये। रूढवादियों के तुष्टीकरण हेतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सदन में 19 मई 1986 को मुस्लिम महिला अधिनियम पारित किया और देश की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वक्फ को मजबूत किया गया। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास कुल 8.72 लाख से अधिक पंजीकृत अचल संपत्तियां, 16 हजार से अधिक चल संपत्तियां तथा 38 लाख एकड़ से अधिक भूमि है। ईसाइयों की धार्मिक संपत्तियों के लिए कैनन लॉ के नियम लागू होते हैं। वहीं हिन्दुओं के मंदिरों की सम्पत्तियों पर सरकारी कब्जे के फरमान जारी होते रहे। अधिकांश पर सरकारी कारिन्दों को प्रशासक बनाकर बैठा दिया गया जो सरकार के इशारे तथा स्वयं की मर्जी से व्यवस्थाओं संशोधित कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों की कालिख के अलावा अब वर्तमान परिदृष्य बेहद कष्टप्रद होता जा रहा है। भगवां यात्रायें निकालने वाले हों या फिर हरे झंडे के नीचे धमकियां देने वाले। नीली जमात के सिपाहसालार हों या फिर सफेद टोपी वालों की भीड। लाल फीताशाही हो या फिर खद्दरधारियों की जमातें। समाज सेवक के लबादे में लिपटे षडयंत्रकारी हों या फिर बुद्धिजीवियों के स्वयं भू ठेकेदार। सभी एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत आम आवाम को ठगने, सत्ता सुख भोगने, विलासता के संसाधन जुटाने में लगे हैं। सनातन की सरलता ने उसे राजनैतिक दलों का चारागाह बना दिया है। बहुसंख्यक का नाम देकर उस पर अत्याचारों की दावानल निरंतर गिराया जा रहा है। जातिगत वैमनुष्यता फैलाई जा रही है। वैदिक मान्यताओं तक को हाशिये पर पहुंचाया जा रहा है। उदाहरण के लिए सनातनी ग्रन्थों में उल्लेखित चार धामों के विस्तार को लें तो वर्तमान में सरकारी तंत्र की गतिविधियों में छुपा षडयंत्र सामने आ ही जाता है। देश के वर्तमान मानचित्रानुसार उत्तराखण्ड में श्रीबद्रीनाथ धाम, उडीसा में श्रीजगन्नाथ धाम, तमिलनाडु में श्रीरामेश्वरम धाम तथा गुजरात में श्रीद्वारिका धाम की स्थिति ही चारों धाम की परिभाषा को पूर्ण करते हैं परन्तु उत्तराखण्ड की सरकारी मशानरी लम्बे समय से अपने राज्य में ही चारों धाम होने का जयघोष करके सनातनी ग्रन्थों को झूठा साबित करने पर तुली है। वहां के सरकारी आंकडों में श्रीबद्रीनाथ, श्रीकेदारनाथ, श्रीगंगोत्री और श्रीयमुनात्री ही चारों धाम हैं। ऐसा ही प्रयास कांग्रेस के शासन काल में श्रीरामसेतु की प्रमाणिकता के दौरान भी किया गया था जिसमें प्रमाणों को झुठलाकर उसे काल्पनिक तक बताया गया था। सूत्रों में समायोजित सनातनी ग्रन्थों ने अपने दर्शन को कथानकों के माध्यम से रोचकता प्रदान करते हुए वर्णित किया है जिसे तत्वदर्शियों, ज्ञानियों तथा तपस्वियों से ही उसका मर्म समझा जा सकता है। जैसे कहानी के कथानक, कथोपकथन आदि के पीछे उसकी शिक्षा छुपी होती है वैसे ही सनातनी ग्रन्थों की व्याख्या भी है। संस्कृत को हिन्दी में अनुवादित करने वालों ने अपनी समकालीन सामाजिक व्यवस्थाओं को भी धर्म के नाम पर परोस दिया था जिसे आज भी अनेक कथित विद्वानजन मान्यता के रास्ते से रूढि बनाने पर तुले हैं। अनेक अनुवाद तो देश की गुलामी के दौरान कराये गये। ग्रन्थों को आतिताई शासनों ने विकृत किया था। सामाजिक व्यवस्था को सुखद बनाने वाले आज स्वयं के हित साधने में लगे हैं। दलगत राजनीति के दिखावे के पीछे निजी हितों की लहरें छुपी हैं जो अब सुनामी बनकर देश को ही नस्तनाबूत करने पर तुल गईं हैं। बहुरूपिये बनकर खद्दरधारियों की जमातें चुनावी काल में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वार पहुंचने लगते हैं। जातिगत महापुरुषों को देवता, भगवान और परमात्मा तक मानने लगते हैं। अभी से ही संख्याबल के आधार पर नये दावपेंच चले जा रहे हैं। ऐसे में देश को आम आवाम को स्वयं आगे आकर एक देश-एक कानून की मांग उठाना चाहिए तभी राजनीति के दंगल में धार्मिक तुष्टीकरण के दांव विफल होंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को जरूर लगाएं इन चीजों का भोग, बप्पा को है अत्यंत प्रिय

(ज्योति साह)

गणेश उत्सव शुरु हो चुका है। विधि-विधान से लोग अपने घरों में बप्पा का स्वागत हुआ। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा और उन्हें कई प्रकार के भोग लगाए जाते हैं। मान्यता है कि गणेश जी को उनके प्रिय भोग जरूर अर्पित करने चाहिए। इससे बप्पा प्रसन्न होते हैं। तो चलिए जानें भगवान गणेश के प्रिय भोग। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर देशभर में भक्त धूमधाम से भगवान गणेश का अपने-अपने घरों में स्वागत करते हैं। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी तिथि पर बप्पा का जन्म हुआ था। घर में भगवान गणेश को पूरे विधि-विधान के साथ-साथ सही दिशा और सात्विक नियमों का पालन करते हुए रखना अनिवार्य होता है। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि गणेश चतुर्थी पर बप्पा की विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ उन्हें कुछ चीजों को भोग जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। तो चलिए विस्तार से जानें भगवान गणेश के प्रिय भोग जो गणेश चतुर्थी पर बप्पा को जरूर लगाने चाहिए। साथ ही, इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान भी जरूर रखना चाहिए। मोदक - ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, भगवान गणेश को चावल के आटे, ताजे नारियल और गुड़ से बने 21 उकडीचे मोदक का भोग लगाना चाहिए। क्योंकि, ये मोदक उन्हें अत्यंत प्रिय है। लड्डू का भोग - शुद्ध देसी घी से बने मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी भगवान गणेश को अर्पित करने चाहिए। पीला रंग बृहस्पति ग्रह से संबंधित है और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। ऐसे में गणेशजी को लड्डू का भोग लगाने से आर्थिक समस्याएं कम हो सकती हैं। केले का जोड़ा -गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को कभी भी अकेला केला यानी एक केला अर्पित नहीं करना चाहिए। उन्हें हमेशा दो पके हुए केले का जोड़ा ही चढ़ाएं। 21 दूर्वा और गुड़-नारियल -बप्पा के लिए भोग की थाली तैयार करते समय उसमें 21 गांठ दूर्वा के साथ शुद्ध गुड़ और ताजे नारियल की गिरी जरूर रखें। भगवान गणेश को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। केसरीया खीर और पंचामृत - गाय के शुद्ध दूध मखाने-चावल से केसरिया खीर बनाकर उसका भोग लगाएं। यह खीर गणेश जी को बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से घर में समृद्धि और शांति का वास बना रह सकता है। पूरन पोली - चना दाल, गुड़ और शुद्ध घी से बनी पूरन पोली बप्पा को अत्यंत प्रिय है। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि चना दाल और गुड़ से बना ये भोग गणेशजी को अर्पित करने से घर के सदस्यों की बुद्धि तेज होती है और बिजनेस व करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं। सूजी का शीरा - शुद्ध घी, सूजी, चीनी और ड्राई फ्रूट्स से तैयार किया शीरा यानी हलवा का भोग भी भगवान गणेश को जरूर लगाएं। ये भोग अर्पित करने से परिवार के बीच आपसी प्रेम और शांति बढ़ सकती है। हालांकि, बप्पा को भोग लगाते समय कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना

साथ ही, इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान भी जरूर रखना चाहिए। मोदक - ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, भगवान गणेश को चावल के आटे, ताजे नारियल और गुड़ से बने 21 उकडीचे मोदक का भोग लगाना चाहिए। क्योंकि, ये मोदक उन्हें अत्यंत प्रिय है। लड्डू का भोग - शुद्ध देसी घी से बने मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी भगवान गणेश को अर्पित करने चाहिए। पीला रंग बृहस्पति ग्रह से संबंधित है और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। ऐसे में गणेशजी को लड्डू का भोग लगाने से आर्थिक समस्याएं कम हो सकती हैं। केले का जोड़ा - गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को कभी भी अकेला केला यानी एक केला अर्पित नहीं करना चाहिए।

चाहिए।

गणेशजी को भोग लगाते समय इन नियमों का रखें ध्यान – गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को भोग लगाते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ ही होना चाहिए। इस दिशा को वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। भोग हमेशा चांदी, पीतल, तांबे या केले के पत्ते पर रखकर ही अर्पित करना चाहिए। भूलकर भी कांच, प्लास्टिक या लोहे के बर्तन में भगवान गणेश को भोग न लगाएं। शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी की पूजा और नैवेद्य में तुलसी का पत्ता भूलकर भी शामिल नहीं करना चाहिए। क्योंकि शिवजी और बप्पा की मूर्ति में तुलसी दल का प्रयोग करना वर्जित माना गया है।

38 साल बाद श्रीलंका की यात्रा पर गये भारतीय रक्षा मंत्री, पहुँचते ही चाइना का सारा खेल पलट दिया

राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

(नीरज कुमार दुबे)

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। करीब 38 साल बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री का श्रीलंका पहुंचना हिंद महासागर की बदलती भू-राजनीति में भारत की उस रणनीतिक वापसी का संकेत है, जिसमें सुरक्षा, समुद्री शक्ति, आर्थिक साझेदारी और जनविश्वास, चारों मोर्चों को एक साथ साधा जा रहा है। इससे पहले 1988 में तत्कालीन रक्षा मंत्री केसी पंत श्रीलंका गए थे और अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोलंबो की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

चीन के मुकाबले भारत की बढ़त क्यों अहम? – श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। लेकिन मौजूदा घटनाक्रम संकेत देता है कि कोलंबो अब एकतरफा चीनी निर्भरता की बजाय संतुलित साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है। खुद श्रीलंका के संडे टाइम्स ने राजनाथ सिंह के दौरे से पहले लिखा कि भारत चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू किया जाए। अखबार ने यह भी रेखांकित किया कि सिंह की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब श्रीलंका को अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक सक्रियता से संचालित करना होगा। इसी अखबार के संपादकीय ने इससे भी बड़ा संकेत दिया। उसने हिंद महासागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री मार्गों और बंदरगाहों की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच श्रीलंका को फिर से जियोपोलिटिकल वोटर्स में बताया और चीन के संदर्भ में पहले सामने आए संदिग्ध शोध-पोतों के मुद्दे को याद किया। यानी श्रीलंका की अपनी मीडिया बहस भी यह स्वीकार कर रही है कि द्वीप की सुरक्षा और संप्रभुता अब सीधे हिंद महासागर की महाशक्ति प्रतिस्पर्धा से जुड़ी है।

रक्षा सहयोग अब कागज से जमीन पर – इस यात्रा का सबसे ठोस परिणाम तीन महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों के रूप में सामने आ रहा है। इनमें दोनों देशों के नेशनल कैडेट कार्पस के बीच सहयोग, भारत और श्रीलंका के नेशनल डिफेंस कालेज के बीच साझेदारी तथा श्रीलंकाई वायुसेना के भारतीय मूल के 70 एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों के रखरखाव में भारत की सहायता शामिल है। भारत पहले ही 24 ऐसे हथियार श्रीलंका को दे चुका है और अब शेष छह की भी मुफ्त में मेंटेनेंस सहायता करेगा। यहां असली महत्व हथियारों से ज्यादा दीर्घकालिक सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी और संस्थागत संबंधों का है। प्रशिक्षण, रक्षा शिक्षा और उपकरणों का रखरखाव किसी देश को केवल हथियार बेचने से कहीं ज्यादा गहरे सुरक्षा रिश्ते में बांधता है। इसके साथ ही कोलंबो बंदरगाह पर भारतीय नौसेना के आईएनएस उदयगिरी की मौजूदगी ने यात्रा को स्पष्ट समुद्री आयाम भी दे दिया है।

दिल जीतने की कूटनीति – राजनाथ सिंह ने केवल रक्षा की भाषा नहीं बोली। उन्होंने भारत की आर्थिक क्षमता, तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूमिका को भी सामने रखा। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था के करीब 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने, 7.8 प्रतिशत तिमाही वृद्धि और वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत से अधिक योगदान का उल्लेख किया। यह संदेश श्रीलंका के लिए महत्वपूर्ण है कि भारत अब केवल सुरक्षा प्रदाता नहीं, बल्कि आर्थिक अवसरों का स्रोत भी है। उधर, श्रीलंका के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी इस रिश्ते की सकारात्मक स्वीकार्यता दिखाई दे रही है। पूर्व ईस्टर्न प्रोविंस गवर्नर और सीलोन वर्कर्स कांग्रेस नेता सेंथिल थोंडामन ने राजनाथ सिंह की यात्रा को दोनों देशों की रक्षा साझेदारी मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि श्रीलंका ने सरकारें बदलने के बावजूद भारत के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग बनाए रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका के लोगों द्वारा बड़े भाई की तरह स्वीकार किए जाने की बात भी कही।

रणनीतिक निष्कर्ष-भारत ने बाजी कैसे पलटी? – देखा जाये तो यह स्पष्ट है कि भारत ने श्रीलंका को चीन की एकाधिकारवादी रणनीतिक निर्भरता की ओर जाने से रोकने के लिए एक मजबूत वैकल्पिक सुरक्षा और आर्थिक ढांचा खड़ा कर दिया है। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी रणनीतिक जीत है। भारत ने सैन्य शक्ति के साथ विश्वसनीयता, संकट में मदद, सांस्कृतिक निकटता, आर्थिक अवसर और जनसंपर्क को एक पैकेज में बदल दिया है। श्रीलंका को यह संदेश मिल रहा है कि भारत उसके सामने कोई दूर की महाशक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है जो संकट में सबसे पहले पहुंच सकता है। हिंद महासागर के इस निर्णायक भूगोल में यही भारत की सबसे बड़ी बढ़त है। चीन बंदरगाहों और परियोजनाओं के जरिए प्रभाव बनाता है, जबकि भारत अब सुरक्षा, साझेदारी और भरोसे के जरिए अपना प्रभाव गहरा कर रहा है। राजनाथ सिंह की कोलंबो यात्रा केवल रक्षा कूटनीति नहीं; यह हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक वापसी और श्रीलंका के दिल-दिमाग दोनों में अपनी जगह मजबूत करने की कवायद है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शामली में किराये पर दी घोड़ा गाड़ी की किस्त नहीं चुकाने का आरोप, दूसरे वाहन की नंबर प्लेट लगाकर चलाया; पुलिस पर भी उठे सवाल

शामली। आदर्श मंडी थाना क्षेत्र में किराये पर दी गई घोड़ा गाड़ी की किस्त नहीं चुकाने और कथित तौर पर दूसरे वाहन की नंबर प्लेट लगाकर उसे चलाने का मामला सामने आया है। वाहन मालिक का आरोप है कि लंबे समय तक किस्त का भुगतान नहीं होने के बाद उसने वाहन की तलाश शुरू की और उसे पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया था। आरोप है कि पुलिस ने अपेक्षित कार्रवाई किए बिना वाहन को दोबारा आरोपित पक्ष को सौंप दिया। इसके बाद पीड़ित ने वाहन को फिर से पकड़कर आदर्श मंडी थाने पहुंचाया और पुलिस से कार्रवाई की मांग की।वाहन मालिक के अनुसार, उसने अपनी घोड़ा गाड़ी एक व्यक्ति को किराये पर दी थी। तय शर्तों के अनुसार वाहन की किस्तों का भुगतान किया जाना था, लेकिन आरोप है कि किराये पर लेने वाले व्यक्ति ने निर्धारित किस्तें जमा नहीं कीं। काफी समय बीतने के बाद भी भुगतान नहीं होने पर वाहन मालिक ने अपने स्तर से घोड़ा गाड़ी की तलाश शुरू कर दी।पीड़ित का कहना है कि वाहन की तलाश के दौरान उसे घोड़ा गाड़ी के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद उसने आदर्श मंडी थाना क्षेत्र में उसे पकड़ लिया।दूसरे वाहन की नंबर प्लेट लगाने का आरोप

वाहन मालिक ने आरोप लगाया कि

घोड़ा गाड़ी को किसी दूसरे वाहन की नंबर प्लेट लगाकर चलाया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने के बाद उसने वाहन को पुलिस के सुपुर्द कर दिया और नंबर प्लेट समेत पूरे प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की मांग की।

पीड़ित का आरोप है कि पुलिस के पास वाहन पहुंचने के बावजूद मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई और वाहन को दोबारा आरोपित पक्ष को सौंप दिया गया।

दोबारा वाहन पकड़कर थाने पहुंचा मालिक

पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट वाहन मालिक ने एक बार फिर घोड़ा गाड़ी की तलाश शुरू की। जानकारी मिलने पर उसने वाहन को दोबारा पकड़ लिया और आदर्श मंडी थाने पहुंचकर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि घोड़ा गाड़ी को उसके वास्तविक मालिक को वापस दिलाया जाए और पूरे मामले की जांच कराई जाए।

जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन

पीड़ित ने मांग की है कि यदि जांच में दूसरे वाहन की नंबर प्लेट लगाने, किस्त नहीं चुकाने अथवा अन्य आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

मामले में पहले वाहन पुलिस को सौंपे जाने के बाद वापस किए जाने के आरोप को लेकर पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जलालाबाद में गणेश चतुर्थी पर धूमधाम से विराजे गणपति, मंदिरों और घरों में हुई पूजा-अर्चना

जलालाबाद के राधा कृष्ण मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर मंत्रोच्चार के साथ स्थापित हुए विघ्नहर्ता

जलालाबादः कस्बे में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में मनाया गया। इस पावन अवसर पर कस्बे के विभिन्न मंदिरों तथा धार्मिक स्थलों पर भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। गणपति बप्पा की स्थापना के समय श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली के लिए प्रार्थना की।सोमवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी। कस्बे के प्रसिद्ध राधा कृष्ण मंदिर सहित कई धार्मिक स्थानों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने भगवान गणेश को प्रिय मोदक, स्वादिष्ट लड्डू, ताजे फल और सुंदर पुष्प अर्पित किए।मंत्रोच्चार के साथ हुई विशेष पूजा-अर्चना

गणेश उत्सव के अवसर पर कस्बे के मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी।

धार्मिक अनुष्ठान के दौरान पण्डित प्रणव शास्त्री ने शास्त्रीय विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कराई। इसके बाद जब गणपति बप्पा की आरती शुरू हुई, तो पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की परिक्रमा कर उनका आशीर्वाद लिया।घरों में भी विराजे विघ्नहर्ता गणपति

गणेश चतुर्थी को लेकर कस्बे के लोगों में खास उत्साह देखने को मिला। मंदिरों के अलावा श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में भी भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कीं। घर-परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर बप्पा की पूजा-अर्चना की। भक्तों ने 'गणपति बप्पा मोरया' के भक्तिमय जयकारे लगाकर पूरे वातावरण को धर्ममय बना दिया। सभी श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से जीवन की तमाम विघ्न-बाधाओं को दूर करने और सर्वत्र सुख-शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

जलालाबाद के गीता भवन में श्रद्धा के साथ मनाया गया हरतालिका तीज का पर्व

सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की पूजा की

जलालाबादः इलाके में हरतालिका तीज का पर्व पूरी श्रद्धा, आस्था और नियम-धर्म के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने सुखी शादीशुदा जीवन और पति की लंबी उम्र की कामना के लिए यह व्रत रखा। इस खास मौके पर राधा कृष्ण मंदिर के अंदर बने गीता भवन में विशेष पूजा-पाठ का इंतजाम किया गया था। राधा कृष्ण मंदिर के गीता भवन में सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए महिलाओं का आना शुरू हो गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में शादीशुदा महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ हरतालिका तीज का व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने अपने परिवार की सुख-

शांति, समृद्धि और पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की। पूजा-पाठ के इस धार्मिक कार्यक्रम को पंडित प्रणव शास्त्री ने पूरे नियम और विधि-विधान के साथ पूरा कराया। व्रती महिलाओं ने बिना पानी पिए यानी निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने पूरे पारंपरिक तरीके से साज-श्रृंगार करके इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया। पूजा के दौरान महिलाओं ने एक साथ बैठकर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की पूजा की और हरतालिका तीज की पावन कथा सुनी। मंदिर परिसर में दिनभर भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा। पूजा संपन्न कराने के बाद पंडित प्रणव शास्त्री ने वहां मौजूद महिलाओं को हरतालिका तीज के धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पंडित प्रणव शास्त्री ने कहा कि यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट दांपत्य प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने आगे बताया कि ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दिन जो भी सुहागिन महिला सच्चे मन और श्रद्धा के साथ व्रत रखकर पूजा करती है, उसे अखंड सौभाग्य का फल प्राप्त होता है।

शामली कलेक्ट्रेट में सीएम डैशबोर्ड समीक्षा बैठकः खराब प्रगति पर डीएम सख्त, समाज कल्याण अधिकारी का वेतन रोका

डीएम आलोक यादव ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास और राजस्व कार्यों की समीक्षा की, कई अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस थमाया

शामलीः कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों और राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिलाधिकारी ने विकास और राजस्व कार्यों की विभाग वार समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सीएम डैशबोर्ड पर दर्ज आंकड़ों के हिसाब से तय लक्ष्य के सापेक्ष हर हाल में अपेक्षित सुधार लाया जाए। बैठक के दौरान जिन विभागों की प्रगति खराब पाई गई, उन विभागों के अधिकारियों को जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई और कमियों को तुरंत दूर करते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। सामूहिक विवाह योजना में लापरवाही पर वेतन रोकाविकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सामूहिक विवाह योजना के काम की

पड़ताल की। समीक्षा में सामने आया कि सामूहिक विवाह योजना का काम पूरा होने के बाद भी उसे पोर्टल पर अपडेट नहीं किया गया था। इस लापरवाही पर जिलाधिकारी श्री आलोक यादव ने सख्त नाराजगी जताई और समाज कल्याण अधिकारी का वेतन रोकने के निर्देश जारी कर दिए। इसी तरह बैठक के दौरान नलकूप विभाग के अधिशासी अभियंता बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। बैठक में गैरहाजिर रहने पर जिलाधिकारी ने नलकूप विभाग के अधिशासी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।फैमिली आईडी और निर्माण कार्यों की समीक्षा समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए तेजी से काम निपटाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग और लोक निर्माण विभाग समेत अन्य विभागों की कार्यप्रणाली की जांच की और लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने को कहा। जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सख्त हिदायत दी कि जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, उनमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और उन्हें समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं, उनमें हैंडओवर की प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए।राजस्व कार्यों और आईजीआरएस शिकायतों पर सख्त कार्रवाई बैठक में राजस्व कार्यों की विभाग वार समीक्षा करते हुए आबकारी, खनन, वन विभाग, राज्य कर, विद्युत, सिंचाई, गन्ना विभाग और एआरटीओ को तय लक्ष्य के अनुसार काम में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण की स्थिति देखी और सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का आदेश दिया। आईजीआरएस पोर्टल पर जनता से संतोषजनक फीडबैक न मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया। असंतोषजनक फीडबैक मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानाभवन के प्रभारी चिकित्साधिकारी, एबीएसए थानाभवन, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशासी अधिकारी एलम और चकबंदी अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ब्रजेन्द्र शुक्ल, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) शामली सत्येन्द्र सिंह और मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ तृतीय कुमार सक्सेना मौजूद रहे। इनके साथ ही समीक्षा बैठक में सभी उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शामली के चौसाना में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत किशोरी क्लब की स्थापना, बांटी गई खेल सामग्री

जय भारत जय किसान इंटर कॉलेज में छात्राओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए हुई अनोखी पहल

शामलीः चौसाना के जय भारत जय किसान इंटर कॉलेज में बेटियों के शारीरिक विकास और मनोरंजन को बढ़ावा देने के लिए 14-09-2026 को एक खास पहल की गई है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जय भारत जय किसान इंटर कॉलेज, चौसाना, जनपद शामली में किशोरी क्लब की स्थापना की गई है। यह आयोजन जिलाधिकारी श्री आलोक यादव के दिशा-निर्देशों पर हुआ। जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री मौहम्मद मुशफेकीन के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग, शामली ने इसे आयोजित किया। इसका मुख्य मकसद छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद से जोड़कर उनका शारीरिक व मानसिक विकास करना है ताकि वे खेलों में भी अपनी रुचि बनाए रखें। छात्राओं के बने छह ग्रुप, बांटी गई खेल सामग्रीइस कार्यक्रम के दौरान स्कूल में छात्राओं के विशेष ग्रुप बनाए गए। किशोरी क्लब को सुचारू रूप से चलाने के लिए पांच-पांच छात्राओं के छह ग्रुप बनाए गए हैं। इन सभी बालिकाओं को

खेलकूद से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री बांटी गई। छात्राओं को कैरम बोर्ड, लूडो, चैस, हॉकी, वॉलीबॉल और बैडमिंटन बांटे गए ताकि वे स्कूल में मनोरंजन के साथ अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकें। इस क्लब के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में स्कूल के 135 से अधिक छात्र और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया।विभागीय योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी कार्यक्रम में बच्चों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला मिशन समन्वयक सदफ खान ने छात्र-छात्राओं को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल सेवा योजना सामान्य/कोविड और स्पॉन्सरशिप योजना की जानकारी दी। साथ ही 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा विभाग द्वारा संचालित 1098, 102, 108, 112, 181, 1090 और 1076 हेल्पलाइनों की विस्तृत जानकारी भी छात्राओं को दी गई।कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

गौशालाओं में चारे की कमी पर भड़के डीएम आलोक यादव, लंपी बीमारी के खिलाफ शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश

जिलाधिकारी आलोक यादव ने पशुपालन विभाग की बैठक में दी चेतावनी, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

शामलीः कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की हर तीन महीने में होने वाली निगरानी कमेटी की एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिलाधिकारी ने जिले में चल रही गौशालाओं के इंतजाम और उनके रखरखाव को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सभी गौशालाओं में गायों के लिए भूसे और हरे चारे की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने आने वाले समय के लिए भी चारे का पूरा इंतजाम पहले से ही करने को कहा है। बैठक में पशुपालन विभाग की अलग-अलग योजनाओं और कामों की भी गहराई से समीक्षा की गई।

गौशालाओं में चारे के इंतजाम पर नाराजगी

बैठक के दौरान जब जिलाधिकारी आलोक यादव ने गौशालाओं में चारे की उपलब्धता की जानकारी मांगी, तो पशुपालन विभाग के अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस बात पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि विभाग के पास सभी जानकारियां पूरी तरह से सही और नई होनी चाहिए। जिलाधिकारी

ने निर्देश दिया कि शासन की तरफ से तय की गई गाइडलाइन के हिसाब से ही आगे की सारी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि गौशालाओं में अभी की जरूरत और आने वाले समय की मांग को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में भूसा और हरा चारा हर हाल में मिलना चाहिए।मृत पशुओं का निस्तारण और लंपी बीमारी से बचाव जिलाधिकारी ने बैठक में मृत पशुओं को लेकर भी जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो पशु मर जाते हैं, उनके शवों को हटाने और दफनाने का काम पूरी तरह से तय नियमों और तय प्रक्रिया के तहत ही किया जाना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद जिले में लंपी बीमारी के हालात पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने लंपी बीमारी को फैलने से रोकने के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को आदेश दिया कि वे हर गांव में जाकर शत-प्रतिशत पशुओं का टीका लगवाएं। यह काम एक तय रोस्टर बनाकर किया जाना चाहिए ताकि कोई भी गांव छूटने न पाए। जिलाधिकारी आलोक यादव ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि पशुओं के टीकाकरण के इस अभियान की लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि जो भी लक्ष्य तय किया गया है, उसे समय रहते पूरा किया जाना चाहिए।

रंग संसार

बड़े.पर्दे पर सुपरहीरो अवतार में नजर आएंगे आमिर खान? साजिद नाडियाडवाला और आर बाल्की के साथ मिलाया हाथ

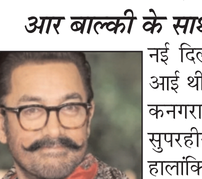

नई दिल्ली। पिछले साल खबर आई थी कि आमिर खान लोकेश कनगराज की एक्शन फिल्म में सुपरहीरो का किरदार निभाएंगे। हालांकि, 'कुली' को मिले खराब रिएक्शन के बाद यह संभावित साझेदारी रद्द हो गई। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि आमिर खान एक और फिल्म में सुपरहीरो का किरदार निभाने जा रहे हैं। साजिद नाडियाडवाला होंगे निमार्ता खबर है कि आमिर खान निमार्ता साजिद नाडियाडवाला के साथ एक नई सुपरहीरो फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आर बाल्की द्वारा किया जाएगा और बताया जा रहा है कि यह अभी शुरूआती चरण में है।फिल्म अभी शुरूआती दौर में है और इसकी स्कीनराइटिंग पर काम चल रहा है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान से इस प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया है और उन्होंने रुचि भी दिखाई है, लेकिन उन्होंने अभी तक आधिकारिक तौर पर फिल्म साइन नहीं की है।स्क्रीनप्ले पर चल रहा है काम फिल्म निमार्ता अगले कुछ महीनों में कहानी, स्क्रीनप्ले और मुख्य किरदार पर काम करेंगे। चूंकि फिल्म बड़े पैमाने पर बन रही है, इसलिए आगे बढ़ने से पहले इसके प्रोडक्शन डिजाइन और संपूर्ण लुक को भी अंतिम रूप देना होगा।आमिर फिल्म साइन करने से पहले समय लेने के लिए जाने जाते हैं और आमतौर पर स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद ही फिल्म के लिए हामी भरना पसंद करते हैं। खबरों के अनुसार,निमार्ता उनके साथ मिलकर स्टोरी पर काम कर रहे हैं। पहली बार ऐसी भूमिका निभाएंगे मिस्टर परफेक्शनिस्ट अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक होता है, तो यह आमिर खान का निमार्ता साजिद नाडियावाला और निर्देशक आर बाल्की के साथ पहला कोलैबोरेशन होगा। आर बाल्की 'चीनी कम', 'पा', 'की एंड का', 'पैड मैन', 'चुपः रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' और 'घूमर' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। यह पहली बार होगा जब आमिर खान बड़े पर्दे पर सुपरहीरो की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसके अलावा 2018 में फ्लॉप हुई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' के बाद लगभग एक दशक में यह उनकी पहली एक्शन फिल्म होगी।

राज काज

भारत में खुदरा महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत पर पहुंची, सोना-चांदी और खाद्य कीमतों ने बढ़ाया दबाव

नई दिल्ली। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला पर आधारित भारत की खुदरा महंगाई अगस्त 2026 में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी महीने की तुलना में मामूली बढ़ोतरी को दशार्ता है। अगस्त के दौरान सबसे अधिक महंगाई चांदी के आभूषणों में दर्ज की गई, जिनकी कीमतों में 107.11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं सोने के आभूषणों की कीमतों में 35.55 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया।अगस्त में कुल खाद्य महंगाई 5.95 प्रतिशत रही। इस दौरान प्याज, अदरक और लहसुन की कीमतों में क्रमशः 48.27 प्रतिशत, 73.82 प्रतिशत और 43.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, टमाटर की कीमतों में 31.09 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू भी 13.14 प्रतिशत सस्ता हुआ।अन्य वस्तुओं में कारों की कीमतों में भी कमी देखने को मिली और अगस्त के दौरान इनमें 6.72 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सीपीआई-आधारित महंगाई अभी भी आरबीआई के निर्धारित 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे के भीतर है। इस दायरे का मध्य बिंदु 4 प्रतिशत है। आरबीआई की मौद्रिक नीति का लक्ष्य आर्थिक वृद्धि और मूल्य स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हुए महंगाई को इसी सीमा के भीतर रखना है। हालिया मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था कि मुख्य महंगाई दर लक्ष्य से ऊपर गई है, जिसका प्रमुख कारण ईंधन की ऊंची कीमतें हैं, जबकि व्यापक मूल्य दबाव अभी भी नियंत्रण में हैं। आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए औसत महंगाई के अपने अनुमान को जून में दिए गए 5.1 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। वहीं खाद्य और ईंधन को छोड़कर मापी जाने वाली कोर महंगाई का अनुमान 4.7 प्रतिशत से घटाकर 4.3 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि मिश्रित आर्थिक संकेतों के बावजूद केंद्रीय बैंक को भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भरोसा है।

दैनिक राशिफल मंगलवार 15 सितम्बर 2026

मेष – यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी।

वृष – लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मिथुन : दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा।

कर्क – विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे।

सिंह- नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कन्या – अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

तुला – व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें।

धनु – पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मकर – जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंगे।

कुंभ – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मीन – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा।

दैनिक पंचांग

15 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.59 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	08.10 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.24 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.40 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.45 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.32 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.05 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.35 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.15 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	23.13 बजे से
		कर्क	01.27 बजे से
		सिंह	03.43 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 258 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 07.45 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 15.21 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 12.20 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.45 बजे तदनन्तर बव 20.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 06'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872833
जूलियन दिन 2461298.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 03
विशेष ऋषि पंचमी, डॉ.विश्वेश्वरैया जयंती, अभियंता दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

घर के सामने बैठने को लेकर खूनी संघर्ष, पांच लोगों पर लाठी-डंडों और सरियों से हमला करने का आरोप

गाली-गलौज का विरोध करने पर बढ़ा विवाद, दो भाइयों के सिर में गंभीर चोटें, अंकित के बेहोश होने से मचा हड़कंप, तहरीर पर मुकदमा दर्ज

मीरापुर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव तुल्हेडी में घर के सामने बैठने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर पड़ोस के लोगों ने दो भाइयों समेत परिवार के लोगों पर लाठी-डंडों और लोहे की सरियों से हमला कर दिया। हमले में दो भाइयों के सिर में गंभीर चोटें आने की बात कही गई है, जबकि अंकित चोट लगने के बाद मौके पर ही बेहोश हो गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले में विजय की तहरीर पर मीरापुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार विजय पुत्र ओम सिंह निवासी गांव तुल्हेडी अपने भाइयों के साथ घर के सामने बैठा हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसी नरेश पुत्र तिलकराम, वीरेश पुत्र नरेश, नीरज पुत्र नरेश, कृष्ण पुत्र सतपाल, निशांत पुत्र सतपाल और क्रिस पुत्र सतपाल वहां पहुंच गए।शिकायतकर्ता का आरोप है कि वहां पहुंचते ही उक्त लोगों ने विजय और उसके भाइयों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। परिवार के लोगों ने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो मामला और बिगड़ गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और आरोप है कि दूसरे पक्ष ने मारपीट शुरू कर दी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर आरोपितों ने विजय और उसके भाइयों पर लाठी-डंडों तथा लोहे की सरियों और रॉड से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर चीख-पुकार

मच गई। आरोप है कि हमलावरों ने परिवार के लोगों को जमकर पीटा, जिससे कई लोगों को चोटें आईं। हमले के दौरान आसपास मौजूद लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। लोगों को आता देख आरोपित पक्ष जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। इसके बाद घायल परिवार के लोगों को उपचार के लिए ले जाया गया। शिकायतकर्ता विजय के मुताबिक मारपीट के दौरान उसके भाई अंकित और अजय के सिर में गंभीर चोटें आईं। सिर में चोट लगने के बाद अंकित मौके पर ही बेहोश हो गया। उसकी हालत देखकर परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में घायलों को उपचार के लिए ले जाया गया। घटना के बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर गांव में भी चर्चा बनी हुई है। विजय की तहरीर के आधार पर मीरापुर पुलिस ने नरेश, वीरेश, नीरज, कृष्ण, निशांत और क्रिस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के दौरान मौजूद लोगों, घायलों की मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल कर रही है। साथ ही मारपीट की वास्तविक वजह और घटनाक्रम की भी जांच की जा रही है। मीरापुर पुलिस के अनुसार मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

अग्निवीर बनने का सपना अधूरा छोड़ गया उपवंत, आर्य समाज मंदिर परिसर में मिला शव

काजीखेड़ा में हुए घटना से मचा हड़कंप, सीओ फुगाना और तितावी थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गांव काजीखेड़ा में रविवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब अग्निवीर भर्ती की तैयारी कर रहे करीब 20 वर्षीय युवक का शव आर्य समाज मंदिर परिसर में पड़ा मिला। युवक की अचानक हुई मौत की खबर मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने में जुटी है। बताया गया कि काजीखेड़ा निवासी उपवंत शर्मा सेना में अग्निवीर भर्ती की तैयारी कर रहा था। रविवार रात करीब 10 बजे उसका शव गांव स्थित आर्य समाज मंदिर परिसर में मिला। युवक को इस हालत में देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में घटना की जानकारी पूरे गांव में फैल गई और ग्रामीण मौके पर जुटने लगे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ फुगाना नरेंद्र यादव

और तितावी थाना प्रभारी जयवीर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वहां मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस घटनास्थल से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाने के साथ ही युवक के बारे में भी जानकारी ली जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

अग्निवीर बनने का सपना देख रहा था उपवंत

उपवंत शर्मा की उम्र करीब 20 वर्ष बताई गई है। वह सेना में अग्निवीर भर्ती होकर देशसेवा करने और अपना भविष्य बनाने के लिए लगातार तैयारी कर रहा था। भर्ती की तैयारी में जुटे युवक की इस तरह अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजन घटना से सदमे में हैं और उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि जिस युवक को सेना में भर्ती होने की उम्मीद थी, वह अब उनके बीच नहीं है। उपवंत की मौत की खबर मिलते ही उसके परिचित और ग्रामीण भी स्तब्ध रह गए। परिवार में मातम पसरा हुआ है।

मदीना चौक के पास सड़क किनारे खड़ी कार बनी आग का गोला, देखते ही देखते धू-धूकर जली

अचानक लगी भीषण आग से मची अफरा-तफरी, गैस से चलने वाली कार होने पर पुलिस ने लोगों को मौके से हटाया, दमकल ने काफी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रविवार रात मदीना चौक के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। कुछ ही पलों में आग ने कार को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। कार से उठती आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सड़क पर आने-जाने वाले लोग भी रुककर जलती कार को देखने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के लिहाज से लोगों को घटनास्थल से दूर कराया। बाद में दमकल की गाड़ी ने पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कार पूरी तरह जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात यह रही कि घटना के समय कार के अंदर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था।

रात में अचानक कार से उठने लगा धुआं

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 10 बजे मदीना चौक के पास सड़क किनारे एक कार खड़ी थी। इसी दौरान अचानक कार से धुआं उठता दिखाई दिया। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही धुएं ने आग का रूप ले लिया। आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही देर में कार की छत, बोनट और अंदर का हिस्सा आग की चपेट में आ गया। कार को जलता देखकर आसपास के लोग मौके पर जुटने लगे।

आग की लपटें देखकर लोगों में मची अफरा-तफरी

कार में लगी आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग सुरक्षा के लिहाज से पीछे हट गए, जबकि कुछ लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सड़क पर भी लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई। जलती कार के आसपास भीड़ बढ़ने से स्थिति और गंभीर हो सकती थी, इसलिए पुलिस ने पहुंचते ही लोगों को वहां से हटाना शुरू कर दिया।

गैस का सिलेंडर लगा होने से पुलिस ने बरती सावधानी

कार गैस से चलने वाली थी और उसमें गैस का सिलेंडर लगा हुआ था। ऐसे में आग बढ़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने विशेष

सावधानी बरती। कच्ची सड़क पुलिस चौकी से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर कराया। पुलिस ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों को कार के नजदीक जाने से रोका। दमकल की गाड़ी पहुंचते ही शुरू हुआ आग बुझाने का काम

पुलिस की सूचना के बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने बिना देर किए आग बुझाने का काम शुरू किया। आग काफी तेज होने के कारण उसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पानी की बौछार कर आग को नियंत्रित किया गया। काफी प्रयास के बाद कार में लगी आग पूरी तरह बुझाई जा सकी। आग बुझने तक कार का अधिकांश हिस्सा जल चुका था

दमकल कर्मियों ने आग पर काबू तो पा लिया, लेकिन तब तक कार का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। कार का बाहरी हिस्सा, शीशे और अंदर का सामान आग की चपेट में आने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आग बुझने के बाद कार सड़क किनारे जली हुई हालत में खड़ी दिखाई दी। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ ही देर में कार को भारी नुकसान पहुंच गया। कार मालिक के रिश्तेदार मोहम्मद शिबली ने बताया कि उनके बहनोई इंचौली से मुजफ्फरनगर आए थे। उन्होंने कार को घर के पास सड़क किनारे खड़ा किया था। इसके बाद अचानक कार में आग लग गई। शिबली के मुताबिक, शुरूआती तौर पर आशंका है कि कार गर्म होने के बाद उसमें आग लगी होगी। हालांकि आग लगने की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस फिलहाल आग लगने के कारण की जानकारी जुटा रही है। आग वाहन में किसी खराबी के कारण लगी या कोई अन्य वजह रही, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी ली। आग लगने के समय कार किस स्थिति में थी और उससे पहले उसमें कोई खराबी तो नहीं आई थी, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। इस घटना में सबसे बड़ी राहत यह रही कि आग लगने के समय कार के अंदर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। यदि कोई व्यक्ति कार के अंदर होता तो उसकी जान खतरे में पड़ सकती थी। पुलिस की सतर्कता और दमकल कर्मियों की कार्रवाई से आग को समय रहते बुझा लिया गया। आसपास खड़े लोगों को भी सुरक्षित दूरी पर रखे जाने से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

पमनावली में चलते ट्रक में लगी भीषण आग, चालक-कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान

सिंभावली मिल से स्क्रैप लेकर खतौली जा रहा था ट्रक, चौकी से आगे पहुंचते ही अगले हिस्से से उठने लगा धुआं—चंद मिनटों में आग की लपटों में घिरा पूरा ट्रक

खतौली। खतौली क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पमनावली चौकी से आगे सड़क पर सिंभावली मिल से पुराना स्क्रैप लेकर खतौली की ओर जा रहे एक चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। ट्रक के अगले हिस्से से पहले धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते धुआं आग की तेज लपटों में बदल गया। आग तेजी से पूरे ट्रक में फैलने लगी। हालात बेकाबू होते देख चालक और कंडक्टर ने अपनी जान की परवाह किए बिना ट्रक से छलांग लगा दी। दोनों के समय रहते बाहर निकल आने के कारण उनकी जान बच गई, जबकि कुछ ही देर में पूरा ट्रक धू-धूकर जलने लगा। बताया गया कि चालक शहजाद ट्रक में पुराना स्क्रैप लादकर सिंभावली मिल से खतौली नहर स्थित गोदाम की ओर जा रहा था। ट्रक पमनावली चौकी से आगे सड़क पर पहुंचा। उस समय सब कुछ सामान्य था, लेकिन अचानक ट्रक के आगे वाले हिस्से से धुआं निकलता दिखाई दिया। चालक ने जैसे ही धुआं देखा, स्थिति को समझने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही क्षणों में धुआं तेजी से बढ़ने लगा। देखते ही देखते धुआं आग की लपटों

में बदला

ट्रक के अगले हिस्से से उठ रहा धुआं अचानक आग की लपटों में बदल गया। आग इतनी तेजी से फैली कि चालक और कंडक्टर को ट्रक के अंदर से बाहर निकलने का मौका बेहद कम मिला। दोनों ने तत्काल ट्रक से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। ट्रक रुकने के बाद आग ने देखते ही देखते उसके बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। चलते ट्रक में आग लगने की खबर से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने जलते हुए ट्रक को देखा तो मौके पर भीड़ जुटने लगी। आग की लपटें दूर से दिखाई दे रही थीं। इस दौरान चालक ने किसी तरह खुद को संभालते हुए पुलिस को सूचना देने की कोशिश की और तत्काल 112 नंबर पर कॉल कर घटना की जानकारी दी।

112 की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस

चालक शहजाद द्वारा 112 नंबर पर सूचना दिए जाने के बाद पुलिस सक्रिय हुई। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। ट्रक में आग की भयावह स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी को मौके के लिए रवाना किया गया। दमकल की टीम मौके पर पहुंची तो ट्रक आग की लपटों से घिरा हुआ था। दमकल कर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत और प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने के बाद जब स्थिति सामान्य हुई तो ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। आग के कारण ट्रक का अधिकांश हिस्सा जल गया। इस हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि चालक और कंडक्टर ने आग फैलने से पहले ही ट्रक से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। यदि आग लगने का पता चलने में कुछ और देर हो जाती तो हादसा गंभीर रूप ले सकता था।

सरकारी पेड़ काटने से रोका तो वन विभाग की टीम से गाली-गलौज और बदसलूकी

दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर किथौड़ा के पास हरे पेड़ काटने का आरोप, वन दरोगा की शिकायत पर दो नामजद समेत 5-6 अज्ञात के खिलाफ जांच शुरू

मीरापुर। मीरापुर थाना क्षेत्र में दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर सरकारी जमीन पर खड़े पेड़ों को काटने से रोकना वन विभाग की टीम को भारी पड़ गया। किथौड़ा गांव के पास हाईवे किनारे हरे पेड़ों को काटे जाने की सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और बदसलूकी की गई। हंगामा बढ़ने पर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पेड़ काटने का काम रुकवाया। मामले में वन दरोगा की शिकायत पर मेरठ के दो लोगों को नामजद करते हुए 5-6 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हाईवे किनारे पेड़ काटे जाने की मिली सूचना

वन विभाग को सूचना मिली थी कि दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर किथौड़ा गांव के पास हाईवे किनारे स्थित खेत में कुछ लोग हरे लिपिस्टिक के पेड़

काट रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन दरोगा विवेक मलिक अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने कुछ लोगों को पेड़ काटते हुए देखा।

वन विभाग की टीम ने मौके पर मौजूद लोगों को पेड़ काटने से रोकते हुए बताया कि हाईवे किनारे खड़े पेड़ सरकारी जमीन पर हैं और इन्हें बिना अनुमति काटना गैरकानूनी है। वन दरोगा ने पेड़ काटने का काम तत्काल बंद करने के लिए कहा। आरोप है कि इसी बात को लेकर मौके पर मौजूद लोग वन विभाग की टीम से उलझ गए। आरोप है कि पेड़ काटने से रोकने पर वन विभाग की टीम के साथ गाली-गलौज की गई और अभद्रता की गई। मौके पर स्थिति बिगड़ती देख वन विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद पेड़ काटने का काम रुकवाया गया और मौके की स्थिति को नियंत्रित किया गया। नेशनल हाईवे के अधिकारियों को दी गई जानकारी

वन विभाग की ओर से पूरे मामले की जानकारी नेशनल हाईवे से जुड़े बड़े अधिकारियों को भी दी गई है। वन दरोगा का कहना है कि जिन पेड़ों को काटा जा रहा था, वे हाईवे की जमीन पर खड़े थे और सरकारी संपत्ति के अंतर्गत आते हैं। ऐसे में बिना अनुमति पेड़ों की कटाई किए जाने को लेकर विभाग ने आपत्ति जताई थी। मामले में वन दरोगा विवेक मलिक की ओर से मीरापुर थाने में शिकायत दी गई है। शिकायत में मेरठ निवासी दो लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 5-6 अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भी आरोप लगाए गए हैं। वन विभाग की टीम ने आरोप लगाया है कि सरकारी पेड़ काटने से रोकने पर उनके साथ अभद्रता की गई और सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

शिकायत मिलने के बाद मीरापुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाने में तीन लोगों को सुपुर्द करने के बाद प्रधान ने जताई मुठभेड़ की आशंका

प्रधान गुलजार ने जिलाधिकारी-एसएसपी से सुरक्षा की मांग की, रतनपुरी पुलिस ने आरोपों को बताया निराधार, कहा—तीनों को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र के रियावली नंगला गांव में तीन लोगों को पुलिस के सुपुर्द करने के बाद ग्राम प्रधान द्वारा उनकी सुरक्षा को लेकर जताई गई आशंका से मामला चर्चा में आ गया। ग्राम प्रधान गुलजार का कहना है कि उन्होंने रविवार दोपहर करीब तीन बजे अपनी जिम्मेदारी पर गांव के हाशिम, गुफरान और इमरान को रतनपुरी थाने पहुंचाकर पुलिस के सुपुर्द किया था। इसके बाद उन्हें सूचना मिली कि तीनों के खिलाफ पुलिस मुठभेड़ की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रधान ने इस आशंका को लेकर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप कर तीनों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। ग्राम प्रधान गुलजार के मुताबिक, रविवार दोपहर करीब तीन बजे वह हाशिम, गुफरान और इमरान को लेकर रतनपुरी थाने पहुंचे थे। उन्होंने तीनों को अपनी जिम्मेदारी पर पुलिस के सुपुर्द किया। प्रधान का कहना है कि उन्होंने पुलिस के साथ सहयोग करते हुए तीनों को थाने पहुंचाया था। प्रधान के अनुसार, तीनों को पुलिस के हवाले करने के बाद वह वहां से चले गए। कुछ समय बाद उन्हें ऐसी जानकारी मिली, जिसके बाद उन्हें तीनों की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई। मुठभेड़ की तैयारी की सूचना मिलने

का दावा

गुलजार का आरोप है कि उन्हें जानकारी मिली कि पुलिस तीनों लोगों के खिलाफ मुठभेड़ की कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। इस सूचना के बाद उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाने का फैसला किया। रविवार रात ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों के साथ बनाया गया वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित किया। इसमें उन्होंने पूरे घटनाक्रम को बताते हुए तीनों लोगों की सुरक्षा की मांग की। तीनों को थाने ले जाते समय का वीडियो भी सामने आया

प्रधान की ओर से सामाजिक माध्यमों पर एक अन्य वीडियो भी प्रसारित किया गया, जिसमें तीनों लोगों को रतनपुरी थाने ले जाते हुए दिखाई देने का दावा किया गया है। प्रधान का कहना है कि वह स्वयं तीनों को थाने लेकर पहुंचे और पुलिस के सुपुर्द किया था। वीडियो सामने आने के बाद गांव और क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। प्रधान की ओर से लगाए गए आरोपों को लेकर ग्रामीणों में भी तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। जिलाधिकारी और एसएसपी को दिया प्रार्थना पत्र ग्राम प्रधान गुलजार ने जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम प्रार्थना पत्र देकर हाशिम, गुफरान और इमरान की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने अधिकारियों से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा कि तीनों के साथ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए और उनकी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। प्रधान का कहना है कि इसी आशंका के चलते उन्होंने अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराया है।

पुलिस ने आरोपों को किया खारिज

उधर, ग्राम प्रधान द्वारा लगाए गए आरोपों को रतनपुरी थाना प्रभारी ने पूरी तरह निराधार बताया है। थाना प्रभारी के अनुसार पुलिस की ओर से तीनों लोगों के खिलाफ मुठभेड़ की कोई तैयारी नहीं की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तीनों के संबंध में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस ने प्रधान द्वारा जताई गई मुठभेड़ की आशंका से साफ इनकार किया है।

ग्राम प्रधान की ओर से वीडियो प्रसारित किए जाने और जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिए जाने के बाद मामला चर्चा में है। एक ओर प्रधान तीनों लोगों की सुरक्षा को लेकर आशंका जता रहे हैं, वहीं पुलिस ने मुठभेड़ की तैयारी के आरोपों को खारिज किया है। फिलहाल मामले में पुलिस की अगली कार्रवाई और तीनों लोगों को न्यायालय में पेश किए जाने की स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है। प्रधान द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि तीनों के खिलाफ आगे की कार्रवाई कानून के अनुसार की जाएगी।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में संगठन मजबूती और एकजुटता पर जोर

राष्ट्रीय सचिव संजीव आर्य की मौजूदगी में कार्यकताओं ने लिया जनसेवा का संकल्प

मुजफ्फरनगर। हरिवृंदावन बैंक्वेट हॉल में सोमवार को कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव संजीव आर्य ने सहभागिता की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा के नेतृत्व में मुख्य अतिथि संजीव आर्य का स्वागत किया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान संगठन को मजबूत

करने, कार्यकताओं को एकजुट करने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मजबूत संगठन ही जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का माध्यम है। कार्यकताओं से पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और जनसेवा के संकल्प के साथ सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। सम्मेलन में कार्यकताओं के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं में खासा उत्साह नजर आया। कार्यक्रम के आयोजकों ने सम्मेलन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

खतौली ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग का बड़ा अभियान, अपंजीकृत क्लीनिकों पर कसा शिकंजा

पीपलहेड़ा, गालिबपुर और अंती में विशेष सघन जांच, वैध पंजीकरण और शैक्षिक अभिलेख नहीं मिलने पर उपाध्याय क्लिनिक, माधव लैब व कल्याण आयुर्वेदिक सेंटर को नोटिस

खतौली। क्षेत्र में अपंजीकृत क्लीनिक, अस्पताल, नर्सिंग होम, डेंटल सेंटर और पैथोलॉजी लैब के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के निर्देश पर सोमवार को खतौली ग्रामीण क्षेत्र में विशेष सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अलग-अलग गांवों में पहुंचकर चिकित्सा संस्थानों की जांच की और संचालकों से पंजीकरण समेत आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा। सोमवार को चलाए गए अभियान के तहत ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने खतौली ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम पीपलहेड़ा, गालिबपुर और अंती में संचालित क्लीनिकों एवं चिकित्सा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर उपलब्ध व्यवस्थाओं के साथ-साथ संबंधित संस्थानों के वैध पंजीकरण और संचालकों की शैक्षिक अहर्ता से संबंधित अभिलेखों की जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जांच के दौरान संबंधित संस्थानों पर वैध पंजीकरण तथा शैक्षिक अहर्ता से जुड़े आवश्यक अभिलेख मौके पर उपलब्ध नहीं पाए गए। टीम द्वारा संचालकों से इस संबंध में जानकारी और संतोषजनक जवाब मांगा गया, लेकिन विभाग के मुताबिक संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई। जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपाध्याय

क्लिनिक, माधव लैब और कल्याण आयुर्वेदिक सेंटर को नियमानुसार नोटिस जारी किए। विभाग की ओर से संबंधित संचालकों को आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने तथा चिकित्सा संस्थान के संचालन से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से ग्रामीण क्षेत्रों में बिना वैध पंजीकरण के चिकित्सा सेवाएं संचालित करने वालों में हड़कंप की स्थिति है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अपंजीकृत क्लीनिक, अस्पताल, नर्सिंग होम, डेंटल सेंटर और पैथोलॉजी लैब के खिलाफ जांच अभियान जारी रहेगा। शिकायत मिलने पर भी संबंधित स्थानों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में बिना वैध पंजीकरण के क्लीनिक, अस्पताल या पैथोलॉजी लैब संचालित होने की जानकारी मिलती है तो उसकी शिकायत प्रशासन अथवा स्वास्थ्य विभाग से की जाए। अधिकारियों के अनुसार शिकायतों के आधार पर भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को व्यवस्थित करने और अपंजीकृत चिकित्सा संस्थानों पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया के निर्देश पर चलाया जा रहा है। विभाग का जोर इस बात पर है कि लोगों को नियमों के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों और बिना जरूरी पंजीकरण अथवा निर्धारित योग्यता के चिकित्सा गतिविधियां संचालित न की जाएं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी करते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की जांच आगे भी जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खतौली में इमाम के घर से नकदी और जेवरात चोरी: ताला तोड़कर हाथ साफ कर गये चोर, पुलिस में एफआईआर दर्ज

गांव भंगेला में मस्जिद के इमाम के घर हुई वारदात, सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस

खतौली(मुजफ्फरनगर)। खतौली कोतवाली क्षेत्र के गांव भंगेला में बदमाशों ने एक बड़ी चोरी को अंजाम दिया है। मस्जिद के इमाम के सूने घर का ताला तोड़कर चोर हजारों की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पीड़ित इमाम की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और चोरों की सुरागकशी के लिए टीमें गठित कर दी हैं।

बीमार मां को देखने गया था परिवार

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, खतौली क्षेत्र के भंगेला गांव में मस्जिद के इमाम अमीर अहमद ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि शनिवार की सुबह करीब नौ बजे वह अपनी पत्नी अफसाना के साथ अपनी बीमार मां का हाल जानने गांव मोहम्मदपुर माफी गए थे, जबकि उनके बच्चे उस समय स्कूल गए हुए थे। जब दोपहर करीब एक बजे वे लोग वापस अपने घर लौटे, तो मुख्य दरवाजे का कुंडा टूटा हुआ मिला।

अलमारी तोड़कर सब कुछ ले गए चोर

चोर परिवार की गैरमौजूदगी में घर के अंदर प्रवेश करने पर पता चला

कि चोरों ने बेडरूम में रखी अलमारी का ताला भी तोड़ दिया था। अलमारी के अंदर रखे नगदी और सोने-चांदी के सभी कीमती जेवरात गायब थे। अचानक हुई इस दुःसाहसिक चोरी की घटना से इमाम का पूरा परिवार सदमे में है।

पुलिस उपाधीक्षक ने दिए खुलासे के निर्देश

पुलिस उपाधीक्षक रुपाली रॉय चौधरी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बताया कि चोरी का खुलासा करने के लिए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। सामने आई फुटेज में एक संदिग्ध युवक नजर आया है, जिसकी शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने जल्द ही चोरी की इस वारदात का पदार्फाश कर आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजने का दावा किया है।

मोरना में पुलिस चौकी के भीतर खाकी के सामने भिड़ीं महिलाएं: एक महिला ने दूसरी का दबाया गला और मारपीट, पुलिकर्मियों में मचा हडकंप

पीड़िता निशा ने पुरानी रंजिश के चलते छत से पत्थर फेंकने और मारपीट का लगाया आरोप

मोरना (मुजफ्फरनगर): जनपद के भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोरना कस्बा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ पुलिस चौकी के भीतर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में ही दो महिलाएं आपस में भिड़ गईं। आरोप है कि एक महिला ने दूसरी महिला के साथ जमकर मारपीट की और उसका गला तक दबा दिया। इस दुस्साहसिक घटना के बाद चौकी परिसर में भारी अफरा-तफरी मच गई और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के मोरना निवासी पीड़िता निशा ने थाने में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव की ही एक महिला उससे पुरानी रंजिश रखती है। आरोप है कि दो दिन पहले आरोपी महिला ने निशा के घर की छत पर ईंट-पत्थर फेंके थे, जिसमें गनीमत रही कि निशा बाल-बाल बच गई। इस मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को पूछताछ और समझौते के लिए मोरना पुलिस चौकी पर बुलाया था। लेकिन पुलिसकर्मी उस समय हैरान रह गये, जब दोनों महिला पुलिस चौकी में ही आपस में भिड़ गई और जमकर मारपीट हुई। इस घटना से पुलिस चौकी में अफरा तफरी मच गई।

पुलिस के सामने ही शुरू कर दी मारपीट

पीड़िता का आरोप है कि जब दोनों पक्ष पुलिस चौकी में मौजूद थे और मामले पर बातचीत चल रही थी, तभी आरोपी महिला अचानक आक्रामक हो गई। पुलिसकर्मियों के सामने ही उसने निशा के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और उसका गला दबाने का प्रयास किया। अचानक हुई इस हरकत से वहां मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया, जिन्होंने तुरंत बीच-बचाव कर किसी तरह मामले को शांत कराया।

विवाहिता से मारपीट का वीडियो वायरल, आरोपी को दौड़ाकर पकड़ती दिखी पुलिस

बेटी को जन्म देने के बाद बढ़ी कथित प्रताड़ना, धारदार हथियार से हमले का आरोप, घर से निकालने और फोन पर तीन तलाक कहने की शिकायत से मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर। ककरौली थाना क्षेत्र में विवाहिता के साथ मारपीट और धारदार हथियार से हमला किए जाने के मामले का वीडियो सामने आने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया है। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी एक व्यक्ति के पीछे दौड़ते और उसे पकड़ते दिखाई दे रहे हैं। घटना रविवार देर शाम की बताई जा रही है। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद हुई कार्रवाई का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में विवाहिता के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में मारपीट, जान से मारने की नीयत से हमला करने, घर से निकालने, मकान पर ताला लगाने और पति द्वारा फोन पर तीन बार तलाक कहने का आरोप लगाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शिकायत के मुताबिक, रईस की बेटी मिजाज का निकाह 2 जनवरी 2022 को ककरौली निवासी शाहनवार के साथ हुआ था। विवाहिता की पहले से एक बेटी है। पिता का आरोप है कि दूसरी बार गर्भवती होने के बाद ससुराल पक्ष के लोगों का व्यवहार उसके प्रति बदलने लगा। आरोप है कि गर्भावस्था के दौरान विवाहिता को उसकी सास और ननदें मुजफ्फरनगर स्थित एक हॉस्पिटल लेकर गई थीं। पिता ने शिकायत में वहां लिंग जांच कराए जाने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कथित तौर पर लड़की

होने की जानकारी मिलने के बाद विवाहिता के साथ मारपीट और प्रताड़ना शुरू कर दी गई। शिकायत के अनुसार, 25 अगस्त को मिजाज ने एक बेटी को जन्म दिया। पिता का आरोप है कि बेटी के जन्म के बाद ससुराल पक्ष की नाराजगी और बढ़ गई तथा विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाने लगा। तहरीर में सास, ननदों, देवरों और ससुर समेत कई लोगों पर मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। परिवार का कहना है कि करीब पांच दिन पहले भी विवाहिता की ओर से ककरौली थाने में शिकायत दी गई थी, लेकिन रविवार को फिर विवाद बढ़ गया। विवाहिता के पिता की शिकायत के मुताबिक, रविवार को ससुराल पक्ष के लोगों ने मिजाज के साथ मारपीट की। आरोप है कि उसे जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से वार किया गया। चेहरे पर चोट लगने के साथ हाल में हुए बड़े ऑपरेशन के टांके खुल जाने का भी दावा किया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसी दौरान पुलिस की कार्रवाई का वीडियो बनाया गया, जिसमें एक व्यक्ति पुलिसकर्मियों से बचकर भागता दिखाई दे रहा है और पुलिसकर्मी पीछा करते हुए उसे पकड़ते नजर आ रहे हैं। इसी वीडियो के वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। घटना के बाद सामने आया वीडियो इस पूरे मामले में सबसे अहम चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी और एक व्यक्ति को दौड़ाकर पकड़ने की कार्रवाई दिखाई दे रही है। हालांकि वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम की पूरी पृष्ठभूमि और उसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस अब वायरल वीडियो के साथ-साथ शिकायत में लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है।

विवाहिता के पिता ने आरोप लगाया कि मारपीट के बाद मिजाज को उसकी नवजात बेटी के साथ घर से बाहर निकाल दिया गया। आरोप है कि इसके बाद मकान पर ताला लगा दिया गया।

रोहाना में ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत: बड़कली क्रॉसिंग के पास हुआ हादसा, शिनाख्त में जुटी पुलिस

पुलिस ने शुरू की जांच, हादसे से इलाके में फैली सनसनी

मुजफ्फरनगर। रोहाना थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़कली रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक करीब 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सुबह-सुबह रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की खबर से आसपास के ग्रामीण इलाकों में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

बड़कली-मलीरा के बीच हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा रेलवे लाइन संख्या 132/29 पर बड़कली रेलवे क्रॉसिंग से मलीरा गांव की दिशा में घटित हुआ। सुबह के समय जब आसपास के ग्रामीण वहां से गुजरे, तो उन्होंने रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति का रक्तरंजित शव पड़ा देखा। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया, आसपास के क्षेत्र से साक्ष्य जुटाए और यातायात को सुचारू कराया।

मृतक की शिनाख्त के प्रयासों में जुटी पुलिस

रोहाना चौकी प्रभारी मोहित कुमार ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष प्रतीत हो रही है, लेकिन तत्काल उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों से मृतक के हुलिए के आधार पर पूछताछ की जा रही है। आसपास के सभी थानों और नजदीकी गांवों में मृतक की फोटो व जानकारी भेजकर गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है।

मुजफ्फरनगर में झोलाछाप व फर्जी अस्पतालों की अब खैर नहीं! स्वास्थ्य विभाग की विशेष समिति करेगी जांच

स्वास्थ्य विभाग के शहरी व ग्रामीण इलाकों में अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई से मचा हडकंप

मुजफ्फरनगर। जनपद के भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोरना गांव में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक पुलिस चौकी के भीतर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में ही दो महिलाएं आपस में भिड़ गईं। आरोप है कि एक महिला ने दूसरी महिला के साथ जमकर मारपीट की और उसका गला तक दबा दिया। इस दुस्साहसिक घटना के बाद चौकी परिसर में भारी अफरा-तफरी मच गई और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। जनपद में बिना वैध डिग्री और पंजीकरण के मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले अनधिकृत और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुनील तेवतिया ने अवैध क्लीनिकों और अस्पतालों की जांच कर प्रभावी कार्रवाई के लिए एक विशेष दो सदस्यीय टीम का गठन किया है। छापेमारी के लिए बनी विशेष टीम जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित इस दो सदस्यीय जांच दल में डिप्टी सीएमओ डॉ. महक सिंह और डॉ. अजय कुमार को शामिल किया गया है। यह टीम शहरी इलाकों के साथ-साथ

ग्रामीण और कस्बा क्षेत्रों का दौरा करेगी। टीम का मुख्य फोकस उन तमाम क्लीनिकों और अस्पतालों पर रहेगा, जो बिना किसी मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री या आवश्यक स्वास्थ्य पंजीकरण के धड़ल्ले से मरीजों का उपचार कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें जनपद के शहरी व ग्रामीण इलाकों में चल रहे फर्जी एवं बिना डिग्री के छोलाछाप डाक्टरों के अस्पतालों पर लगातार छापेमारी व सील करने जैसी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से फर्जी डाक्टरों में हडकंप मचा हुआ है। दरअसल एक आरटीआई कार्यकर्ता ने अपर निदेशक स्वास्थ्य को एक शिकायती पत्र सौंपा था। पत्र में आरोप लगाया गया था कि जनपद में अपंजीकृत और झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। शिकायत में न्यू लाइफ हॉस्पिटल, इंडियन हॉस्पिटल, गैलेक्सी हॉस्पिटल, जीवनदाता हॉस्पिटल, पुरकाजी का आनंद सिटी हॉस्पिटल और खतौली के दयालपुर स्थित अनीता हॉस्पिटल पर पूर्व में की गई कार्रवाई को भी अपूर्ण बताया गया था। इसी शिकायत का संज्ञान लेते हुए अपर निदेशक स्वास्थ्य ने सीएमओ को पत्र लिखकर त्वरित और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ हैइस कदम ने सात मासूम बच्चों के सिर से साया छीन लिया है।

मोरना सहकारी समिति में सांप ने कर्मचारी को डसा: हालत स्थिर, कर्मचारियों में मचा हडकंप, फाइलों के बीच छिपा था सांप

वन विभाग का सर्च आपरेशन जारी, सांप की तलाश में जुटा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। ब्लॉक परिसर स्थित प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (सोसायटी) में सोमवार सुबह उस समय अचानक अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया, जब दफ्तर में काम कर रहे एक कर्मचारी को फाइलों के बीच छिपे सांप ने डस लिया। घटना के बाद सहकर्मियों में हड़कंप मच गया। पीड़ित कर्मचारी को तत्काल चिकित्सीय सहायता मुहैया कराई गई, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

टिफिन रखते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के निकटवर्ती गांव भेड़ाहेड़ी निवासी अमित कुमार मोरना स्थित प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति में सहायक के पद पर कार्यरत हैं। सोमवार सुबह करीब 10:00 बजे वे रोजाना की तरह अपनी ड्यूटी पर पहुंचे थे।

अचानक हमला: अमित कुमार जैसे ही अपना खाने का टिफिन अलमारी में रखने लगे, तभी अलमारी में रखी फाइलों के पीछे छिपे सांप ने अचानक उनके हाथ पर काट लिया।

कर्मचारियों में दहशत: चीख-पुकार सुनकर दफ्तर में मौजूद अन्य सहकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। अलमारी के पास

सांप को देखकर पूरे परिसर में खौफ का माहौल बन गया।

प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर

घटना के तुरंत बाद साथी कर्मचारी पीड़ित अमित कुमार को आनन-फानन में भोपा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) लेकर पहुंचे। चिकित्सा प्रभारी डॉ. अजय कुमार ने बताया कि मरीज को तुरंत एंटी-वेनम (सर्पदंश प्रतिरोधक टीका) का डोज दिया गया। इसके बाद एहतियात के तौर पर और बेहतर देखभाल के लिए उन्हें मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार प्राथमिक इलाज मिलने के कारण मरीज की हालत पूरी तरह स्थिर बनी हुई है।

वन विभाग ने चलाया सर्च ऑपरेशन

सोसायटी परिसर में जहरीले सांप की मौजूदगी से कर्मचारियों में भय का माहौल बना रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोसायटी प्रबंधक ने तत्काल वन विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही मोरना रेंज के क्षेत्राधिकारी रविकांत के निर्देशन में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने दफ्तर की अलमारियों, फाइलों के रैक और आसपास के कमरों में गहन चेकिंग अभियान चलाया, हालांकि सांप का सुराग नहीं लग सका। क्षेत्राधिकारी रविकांत ने बताया कि वन विभाग की टीम अलर्ट पर है और सांप को ढूंढकर सुरक्षित रेस्क्यू करने के बाद जंगल में छोड़ा जाएगा।

चोरी की दो मोटरसाइकिल और अवैध चाकू के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

छपार पुलिस की चेकिंग के दौरान बिजोपुरा कट पर कार्रवाई, पूछताछ में हरिद्वार और नोएडा से बाइक चोरी करने की बात कबूली

मुजफ्फरनगर। थाना छपार पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल और दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने दोनों मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की है। दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। छपार थाना प्रभारी मोहित कुमार सहरावत ने बताया कि रविवार की रात छपार पुलिस टीम रोहाना-छपार मार्ग पर बिजोपुरा कट के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो

युवक अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर आते दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रोककर उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से एक-एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान चाकू मिलने पर दोनों युवकों से उनके पास हथियार रखने का कारण पूछा गया। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि वे मोटरसाइकिल चोरी करते हैं और चोरी के दौरान अपनी सुरक्षा के लिए चाकू रखते हैं। इसके बाद पुलिस ने उनके कब्जे में मिली मोटरसाइकिलों के संबंध में कड़ाई से पूछताछ की। हरिद्वार से एक बाइक चोरी करने की बात कही

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रॉयल एनफील्ड हंटर मोटरसाइकिल उन्होंने 12 सितंबर 2026 को हरिद्वार नहर पुल के पास से चोरी की थी। बरामद मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर यूके14 एन 6959 बताया गया है। पुलिस ने वाहन के चेसिस और इंजन नंबर के आधार पर भी जांच की।

नोएडा से कई महीने पहले दूसरी बाइक चोरी का दावा

दूसरी मोटरसाइकिल हीरो एक्सट्रीम 125 आर के संबंध में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इसे करीब सात-आठ महीने पहले नोएडा से चोरी किया था। पुलिस जांच में यह मोटरसाइकिल थाना फेज-1, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में दर्ज मुकदमे से संबंधित पाई गई। इस संबंध में मु0अ0सं0 551/25 धारा 303(2) बीएनएस दर्ज बताया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना छपार में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आसिफ पुत्र इस्लाम, निवासी कलियर, थाना कलियर, हरिद्वार तथा धर्मेंद्र पुत्र रामौतार, निवासी लाइन पार एकता कॉलोनी, थाना मझोला, मुरादाबाद के रूप में हुई है। छपार पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से रॉयल एनफील्ड हंटर मोटरसाइकिल संख्या यूके 14 एन 6959 तथा हीरो एक्सट्रीम 125 आर मोटरसाइकिल संख्या डीएल5र डीएन 2580 बरामद की है। इसके अलावा दोनों आरोपियों के कब्जे से दो अवैध चाकू भी बरामद हुए हैं।

आपराधिक इतिहास की जांच जारी

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ थाना छपार में दर्ज वर्तमान मुकदमे के अलावा थाना फेज-1, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में भी मोटरसाइकिल चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज है।

सड़क निर्माण को लेकर बुढ़ाना में घमासान, सभासद की तहरीर पर क्रॉस मुकदमा दर्ज

पहले पक्ष ने सभासद पर मारपीट और धमकी के लगाए आरोप, अब सभासद ने भी लेबर को रोकने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया

बुढ़ाना । बुढ़ाना कस्बे में सीसी रोड निर्माण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। सड़क निर्माण के दौरान नाली बंद करने और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर शुरू हुए विवाद में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पहले पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज होने के बाद अब वार्ड संख्या 13 के सभासद की ओर से दी गई तहरीर पर भी पुलिस ने क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया है। दोनों पक्षों की शिकायतों में मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और मौके पर लोगों के जुटने का आरोप लगाया गया है।

सड़क निर्माण के दौरान शुरू हुआ विवाद

मामला 8 सितंबर 2026 का बताया गया है। वार्ड संख्या 13 में नगर पंचायत की ओर से फानू ठेकेदार के माध्यम से जमशेद के मकान तक सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण कार्य मैसर्स विकास एसोसिएट्स द्वारा कराया जा रहा था। एक पक्ष की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि सड़क निर्माण के दौरान पुरानी नाली को दबाकर बंद किया जा रहा था और जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की जा रही थी। इसी को लेकर मोहल्ले के लोगों ने निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुसार कराने और नाली की उचित व्यवस्था करने की मांग की।

पहले पक्ष ने सभासद पर लगाया मारपीट का आरोप

आसिफ कुरैशी की ओर से दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि इसी बात से नाराज होकर इमरान कुरैशी और सलीम कुरैशी मेंबर ने उनके साथ अभद्रता और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया।

तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया कि सलीम कुरैशी मेंबर ने इमरान कुरैशी को उकसाते हुए मारपीट करने के लिए कहा। आरोप है कि इस दौरान धक्का-मुक्की में आसिफ को चोटें आईं।

लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर पांच अज्ञात लोगों को बुलाने का आरोप

आसिफ की तहरीर में आरोप लगाया गया कि विवाद के बाद इमरान कुरैशी और सलीम कुरैशी ने फोन करके करीब पांच अज्ञात लोगों को बुलाया। आरोप है कि ये लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर मौके पर पहुंचे और दोबारा मारपीट शुरू कर दी। तहरीर के अनुसार आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर फिर से बीच-बचाव किया। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को यह भी बताया कि पूर्व में धमकी भरे गानों के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का वीडियो उसके पास मौजूद है। दूसरी ओर, वार्ड संख्या 13 के सभासद इमरान कुरैशी ने भी पुलिस को तहरीर देकर पूरे घटनाक्रम को अलग तरीके से बताया। उनकी शिकायत के मुताबिक 8 सितंबर को दोपहर करीब 2:15 बजे आशिफ कुरैशी, राशिद कुरैशी और सात-आठ अन्य लोग सड़क निर्माण स्थल पर पहुंच गए। आरोप है कि उक्त लोगों ने निर्माण कार्य में लगी ठेकेदार की लेबर के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उन्हें काम करने से रोक दिया। जानकारी मिलने पर सभासद मौके पर पहुंचे तो आरोप है कि उनके साथ भी गाली-गलौज की गई और हमलावर होने का प्रयास किया गया। सभासद की तहरीर में कहा गया है कि मौके पर उमरेज, उस्मान समेत मोहल्ले के कुछ अन्य लोग पहुंच गए। लोगों को आता देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। आरोप है कि इसके बाद उक्त लोग सभासद को तलाशते हुए उनके घर तक पहुंचे और परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी।

मोरना रेंज के सेंचुरी क्षेत्र में शिकारियों पर हंटर: वन विभाग ने जब्त की 9 बाइकें और मछली पकडने के कांटे, शिकारियों में मचा हड़कंप

छापामार टीम देखकर मछली पकड़ने के कांटे और वाहन छोड़कर भागे शिकारी

मोरना। जनपद के मोरना रेंज अंतर्गत संरक्षित सेंचुरी क्षेत्र में अवैध रूप से मछलियों का शिकार करने वाले शिकारियों के खिलाफ वन विभाग ने बड़ा अभियान चलाया है। वन विभाग की इस अचानक हुई सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध शिकारियों में हड़कंप मच गया है। टीम ने मौके से भारी मात्रा में मछली पकड़ने के कांटे और शिकारियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली 9 मोटरसाइकिलें बरामद कर ली हैं। मोरना रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रविकांत ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि दो दिन पूर्व वन विभाग के कर्मचारी सेंचुरी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव धारीवाला के आसपास नियमित गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान कर्मचारियों ने धारीवाला झील में कुछ संदिग्ध लोगों को अवैध रूप से मछली पकड़ते हुए देखा। स्थिति को देखते हुए वनकर्मियों ने तत्काल इसकी जानकारी मोरना स्थित रेंज कार्यालय को दी। सूचना मिलते ही

रेंज कार्यालय से वन विभाग की एक विशेष टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। जैसे ही वन विभाग की टीम धारीवाला झील के पास पहुंची, वहां मौजूद अवैध शिकारियों में हड़कंप मच गया। वन विभाग की टीम को अपनी ओर आते देख सभी शिकारी पकड़े जाने के डर से अपने मछली पकड़ने के कांटे और वाहन मौके पर ही छोड़कर जंगल व झाड़ियों के रास्ते फरार हो गए। टीम ने घटनास्थल की घेराबंदी कर मौके से भारी संख्या में मछली पकड़ने के कांटे और 9 मोटरसाइकिलों को अपने कब्जे में ले लिया। वन विभाग की टीम ने जब्त की गई सभी 9 मोटरसाइकिलों को सीज कर दिया है और उनके नंबरों के आधार पर वाहनों के मालिकों तथा फरार शिकारियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वन क्षेत्राधिकारी रविकांत ने स्पष्ट किया कि सेंचुरी क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध शिकार या प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचाना पूरी तरह से गैर-कानूनी है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

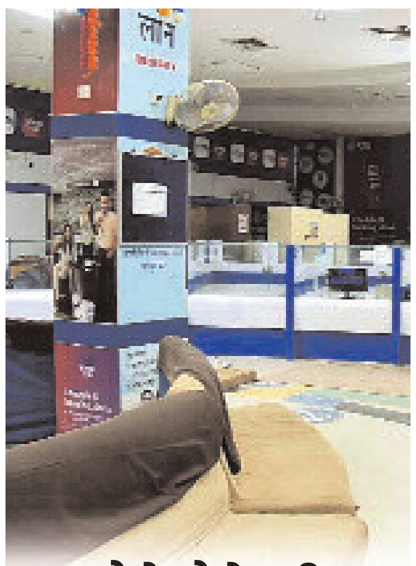

घर बैठे-बैठे भी बैंक की सुविधाओं का फायदा उठा सकती हैं आप

कुछ काम को करना हमें पहाड़ पर चढ़ने के बराबर लगता है। जैसे बैंक जाना। कई बार हमें बैंक से अकेले पैसे निकालकर लाने पर चोरी का भी डर सताता है। साथ ही बैंक जाने के लिए कुछ घंटों को समय निकालना भी मुश्किल हो जाता है। हालांकि जरूरी नहीं है कि बैंक से जुड़े हर काम के लिए आपको वही जाना पड़े। आप घर बैठे-बैठे भी बैंक की सुविधाओं का फायदा उठा सकती हैं। जी हां, ऐसा सच में होता है और इस आर्टिकल में हम आपको इसी विषय के बारे में बताने वाले हैं। डोर स्टेप सर्विस का मतलब है ऐसी सुविधाएं जो आपको बैंक द्वारा घर बैठे-बैठे मिल जाती हैं। अलग-अलग बैंक की तरफ से अलग डोर स्टेप सर्विस दी जाती है जिसमें बहुत सारे विकल्प शामिल होते हैं।

एसबीआई बैंक देता है ये सुविधाएं

अगर आपका खाता भारतीय स्टेट बैंक में है तो आप घर बैठे–बैठे ढेर सारी सुविधाओं का फायदा उठा सकते हैं। अगर एक साथ ढेर सारे पैसे को बैंक से घर या घर से बैंक लेकर जाना चाहते हैं तो एसबीआई की टीम आपकी मदद करेगी। इसके अलावा ड्राफ्ट्स को घर तक पहुंचाने, लाइफ सर्टिफिकेट घर से लेने और केवाईसी अकाउंट लेने जैसी ढेर सारी सुविधाओं के लिए आप एसबीआई की डोर स्टेफ सर्विस का फायदा उठा सकते हैं।

बैंक ऑफ इंडिया देता है ये सुविधाएं

एसबीआई के साथ–साथ बैंक ऑफ इंडिया भी आपको ढेर सारी डोर स्टेप सर्विस देता है। इसमें कैश जमा करना और निकालना, अकाउंट स्टेटमेंट, गिफ्ट कार्ड, चेक बुक और ढेर सारी सुविधाएं शामिल हैं। सर्विस लेने के लिए बैंक की किसी भी ब्रांच के फ्री नंबर पर कॉल कर सकते हैं।

कौन ले सकता है ये सर्विस

डोर स्टेप सर्विस मिलने के पीछे कुछ शर्ते होती हैं जो हर बैंक की अलग हो सकती हैं। जैसे कुछे बैंक सिर्फ 70 साल से अधिक उम्र के लोगों को यह सुविधा देते हैं। वहीं कुछ बैंक बिमार धारकों को भी डोर स्टेप सर्विस लेने की अनुमति देते हैं।

आपकी बचत को बढ़ाता है एसआईपी में निवेश

अगर आप अपने पैसों को इन्वेस्ट करने की सोच रहे हैं तो आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर सकते हैं। ज्यादातर लोग एफडी में निवेश करते हैं जिससे उन्हें उस पर रिटर्न मिलता है लेकिन एसआईपी में आपको रिटर्न पर भी रिटर्न मिलता है। अगर आप इसका लाभ पाना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इसका फायदा उठा सकते हैं और इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

एसआईपी यानी सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश की शुरुआत करने के लिए आपको केवाईसी को कंप्लीट करना होता है। इसके बाद आपको जिस भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना है आप उसमें अपनी जानकारी को भर दें और फिर सारे डॉक्यूमेंट्स को सबमिट कर दें। इसके बाद वेरिफिकेशन होता है जिसमें आपको अपने डॉक्यूमेंट को वेरीफाई करवाना होता है। जब आपका वेरिफिकेशन का प्रोसेस खत्म हो जाएगा तो आपको जिस भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना है वह आप सिलेक्ट कर सकते हैं। जब आप नया अकाउंट रजिस्टर कर देते हैं तो आपको एक फॉर्म भरना होता है और अपने बैंक से संबंधित जानकारी को भी भरना होता है। इसके बाद जब आपका रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा हो जाएगा तो आप निवेश करना शुरू कर सकते हैं।

एसआईपी के फायदे

एसआईपी से कोई भी व्यक्ति अगर नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह कर सकता है। इसमें कम पैसों में भी

निवेश किया जा सकता है। आपको बता दें कि इसमें निवेश किए गए पैसों को कम या ज्यादा अपने अनुसार कर सकते हैं। आपको बता दें कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का यह एक बहुत अच्छा ऑप्शन माना जाता है क्योंकि इसमें लाभ की संभावना अधिक होती है। एसआईपी में निवेश किए गए पैसों पर इनकम टैक्स में छूट भी मिल सकती है। इसमें आप हर साल एक लाख की राशि पर छूट पा सकते हैं।

एसआईपी से आप बहुत ही कम पैसों में शेयर बाजार में भाग ले सकते हैं। यह निवेश का ऐसा तरीका है जो आपकी बचत को बढ़ाता है। इन सभी कारणों की वजह से यह एक बचत करने का बेहतर ऑप्शन हो सकता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एसआईपी में निवेश की अवधि को मासिक, तिमाही का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। अगर आप आने वाले समय में बैंक अकाउंट में खूब सारे पैसे कम समय में पाना चाहते हैं तो यह ऑप्शन आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है।

महिलाएं यहां कर सकती हैं निवेश

जहां एक तरफ सरकार ने बजट में लोगों की आय दर को बढ़ाने के प्लान पेश किए हैं, वहीं दूसरी ओर बचत पर भी सरकार की पैनी निगाहें रहीं। खासतौर पर महिलाओं के लिए सरकार ने एक नई निवेश योजना पेश की है और यह महिलाओं के लिए निवेश का तो अच्छा जरिया बन सकती हैं साथ ही इस योजना में ब्याज भी अच्छा मिलेगा।

महिला सम्मान बचत पत्र योजना

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए इस बार सरकार महिला सम्मान बचत पत्र योजना लेकर आई है। बैंक और पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट के साथ–साथ इस योजना के तहत भी महिलाएं बचत कर सकती हैं। इस योजना के तहत महिलाएं अपने या अपनी बेटी के नाम पर पैसों की बचत कर सकती हैं और अच्छे ब्याज का फायदा उठा सकती हैं। आप इस निवेश योजना में 2 वर्ष तक के लिए 2 लाख रुपये तक जमा कर सकती हैं और उसके बाद आपको 7.5% की दर से ब्याज सहित धनराशि प्राप्त होगी। बेस्ट बात तो यह है कि इस योजना का लाभ किसी भी उम्र की महिलाएं उठा सकती हैं। इस योजना में महिलाओं को आंशिक निकासी की सुविधा प्राप्त होगी। यानि अवधि के पूरा होने से पूर्व ही आप इस योजना के तहत निवेश की गई धनराशि को निकाल सकती हैं।

एनबीएफसी

एनबीएफसी का मतलब है गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां। बैंकों में बचत करने से अब कोई विशेष लाभ आपको बेशक न मिल मगर आप गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में पैसा निवेश कर सकती हैं।

यदि आप एनबीएफसी में पैसा निवेश करना चाहती हैं तो जान लें कि यहां जोखिम का भी खतरा हो सकता है। हालांकि, कंपनी अच्छा बिजनेस कर रही है तो आपको मुनाफा भी तगड़ा होगा मगर आपको पहले यह जान लेना होगा कि कौन सी कंपनी सही है और कौन सी फेक है। अगर अच्छी एनबीएफसी कंपनियों की बात की जाए तो अरविंद जी कुछ नाम बता हैं। वह कहते हैं, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, मुथूट फाइनेंस लिमिटेड, आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड, आईएफसीआई लिमिटेड आदि कुछ अच्छी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां हैं, जहां पैसा निवेश करने पर आपको अच्छा मुनाफा हो सकता है।

कपल्स के लिए बहुत खास होती है पहली मुलाकात

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक–दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां–वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या?

आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक–दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं।

तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की– सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक–दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी–मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

सेकंड हैंड सामान खरीदते समय कुछ बातों पर खास ध्यान दें

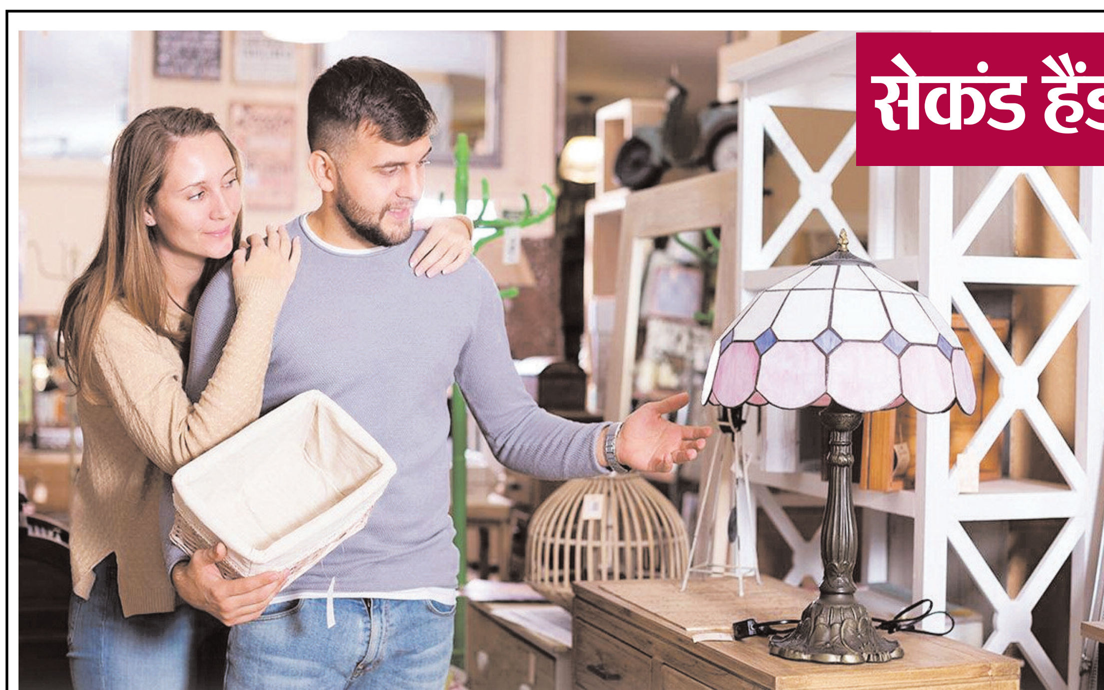

अगर आप पैसे बचाने के लिए सेकंड हैंड सामान खरीदने का मन बना रही हैं तो ऐसे में आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। इससे आपको बाद में पछताना नहीं पड़ेगा।

हर इंसान अपनी जरूरतों व इच्छाओं के अनुसार शॉपिंग करना चाहता है। लेकिन हर किसी के पास इतने पैसे नहीं होते हैं कि वे अपनी मनपसंद हर आइटम को खरीद सके। ऐसी सिचुएशन में अधिकतर लोग सेकंड हैंड सामान खरीदने का मन बनाते हैं। इससे उन्हें बेहद कम सामान में अपनी पसंद व जरूरत का सामान मिल जाता है। लेकिन कभी–कभी पैसे बचाने के चक्कर में जब हम सेकंड हैंड सामान खरीदते हैं तो उसकी क्वालिटी उतनी अच्छी नहीं होती है। जिससे हमारे सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं। आपके साथ ऐसा ना हो, इसलिए यह जरूरी है कि आप सेकंड हैंड सामान खरीदते समय कुछ छोटी–छोटी बातों पर खास ध्यान दें।

लें जरूरी सामान

कई बार ऐसा होता है कि जब हम सेकंड हैंड सामान खरीदते हैं तो शॉप पर हमें कई चीजें पसंद आ जाती हैं और हम उन सभी चीजों को खरीद लेते हैं। ऐसा करके आप पैसे बचा नहीं रही हैं, बल्कि अतिरिक्त पैसे खर्च कर रही हैं। इसलिए, हमेशा अपने दिमाग में यह रखें कि आपको क्या लेना है और किस तरह का लेना है। मसलन, अगर आपको अपने घर के लिए एक सेकंड हैंड सोफा चाहिए तो वह कैसा होना चाहिए। सोफा कम बेड या फिर एल शेप्ड सोफा या फिर फाइव सीटर। इस तरह जब आप अपने माइंड में क्लीयर पिक्चर रखती हैं तो सही सामान खरीदना काफी आसान हो जाता है।

चेक करें क्वालिटी

सेकंड हैंड सामान में क्वालिटी की गड़बड़ी होने की संभावना काफी हद तक रहती है। इसलिए, कोशिश करें कि आप जिस भी सामान को खरीद (खरीदें सेकेंड हैंड स्कूटी) रही हैं, उसकी क्वालिटी कैसी है। इसके लिए जब आप शॉप पर जाती है तो उस आइटम को देखकर आपको काफी हद तक समझ में आ जाता है। हालांकि, अगर आपको यह समझ में नहीं आ रहा है तो उसका टेस्ट लिया जा सकता है। मसलन, अगर आप सेकंड हैंड कार खरीद रही हैं तो पहले उसे एक टेस्ट ड्राइव पर ले जाएं। साथ ही, उसे खरीदने से पहले एक बार मैकेनिक से भी उसे चेक जरूर करवाएं।

जानें रिटर्न पॉलिसी

अमूमन जब भी हम सेकंड हैंड आइटम खरीदते हैं तो दुकानदार आपको कुछ वक्त के लिए रिटर्न पॉलिसी अवश्य देता है। मसलन, अगर आप सामान खरीदती (ऑनलाइन चीजें खरीदें) हैं और घर ले जाने के बाद वह आपकी उम्मीद के अनुसार नहीं है तो आप एक लिमिटेड टाइम में उसे रिटर्न कर सकती हैं। अक्सर यह समय 15 दिन या एक महीने का होता है। इसके बारे में पूछना बेहद जरूरी है।

जरूर लें रिसिप्ट

सेकंड हैंड सामान खरीदते समय फॉड होने की संभावना काफी अधिक रहती है। आपको किसी तरह का नुकसान न हो, इसलिए यह जरूर ध्यान रखें कि आप जब भी कोई सेकंड हैंड सामान खरीदें तो उसकी रिसिप्ट जरूर लें। इससे अगर आपको किसी तरह की परेशानी आती है तो आप आसानी से सामान को रिटर्न, रिपेयर या फिर चेंज करवा सकती हैं।

सेवा, सुशासन, जनसंवाद एवं जनभागीदारी की भावना को और मजबूत करते हुए अभियान को जनअभियान बनाएं संबंधित अधिकारी: प्रभारी मंत्री

गौतमबुद्धनगर। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से आज मा0 राज्यमंत्री, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 सरकार/प्रभारी मंत्री, गौतमबुद्धनगर बृजेश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों से बेहतर समन्वय एवं सहयोग प्राप्त करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों तथा आम नागरिकों को भी अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल विभागीय कार्यक्रमों तक सीमित न रखते हुए व्यापक जनअभियान का स्वरूप प्रदान किया जाए। अभियान के अंतर्गत प्रमुख शासकीय भवनों पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी संबंधित व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बेसिक शिक्षा विभाग को विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कराने एवं उत्कृष्ट चित्रों की प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक को विद्यालयों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में अभियान से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कराते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया। संस्कृति विभाग को कलाकारों के कार्यक्रमों के लिए स्थान एवं तिथियों का समय से निर्धारण करने के निर्देश दिए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, राष्ट्र निर्माण, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकसित भारत के संकल्प का संदेश आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए गई। 'सेवा की कहानी' कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव एवं सफलता की कहानियों को वीडियो, फोटो एवं डिजिटल माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। अभियान से संबंधित कार्यक्रमों की फोटो एवं वीडियो विभागीय पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया। 'सेवा ज्योति कलश यात्रा–विकसित भारत का संकल्प' को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के लिए संबंधित विभागों एवं तीनों प्राधिकरणों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि यात्रा के माध्यम से सेवा एवं विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाया जाए तथा इसमें जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। स्वच्छता कार्यक्रमों में भी जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं समन्वय से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। जनसामान्य, अधिकारी, कर्मचारी, युवा एवं सामाजिक संगठन श्रमदान में सहभागी बनेंगे। स्वच्छता अभियान के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए अभियान से पूर्व एवं पश्चात की स्थिति के फोटो एवं वीडियो तैयार कर पोर्टल पर अपलोड किए जाये।

बैठक में 'सेवा की कहानी' एवं रंगोली कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार पर भी विशेष जोर दिया गया। रंगोली के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वच्छता, सेवा, विकसित भारत-2047 एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाए। वहीं 'सेवा मेरा योगदान' प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में जनपद से प्रतिभाग करने वाले लोगों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए।

अभियान के समापन अवसर पर जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाये।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यक्रमों की तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं और जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करते हुए उनके सहयोग एवं सहभागिता से सेवा संकल्प अभियान को व्यापक एवं प्रभावी जनअभियान बनाया जाए।

बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा, माननीय विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, माननीय विधायक दादरी तेजपाल नागर, मा0 विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, प्रशासक जिला पंचायत अमित कुमार, जिला अध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा, जिला अध्यक्ष महानगर महेश चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, एसीईओ नोएडा वंदना त्रिपाठी, एसीईओ ग्रेटर नोएडा प्रेरणा सिंह, प्रभारी जिला विकास अधिकारी/परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह एवं संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अपहरण और छेड़छाड़ मामले में दोषी को छह वर्ष की कैद

नोएडा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने अपहरण और छेड़छाड़ के एक मामले में बिजनौर निवासी दोषी कपिल को छह वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही उस पर 23 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। जुर्माने की रकम जमा न करने पर दोषी को एक माह की अतिरिक्त कैद काटनी होगी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अपराध नितिन त्यागी ने बताया कि 20 नवंबर 2015 को वादी ने सेक्टर-39 पुलिस को सूचना दी थी कि उसकी बेटी एक दिन पहले 19 नवंबर की सुबह एक डिग्री कॉलेज पढ़ने के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी।

परिजनों ने कॉलेज परिसर और आसपास के इलाकों में उसे काफी ढूंढा, मगर कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद अपहरण की आशंका के चलते थाने में तहरीर दी गई, जिस पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।जांच के दौरान पुलिस ने कपिल के साथ-साथ एक नाबालिग को भी आरोपी बनाते हुए आरोपपत्र न्यायालय में पेश किया। हालांकि, तत्कालीन पीठासीन अधिकारी ने 13 जून 2018 को घटना के समय नाबालिग रहे आरोपी की उम्र को देखते हुए उसका प्रकरण किशोर न्याय बोर्ड को स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद यह मुकदमा केवल कपिल के खिलाफ ही अदालत में चलता रहा। अभियोजन पक्ष की ओर से सुनवाई के दौरान चार गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। पीड़िता ने कोर्ट के समक्ष बताया कि कॉलेज से घर लौटते समय सेक्टर-71 चौराहे पर पहले से जान-पहचान वाले कपिल ने उसे जबरदस्ती कार में बैठा लिया और देहरादून ले गया, जहां वह करीब एक सप्ताह तक रही। 26 नवंबर 2015 को जब आरोपी उसे वापस ला रहा था, तभी रास्ते में पुलिस ने दोनों को दबोच लिया था। अदालत ने पीड़िता के बयान के आधार पर पाया कि आरोपी द्वारा बलपूर्वक अपहरण किए जाने और छेड़छाड़ की घटना पूरी तरह प्रमाणित होती है। हालांकि, न्यायालय ने दुष्कर्म के आरोप को लेकर बयानों में गंभीर विसंगतियां पाईं, क्योंकि पीड़िता ने स्वयं कभी दुष्कर्म का उल्लेख नहीं किया था। लिहाजा अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष यह आरोप संदेह से परे साबित नहीं कर सका। इसी तरह नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश करने के आरोप में भी बयानों में विरोधाभास पाए जाने के चलते आरोपी को धारा-328 के तहत बरी कर दिया गया।

दाल में मटन के टुकड़े, चावल में कीड़े व सब्जी में परोस रहे इल्लियां

नोएडा। जिस संस्थान की स्थापना देश और दुनिया को पाक कला का हुनर सिखाने के लिए की गई थी, वहां के छात्रों को कीड़े वाला खाना परोसा जा रहा है।

सेक्टर 62 स्थित भारतीय पाक कला संस्थान के हॉस्टल मेस का खाना अब छात्रों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। बीबीए और एमबीए के छात्रों का आरोप है कि मेस के खाने में रोज किसी न किसी की थाली में कीड़े निकलते हैं।

कभी चावल में काले कीड़े तो कभी सब्जी में इल्लियां। हालात तब और बिगड़ गए जब शाकाहारी भोजन में मटन मिलने की शिकायतें आईं।

दाल में तैरते मिले मटन के टुकड़े: एक छात्र ने बताया कि 2 सितंबर को मेस में दाल में मटन के टुकड़े निकले, जिससे छात्रों में हड़कंप मच गया। इसके अलावा चार दिन पहले चावल में काला कीड़ा और सब्जी में रेंगती इल्लियां भी मिलीं। कई छात्रों की थालियों में कीड़े पाए गए।

एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाज मिलेट्स और भारतीय खान-पान को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने पर जोर दे रहे हैं, वहीं, पर्यटन मंत्रालय के अधीन आने वाला यह संस्थान स्वच्छता के बुनियादी नियमों को भी पूरा करने में असफल साबित हो रहा है।

211 छात्रों को मिल रहा कीड़े वाला खाना: इस हास्टल मेस में केवल भारतीय पाक कला संस्थान के ही नहीं, बल्कि भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान और नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी के छात्र भी एक साथ खाना खाते हैं। लगभग 211 छात्र एक साथ मेस में भोजन करते हैं। सभी छात्रों ने मिलकर लिखित में केंटीन इंचार्ज को शिकायत की है।

अभिभावकों ने मंत्रालय में की शिकायत: मामले की गंभीरता को देखते हुए छात्रों के अभिभावकों ने भी कड़ा रुख अपनाया है। अभिभावक प्रमोद मेहता ने इस लापरवाही की शिकायत ई-मेल के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार और एनसीएचएमसीटी सीईओ ज्ञान भूषण से की है। कॉलेज परिसर में बैठे छात्रा ने बताया उसकी थाली के चावल कीड़ा निकला क्योंकि मेस में बनी पाइप लाइन में बहुत कीड़ें हो रहे हैं जहां से कीड़े गिरते हैं।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्रा जी (बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी एवं भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी.एल. संतोष जी ने उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

दोनों वरिष्ठ नेताओं ने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा श्रद्धेय कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुग जी, पूर्व महामंत्री संगठन संजय जोशी जी, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, सांसद अतुल गर्ग, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री एवं गौतमबुद्ध नगर के प्रभारी मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, एमएलसी मोहित बेनीवाल, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। उनके सरल, सहज एवं स्नेहपूर्ण व्यक्तित्व को सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें स्मरण किया।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, एमएलसी विजय बहादुर पाठक, श्रीमती अमिता अशोक चौहान एमेटी यूनिवर्सिटी, पूर्व मंत्री वीरेंद्र तिवारी, नोएडा जिला अध्यक्ष महेश चौहान, गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, अध्यक्ष प्रेस क्लब आलोक द्विवेदी, फोनर्वा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, संजय बाली, अशोक मिश्रा, प्रमोद बहल, पंकज झा, रामकिशन यादव, नीरज चौधरी, सुशील शर्मा, दीनबंधु कुमार, अरुण चौहान, मुक्तानंद प्रधान, दुर्वेश तंवर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

नोएडा में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर बड़ी कार्रवाई, दो दिन में 11,567 चालान और 52 वाहन सीज

नोएडा। शहर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए यातायात पुलिस ने एक बड़ा अभियान चलाया है। पुलिस ने दो दिनों तक विशेष अभियान चलाकर नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर कड़ा शिकंजा कसा। इस विशेष अभियान के दौरान 13 और 14 सितंबर को कुल 11,567 ई-चालान किए गए और नियमों की अनदेखी करने वाले 52 वाहनों को सीज कर दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई में सबसे ज्यादा गाज बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वालों और गलत जगह पर वाहन खड़ा करने वालों पर गिरी है। अकेले बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले 4,348 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

नोएडा की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए यह अभियान पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के दिशा-निर्देशन में चलाया गया। इस पूरे अभियान की निगरानी पुलिस उपायुक्त यातायात के पर्यवेक्षण में की गई। यातायात पुलिस ने शहर के अलग-अलग चौराहों और मार्गों पर चेकिंग पॉइंट बनाकर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस का मुख्य उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाना था।अभियान के दूसरे दिन यानी 14 सितंबर को पुलिस ने मैन्युअल चालान के जरिए 2529 और आईएसटीएमएस कैमरों की मदद से 4051 ई-चालान किए। इस तरह इस दिन कुल 6580 ई-चालान काटे गए और 27 वाहनों को सीज किया गया। इस दिन बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वाले 2466 लोगों के चालान किए गए। इसके अलावा नो पार्किंग में 524, फॉल्टी नंबर प्लेट के 461, ओवरस्पीड के 411, विपरीत दिशा में गाड़ी चलाने वाले 433 और ब्लैक फिल्म लगाने के 21 मामलों में कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस दिन 10 और 15 साल पुराने हो चुके 12 वाहनों को भी सीज कर दिया।

13 सितंबर को नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई: इससे एक दिन पहले यानी 13 सितंबर को कुल 4987 ई-चालान काटे गए और नियमों का उल्लंघन करने वाले 25 वाहनों को सीज किया गया। इस दिन बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले 1882 लोगों के चालान काटे गए। नो पार्किंग के 644, फॉल्टी नंबर प्लेट के 471, ओवरस्पीड के 455 और ब्लैक फिल्म के 21 मामलों में कार्रवाई हुई। इसके साथ ही मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वाले 17 लोगों और हूटर या प्रेशर हॉर्न बजाने वाले 35 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। इस दिन भी पुलिस ने नियमों के तहत 10 और 15 साल पुराने 12 वाहनों को सीज किया।

छिजारसी मार्ग पर लोगों को किया जागरूक: यातायात पुलिस ने केवल चालान काटने की कार्रवाई ही नहीं की, बल्कि लोगों को जागरूक करने का काम भी किया। पुलिस टीम ने छिजारसी मार्ग पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को नकली हेलमेट लगाने से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से समझाया। इसके साथ ही लोगों को सड़क पर लगे यातायात संकेतों और नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। इस पूरे अभियान के दौरान पुलिस ने लोगों को 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा' का संदेश दिया।

अरावली अपार्टमेंट में गूँजा गणपति बप्पा मोरया, मूर्ति स्थापना के 8 वर्ष पूरे

नोएडा। बुधवार को बी-3 अरावली अपार्टमेंट सेक्टर-34 में गणेश चतुर्थी बहुत ही धूमधाम से मनाई गयी, गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि 8 वर्ष पूर्व गणेश चतुर्थी के दिन ही सोसाइटी के मुख्य द्वार पर गणेशजी मूर्ति की स्थापना की गयी थी,और आज 8 वर्ष पूर्ण होने पर गणेश चतुर्थी के दिन पूजा-अर्चना की गई, पुष्पांजलि, गणेश वंदना, गणेश आरती, मोदक भोग आदि विशेष रूप से निवासियों द्वारा किया गया।कार्यक्रम के दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा,प्रदीप सिंह अमित रस्तोगी अविनाश कुमार सविता केदार,अजय रस्तोगी, पदमा नायडू आर पी वर्मा, अजय श्रीवास्तव, संतराज सिंह सुरेश बने ज्योत्सनामयी आचार्य, नीलम कुमारी आर पी सिंह मुनीशबाबू मुकेश कुमार सहित सैकड़ों निवासीगण उपस्थित रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 को लेकर जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों एवं होटल संचालकों के साथ की बैठक

गौतमबुद्धनगर। आगामी 25 से 29 सितंबर 2026 तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार में जनपद के शिक्षण संस्थानों एवं होटल संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रेड शो को सफल बनाने में शिक्षण संस्थानों एवं होटल संचालकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर से आने वाले अतिथियों एवं आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, शैक्षणिक, उद्यमिता, नवाचार एवं प्रतिभा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में जनपद के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों की इसमें सक्रिय सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों के पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने संस्थानों के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को ट्रेड शो से अधिक से अधिक जोड़ें। विद्यार्थियों को ट्रेड शो में भ्रमण के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि उन्हें देश-विदेश से आने वाले उद्योगों, उद्यमियों, स्टार्टअप्स, तकनीक एवं नवाचार से प्रत्यक्ष रूप से परिचित होने का अवसर प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि युवा वर्ग प्रदेश की नई सोच, नवाचार एवं प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को जोड़ने से उन्हें उद्योग जगत की कार्यप्रणाली, नवीन तकनीकों, उद्यमिता के अवसरों तथा वैश्विक व्यापार की बदलती आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने शिक्षण संस्थानों से अपील की कि वे अपने स्तर पर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए ट्रेड शो से संबंधित जागरूकता एवं सहभागिता कार्यक्रम आयोजित करें तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को आयोजन में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि शिक्षण संस्थान अपने शैक्षणिक, शोध, नवाचार, स्टार्टअप एवं रचनात्मक कार्यों से संबंधित उपलब्धियों को भी प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने की दिशा में कार्य करें। इससे जनपद के शिक्षण संस्थानों की क्षमता एवं उपलब्धियों को व्यापक मंच प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत, शिक्षण संस्थान और युवा वर्ग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने से विद्यार्थियों को रोजगार, उद्यमिता, शोध एवं नवाचार के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकता है।

गणेश चतुर्थी पर नुक्कड़ नाटक के जरिए छात्रों ने दिया सामाजिक जागरूकता का संदेश

नोएडा। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आईएमएस नोएडा के कल्चरल क्लब के छात्रों ने कॉलेज परिसर में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से छात्रों ने त्योहारों को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने बताया कि भारतीय त्योहार हमारी संस्कृति, परंपराओं और पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। त्योहारों को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाने के साथ यह भी आवश्यक है कि हमारी खुशियों और उत्सव से किसी अन्य व्यक्ति को असुविधा न हो।

छात्रों ने विशेष रूप से तेज आवाज में संगीत और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनावश्यक उपयोग से बचने, भक्ति एवं आध्यात्मिकता को प्राथमिकता देने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का संदेश दिया। साथ ही, त्योहारों को स्वच्छता, सौहार्द, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ मनाने पर भी जोर दिया गया।

आईएमएस कल्चरल क्लब की हेड मीतु चौधरी ने बताया कि आज के कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से संदेश दिया कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटने, समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने का माध्यम भी हैं।

उन्होंने बताया कि इस पहल के माध्यम से छात्रों ने अपनी रचनात्मक एवं अभिनय प्रतिभा के साथ सामाजिक सरोकार और जिम्मेदार नागरिकता की भावना का प्रभावी प्रदर्शन किया। नुक्कड़ नाटक ने उपस्थित लोगों को उत्सव के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

किसानों की समस्याओं को लेकर नोएडा प्राधिकरण पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

नोएडा। किसानों की लंबित समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन के गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में सैकड़ों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, बुग्गियों और भैंसा-बुग्गियों के विशाल काफिले के साथ सलारपुर शिव मंदिर, सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन से नोएडा प्राधिकरण पहुंचे। किसान पंचायत की अध्यक्षता चौधरी ओमन भाटी ने की तथा संचालन महेश खटाना ने किया। पंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश की अनुपस्थिति के कारण किसानों की प्राधिकरण के साथ वार्ता नहीं हो सकी। इससे नाराज किसानों ने प्राधिकरण कार्यालय पर

अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा, 'किसानों की समस्याओं का समाधान होने तक धरना जारी रहेगा। नोएडा की स्थापना के 50 वर्ष बाद भी वर्ष 1976 से किसानों की अनेक समस्याएं लंबित हैं, जिससे किसानों में भारी रोष है। अधिकारी किसानों को हल्के में न लें। आवश्यकता पड़ी तो गौतमबुद्ध नगर की धरती से एक बड़े किसान आंदोलन की शुरुआत की जाएगी।'

इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, परविंदर अवाना, श्रीपाल कसाना, सुखवीर प्रधान, सुभाष नेताजी, रविंद्र भगत जी, नीतिराज चौधरी और विपिन प्रधान, कृपाल भगतजी, सिंहराज गुर्जर, मनोज त्यागी, राजेश सिंह सुंदर बाबा संदीप अवाना अनिल खारी भरत यादव अनिल अवाना अमित अवाना, संजय अम्बावता,रविंद्र भाटी, प्रदीप भाटी सचिन अवाना सहित हजारों किसान उपस्थित रहे।

यातायात, वीआईपी मूवमेंट, पार्किंग, शटल सेवा एवं सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं को दिया जाये अंतिम रूप

गौतमबुद्धनगर। आगामी 25 से 29 सितंबर 2026 तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चतुर्थ संस्करण की तैयारियों को लेकर आज इंडिया एक्सपो मार्ट के सभागार में अपर मुख्य सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन आलोक कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में ट्रेड शो से संबंधित संबंधित विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को युद्ध स्तर पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक एवं उद्यमिता क्षमता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है। ट्रेड शो में बड़ी संख्या में उद्यमियों, निवेशकों, खरीदारों, प्रतिनिधियों एवं आगंतुकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा, उनकी सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ प्रत्येक व्यवस्था को समयबद्ध रूप से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए।

बैठक में यातायात एवं वीआईपी मूवमेंट की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग, डायवर्जन, दिशा-सूचक संकेतक एवं यातायात दबाव वाले स्थानों को चिन्हित कर प्रभावी कार्ययोजना के अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पर्याप्त पार्किंग की उपलब्धता के साथ आयोजन स्थल तक आगंतुकों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत सीसीटीवी, पुलिस बल की तैनाती एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों को भी समयबद्ध सुनिश्चित किया जाए। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, प्रकाश व्यवस्था एवं प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख मार्गों, पार्किंग स्थलों एवं आयोजन स्थल पर आकर्षक एवं स्पष्ट साइनेज, होर्डिंग, फ्लेक्स तथा एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से प्रभावी ब्रांडिंग एवं दिशा-निर्देशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि ट्रेड शो के माध्यम से नए व्यापारिक साझेदारियों, निवेश, निर्यात एवं नए बाजारों की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। प्रदर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ खरीदारों एवं निवेशकों के साथ प्रभावी संवाद एवं संपर्क के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ट्रेड शो के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल एवं सोशल मीडिया के साथ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रभावी प्रचार अभियान चलाने तथा इसकी जानकारी अधिक से अधिक उद्यमियों, व्यापारियों, निवेशकों, खरीदारों एवं आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

प्रॉपर्टी विवाद में बिल्डर ने की खुदकुशी की कोशिश, सीएम योगी और डीएम ले लगाई न्याय की गुहार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित पाम ओलंपिया सोसायटी में रहने वाले एक बिल्डर ने रविवार देर रात जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान देने की कोशिश की। गंभीर हालत में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों के मुताबिक अब उनकी स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर बताई जा रही है। बिसरख कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाम ओलंपिया सोसायटी निवासी नीरज चौहान का घटना से पहले एक वीडियो सामने आया। जिसमें उन्होंने खुद को और अपने परिवार को प्रताड़ना से बचाने के लिए मुख्यमंत्री, पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई थी। उन्होंने कुछ लोगों पर दबाव बनाकर परेशान करने का आरोप भी लगाया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं पुलिस के अनुसार सुबह सूचना मिली कि नीरज चौहान नामक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खा लिया है और उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पूछताछ में सामने आया कि नीरज चौहान, निशांत दुबे और आशीष श्रीवास्तव इन तीनों ने मिलकर सूरजपुर थाना क्षेत्र के इटा गांव में एक प्रोजेक्ट के लिए छह एकड़ जमीन खरीदी थी। इसमें नीरज चौहान की 25 प्रतिशत, निशांत दुबे की 50 प्रतिशत और आशीष श्रीवास्तव की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कुछ समय पहले आशीष श्रीवास्तव की मृत्यु हो गई, जिसके बाद उनकी हिस्सेदारी को लेकर शेष दोनों पार्टनरों के बीच विवाद शुरू हो गया था। इसी जमीनी विवाद और मानसिक दबाव के चलते नीरज चौहान ने रात के समय जहरीला पदार्थ खा लिया। कोतवाली प्रभारी रंजीत कुमार सिंह का कहना है कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में जाम की समस्या को लेकर डीसीपी ट्रैफिक से मिले युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष

नोएडा। शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और जाम की समस्या के समाधान को लेकर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन के नेतृत्व में डीसीपी ट्रैफिक अभय कुमार मिश्रा से मुलाकात की। बैठक में शहर के कुछ प्रमुख मार्गों और चौराहों पर लगातार सामने आ रही जाम एवं यातायात अव्यवस्था की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल ने डीसीपी को ऐसे चिन्हित स्थानों की जानकारी दी, जहां व्यस्त समय में यातायात बाधित होने से व्यापारियों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी ट्रैफिक अभय कुमार मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चिन्हित स्थानों पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और

जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने नोएडा की यातायात व्यवस्था में हो रहे सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि सुचारु यातायात व्यवस्था शहर के व्यापार और आम नागरिकों, दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाता रहेगा।

डीसीपी अभय कुमार मिश्रा ने भी व्यापार मंडल के सामाजिक एवं जनहित के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन जिस प्रकार सड़क, यातायात और अन्य जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहता है, उसके प्रयास सराहनीय हैं।

संक्षिप्त समाचार

बंद मकान का ताला तोड़कर सोलर बैटरी और लाखों का सामान चोरी

नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-18 में चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर मकान में लगे सोलर सिस्टम की 4 बैटरी समेत लाखों रुपये का समान चोरी कर लिया। सोमवार सुबह जब मकान का केयर टेकर वहां पहुंचा तो उसे मामले की जानकारी हुई। ग्रेनो निवासी चेतन वशिष्ठ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका यमुना सिटी के सेक्टर 18 में मकान है। मकान में एक केयर टेकर सरजू रहता है। रविवार सरजू घर का ताला लगाकर ग्रेटर नोएडा अपने एक परिचित के घर आ गया। सोमवार को घर पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ है और सोलर बैटरी आदि समान गायब है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार का कहना है कि शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है।

सोसाइटी में छिपा उल्लुओं का परिवार, जोड़े के साथ तीन चूजे भी मिले; वन विभाग ने संभाला मोर्चा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ला रेजीडेंसिया सोसाइटी में उल्लुओं के परिवार का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। वन विभाग की टीम ने विशेषज्ञों की मदद से सोसाइटी परिसर में मौजूद कुल सात उल्लुओं को सुरक्षित पकड़ लिया। सोसाइटी में उल्लुओं की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम विशेषज्ञों के साथ मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। टीम ने सभी सात उल्लुओं को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के दौरान उल्लुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। वन विभाग के अनुसार, अब सभी सात उल्लुओं को सोसाइटी से करीब 10 किलोमीटर दूर सूरजपुर वेटलैंड में छोड़ा जाएगा। यहां उन्हें प्राकृतिक वातावरण में रहने का सुरक्षित स्थान मिलेगा। फिलहाल सभी उल्लुओं का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया है और उन्हें सूरजपुर वेटलैंड में छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

एयर होस्टेस को तेजाब डालने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नोएडा। फेज-3 थाने की पुलिस ने इंस्टाग्राम के माध्यम से प्रेम जाल में फंसी एयर होस्टेस को दिल्ली से नोएडा लाकर छेड़छाड़ करने और तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी देने वाले रविवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ 10 दिन पूर्व युवती के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया था। मूलरूप से हिमाचल की राजधानी शिमला निवासी युवती के पिता ने पुलिस को बताया था कि उनकी बेटी पिछले तीन वर्षों से दिल्ली में रहती है। वह एक नामी एयरलाइन कंपनी में बतौर एयर होस्टेस काम करती है। कुछ समय पहले उनकी बेटी की इंस्टाग्राम के माध्यम से युवक भविष्य शर्मा से दोस्ती हो गई।

दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इसकी जानकारी परिवार के लोगों को नहीं हुई। युवती ने परिजनों को बताया कि एक सितंबर को भविष्य शर्मा मिलने के बहाने उसे नोएडा के सेक्टर-71 में ले आया। वहां पर आरोपी ने युवती पर गलत आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। आरोपी ने मनमानी करने की कोशिश की। विरोध करने पर मारपीट की और तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह उनकी बेटी आरोपी के चंगुल से भागी और परिजन को आपबीती बताई। पुलिस ने बताया कि आरोपी भी मूलरूप से हिमाचल का रहने वाला है। वह दिल्ली में काम करता है। थाना क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

फैक्टरीकर्मी की नाबालिग बेटी पांच दिन से लापता

नोएडा। फेज-1 थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले व्यक्ति की बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में पांच दिन से लापता है। काफी तलाश के बाद भी नहीं मिलने पर परिजन परेशान हैं। उन्होंने थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस किशोरी की तलाश में जुटी है। बलिया के रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह हरौला गांव में परिवार संग किराये पर रहते हैं। वह फैक्टरी में काम करते हैं। उनकी 17 वर्षीय बेटी 10 सितंबर की रात घर के बाहर से लापता हो गई। देर रात तक वापस नहीं आने पर परिजन ने खोजबीन शुरू की। आसपास के लोगों से पूछ और रिश्तेदारों से भी फोन कर संपर्क किया, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं लगा।

किशोरी पांच दिन बाद भी घर नहीं लौटी है। उनको किशोरी के साथ अनहोनी होने का डर सता रहा है। उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस का कहना है कि परिजन की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है।

परिषदीय विद्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगेगी

नोएडा। परिषदीय विद्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई जाएगी। साथ ही बच्चों को गीला, सूखा कूड़ा, ई कचरा और कूड़ा निस्तारण की वैज्ञानिक विधि बताई जाएगी। इसके लिए विद्यालयों में विशेष स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। विभाग द्वारा स्कूलों में एक से 31 अक्तूबर तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इससे पहले 15 से 30 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा होगा। इस दौरान विद्यालयों में निबंध, स्लोगन, पेंटिंग, मॉडल बनाने की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें विजेता छात्र छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्हें रीयूज, रिड्यूज व रिसाइक्लिंग का पालन करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग रोकने, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के बारे में भी जागरूक किया जाएगा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि इसी तरह विद्यालयों में ई कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही इससे जुड़ी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। बच्चे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों व क्षतिग्रस्त बैटरी को खुद न खोले, इसका ध्यान रखा जाएगा।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में हुआ गणेश महोत्सव का आयोजन

नोएडा। महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में इस वर्ष भी गणेश महोत्सव का आयोजन किया गया है। यहां भगवान गणेश जी की प्रतिमा की वैदिक विधि विधान से स्थापना की गई है। महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के मीडिया प्रभारी एके लाल ने बताया कि 14 सितम्बर से 25 सितम्बर तक प्रतिदिन प्रातः साढ़े नौ से मध्याह्न साढ़े 12 बजे तक तथा सायं सात बजे से आठ बजे तक क पूजा, अर्चना, भजन, प्रवचन, आरती होगी। प्रत्येक दिन के अनुष्ठान और पूजा के बाद दसवें दिन प्रतिमा का विधि विधान से 25 सिमतम्बर विसर्जन किया जाएगा।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के प्रभारी शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर गणेश सार्थक शिर्थ पाठ की आयोजिती और अभिषेक करना, गणेश पुराण का पाठ करना व सुनना, मनोकामना की पूर्ति करने वाला होता है। महासमय महर्षि संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश, विनीत श्रीवास्तव , विनोद श्रीवास्तव

, श्रीकांत ओझा , संतोष श्रीवास्तव , हरीश सचान, रामेन्द्र सचान, शिशु पाल यादव , लल्लन पाठक, यादवेंदर यादव, कमलेश यादव, राजेंद्र शुक्ला, नरेश श्रीवास्तव , ग्यारह वैदिक पंडित और अन्य लोग मौजूद रहे।

पत्नी को खुश करने के लिए कार चोरी करने वाला चालक गिरफ्तार

नोएडा। पत्नी से चल रहे झगड़े को खत्म करने और उसे खुश करने के लिए एक व्यक्ति ने कार चोरी कर ली। इसके बाद वह चोरी की कार लेकर एटा में पत्नी के पास पहुंचा और उसे बताया कि कार खरीदकर लाया है। हालांकि, कार चोरी का केस दर्ज होने की जानकारी मिलने पर वह बहन के यहां कन्नौज चला गया। दोबारा नोएडा आने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान एटा निवासी 22 वर्षीय अरुण के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की कार और फर्जी नंबर प्लेट बरामद की है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी अरुण मूलरूप से एटा के बागवाला थानाक्षेत्र के सोनसा गांव का रहने वाला है। वह सेक्टर-63 के छिजारसी में किराये के मकान में रहता है और चालक का काम करता है। पूछताछ में उसने बताया कि उसका पत्नी से झगड़ा चल रहा था। उसे इंप्रेस करने के लिए ही उसने कार चोरी की। कार लेकर वह एटा गया और पत्नी को बताया कि उसने कार खरीदी है। बाद में चोरी का मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने पर वह कन्नौज में अपनी बहन के यहां चला गया और अपना मोबाइल बंद कर लिया। जब वह दोबारा नोएडा आया तो पुलिस ने उसे धर दबोचा। चोरी की गई कार गाजियाबाद निवासी एक टैटू आर्टिस्ट युवती की थी। युवती 12 सितंबर को सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग में कार खड़ी कर इंटरव्यू देने गई थी। इसी दौरान आरोपी कार लेकर फरार हो गया। इस मामले में सेक्टर-20 थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने अट्टापीर से डीएलएफ मॉल की ओर जाने वाले रास्ते पर खाली प्लॉट के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी, जबकि डिग्गी से उसकी असली नंबर प्लेट बरामद हुई। पुलिस ने चोरी की कार और फर्जी नंबर प्लेट बरामद कर मुकदमे में धोखाधड़ी और चोरी की संपत्ति से संबंधित धाराएं बढ़ाई हैं।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा था कार चोर, पुलिस ने दबोचा

नोएडा। सेक्टर-20 थाना पुलिस ने एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है जो चोरी की कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बेखौफ घूम रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई हुंडई एक्सटर कार बरामद की है। इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि आरोपी ने कार की असली नंबर प्लेट को फेंका नहीं था, बल्कि उसे कार की डिग्गी में ही छिपाकर रखा हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे मामले की शुरुआत कनक नामक व्यक्ति की शिकायत से हुई थी। कनक ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उन्होंने अपनी हुंडई एक्सटर कार को सेक्टर-18 में स्थित वेब सिल्वर टॉवर के सामने बनी पार्किंग में खड़ा किया था। जब कनक अपना काम निपटाकर वापस लौटे, तो उन्हें अपनी कार उस जगह पर नहीं मिली। पार्किंग से कार गायब देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद कनक ने तुरंत इस घटना की सूचना पुलिस को दी। कनक की शिकायत के आधार पर सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर कार की तलाश शुरू कर दी थी।

अट्टापीर से डीएलएफ मॉल के रास्ते पर दबोचा: थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि कार चोरी की इस वारदात का खुलासा करने के लिए पुलिस की टीमें लगातार प्रयास कर रही थीं। आखिरकार 13 सितंबर को पुलिस को इस मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से कार चोरी की इस घटना का पूरी तरह से पर्दाफाश कर दिया।

पुलिस टीम ने घेराबंदी करके आरोपी को अट्टापीर से डीएलएफ मॉल की तरफ जाने वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार कर लिया। जब

पुलिस ने आरोपी के पास मौजूद हुंडई एक्सटर कार की जांच की, तो उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई पाई गई। इसके बाद जब पुलिस ने कार की डिग्गी की तलाशी ली, तो उसमें कार की असली नंबर प्लेट भी रखी हुई मिल गई।

एटा का रहने वाला है आरोपी अरुण: पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अरुण के रूप में हुई है। आरोपी अरुण के पिता का नाम अखिलेश है। पुलिस के अनुसार, 22 वर्षीय अरुण मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा जिले के बागवाला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सोनसा का रहने वाला है। वर्तमान समय में वह नोएडा के ही छिजारसी, सेक्टर-63 इलाके में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी अरुण के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ धारा 303(2), धारा 317(2) और धारा 345(3) बीएनएस के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है।

संक्षिप्त समाचार

नई दिल्ली में छात्राओं के प्रदर्शन के आगे झुका जामिया प्रशासन

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिलिया इस्लामिया के जम्मू-कश्मीर गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने खाने की क्वालिटी और साफ-सफाई से जुड़ी बार-बार होने वाली समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। हॉस्टल की मेस पर लगभग 700 छात्राएं निर्भर हैं। छात्राओं का कहना था कि मेस प्रशासन द्वारा लंबे समय से उनकी शिकायतों की अनदेखी की जा रही थी। हालांकि, स्थिति को बिगड़ता देख विश्वविद्यालय प्रशासन तुरंत हरकत में आया। प्रशासन ने छात्राओं को सूचित किया कि संबंधित मेस कॉन्ट्रैक्टर को बदल दिया

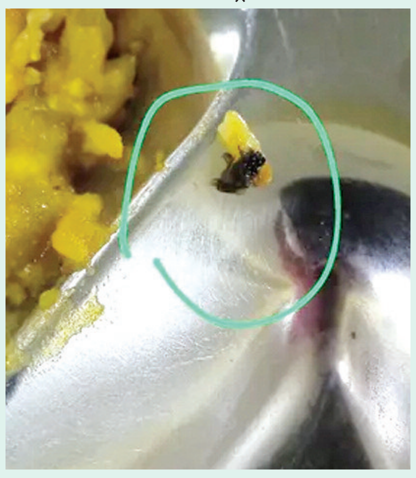

गया है और उनकी सभी जायज मांगें स्वीकार कर ली गई हैं, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। प्रशासन ने खाने की क्वालिटी की नियमित निगरानी और साफ-सफाई से जुड़ी चिंताओं की जांच के लिए एक कमिटी बनाने का भी वादा किया।

यमुना सिटी में 6000 आवंटियों को 17 साल बाद मिलेगा प्लॉट पर कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना सिटी में किसानों से जमीन का विवाद और न्यायालयों में लंबित मामले सुलझने के बाद यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने मौके पर आंतरिक विकास कार्य लगभग पूरा लिया है। अब जल्द ही 6000 आवंटियों को प्लॉट पर कब्जा मिल सकेगा। यीडा अधिकारी के मुताबिक, आवंटियों को लीज प्लान जारी करने की तैयारी की जा रही है। लीज प्लान जारी होने के बाद आवंटी रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर अपने प्लॉट पर कब्जा लेकर निर्माण कार्य शुरू कर सकेंगे। दरअसल यमुना सिटी में प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2009 में पहली बार एक साथ 21 हजार आवासीय प्लॉटों की योजना निकाली गई थी। योजना में बड़ी संख्या में लोगों को प्लॉट आवंटित किए गए, लेकिन 17 साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में आवंटियों को अब तक प्लॉटों पर कब्जा नहीं मिल सका है। यही नहीं किसानों से जमीन को लेकर चल रहे विवाद के चलते सेक्टरों में आंतरिक विकास कार्य भी लंबे समय तक अटका रहा। विवाद सुलझने के बाद प्राधिकरण ने यमुना सिटी के सेक्टरों में विकास कार्य तेज कर दिया है। अधिकारी के मुताबिक, सेक्टर-18 में 1700, सेक्टर-20 में 2800, सेक्टर-16 में 1271, सेक्टर-17 और 17ए में 75 और सेक्टर-22डी में 6 प्लॉटों का आंतरिक विकास लगभग पूरा कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आवंटियों को दो चरणों में कब्जा दिया जाएगा। पहले चरण में 2000 और दूसरे चरण में 4000 प्लॉटों का लीज प्लान जारी होगा। लीज प्लान मिलने के बाद आवंटी रजिस्ट्री कराकर अपने प्लॉट पर कब्जा लेकर निर्माण कार्य शुरू करा सकेंगे। बता दें कि आंतरिक विकास कार्य जैसे सड़क, नाली, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट आदि जरूरी काम होने के बाद ही प्लॉट पर कब्जा देने का प्रावधान है। यमुना प्राधिकरण ने आवासीय के साथ-साथ औद्योगिक प्लॉटों पर भी कब्जा देने की तैयारी शुरू कर दी है। सेक्टर-28, 29, 32 और 33 में करीब 200 औद्योगिक प्लॉटों के लीज प्लान तैयार किए जा चुके हैं। जल्द ही संबंधित आवंटियों को लीज प्लान जारी किए जाएंगे। लंबे समय से औद्योगिक गतिविधियां शुरू करने के लिए प्लॉट पर कब्जे की मांग कर रहे आवंटियों को भी इससे राहत मिलने की उम्मीद है। शैलेंद्र भाटिया, एसीईओ, यीडा, यमुना सिटी के सेक्टरों में आंतरिक विकास कार्य तेज कर दिए गए हैं। आवासीय प्लॉटों के आवंटियों को जल्द लीज प्लान जारी किए जाएंगे। लीज प्लान के बाद आवंटी रजिस्ट्री कराकर अपने भूखंड पर कब्जा ले सकेंगे।

मोदी मिल फ्लाईओवर का होगा विस्तार

दिल्ली वालों को बड़ी राहत: आउटर रिंग रोड को जाम मुक्त करने का प्लान तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर को कालकाजी फ्लाईओवर से जोड़ने के साथ ही आगे बढ़ाते हुए नेहरू प्लेस और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर तक विस्तार देने पर दिल्ली सरकार विचार कर सकती है। आउटर रिंग रोड पर भैरव मंदिर, सीएनजी पंप और नेहरू प्लेस फ्लाईओवर के आगे तक आए दिन लगने वाले भीषण जाम को देखते हुए ट्रैफिक विभाग ने पीडब्ल्यूडी को सुझाव दिया था।

जाम मुक्त बनाने की योजना

स्थानीय विधायक व जिला विकास समिति की अध्यक्ष शिखा राय ने अब दावा किया है कि मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्ताव रखा जाएगा। इलाके को जाम मुक्त

बनाने की दीर्घकालीन योजना पर बात की जाएगी। पीडब्ल्यूडी की टीम की रिपोर्ट के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा स्थलीय निरीक्षण कर संभावनाओं को लेकर ठोस निर्णय ले सकते हैं। कालकाजी फ्लाईओवर के आगे भैरव मंदिर के पास बाटलनेक है। मां आनंदमयी मार्ग, मोदी मिल और नेहरू प्लेस से यूटर्न लेकर आने वाला ट्रैफिक एक साथ आगे बढ़ता है। दोनों फ्लाईओवर जोड़ने को बाद भी यही स्थिति रहने वाली है। भैरव मंदिर के पास दर्शनार्थियों के वाहन पार्क रहने के चलते चार लेन की सड़क एक से डेढ़ लेन ही बचती है। वहीं इसके ठीक आगे तीन-तीन पेट्रोल पंप और उन पर सीएनजी के लिए वाहनों की लंबी कतार भी लगभग 300 मीटर तक बाटलनेक की स्थिति बनाए रखती है। मोदी मिल से चिराग दिल्ली की दूरी लगभग चार किलोमीटर है। मोदी मिल फ्लाईओवर को कालकाजी फ्लाईओवर तक विस्तार दिया जा रहा है।

काम एक महीने पहले शुरू हो चुका

बता दें कि सिंगल लेन वाले कालकाजी फ्लाईओवर की दूसरी लेन बनाने के साथ ही इसके मोदी मिल तक विस्तार का काम एक महीने पहले शुरू हो चुका है। इस परियोजना पर 312.94 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं 435 मीटर लंबे सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर की दूसरी लेन का काम भी जल्द शुरू होगा, जिस पर 58.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ट्रैफिक विभाग ने आगाह किया है कि कालकाजी फ्लाईओवर को मोदी मिल से जोड़ने से दक्षिणी दिल्ली के इस हिस्से में लगने वाले जाम को कम करने में ज्यादा मदद नहीं मिलेगी।

ब्रिक्स सम्मेलन ने बदली कनॉट प्लेस की तस्वीर, लौटी 80 के दशक की रौनक; अब फिर अतिक्रमण का डर

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान लुटियंस दिल्ली के साथ दिल्ली का दिल ऐतिहासिक कनाट प्लेस (सीपी) का नजारा पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। अतिक्रमण, अवैध रेहड़ी-पटरी वालों, भिखारियों और बेघरों से मुक्त कनाट प्लेस ने व्यापारियों को 80 के दशक के उस दौर की याद दिला दी, जब यह बाजार अपनी भव्यता, स्वच्छता और सुकून के लिए जाना जाता था। सम्मेलन में आए विदेशी मेहमानों ने भी इस अतिक्रमण मुक्त माहौल का भरपूर आनंद लिया, जमकर खरीदारी की और स्थानीय रेस्त्रां में भारतीय व्यंजनों का स्वाद चखा। रविवार को भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। स्थानीय व्यापारियों व रेस्त्रां संचालकों ने इस माहौल को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई कि शानदार सीपी में उन्हें विदेशी मेहमानों के आथित्य का मौका मिला, लेकिन इसके साथ ही अब उन्हें फिर से अतिक्रमण के लौटने का डर सताने लगा है। व्यापारियों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि कनाट प्लेस को नो हाकिंग और नो वेंडिंग जोन घोषित करने के उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद फिर से अवैध वेंडर्स का कब्जा शुरू न हो जाए। व्यापारियों के प्रमुख संगठन नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने इस स्थिति को बेहद गंभीर

मानते हुए मोर्चा संभालना शुरू कर दिया है। मामले में उसने उपराज्यपाल, दिल्ली पुलिस और एनडीएमसी के साथ ही स्थानीय सांसद बांसुरी स्वराज व स्थानीय विधायक व दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा से अपील की है, जिसमें आग्रह किया है कि सीपी की शांति और खूबसूरती को फिर से बर्बाद न होने दिया जाए। ब्रिक्स पहले करीब 500 से 800 अवैध रेहड़ी-पटरी वालों का कब्जा रहता है। जिसके चलते लोगों को पैदल चलने तक में परेशानी होती है। एनडीटीए के एक प्रतिनिधि का कहना है कि यदि उच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर अवैध हाकिंग की वापसी होती है, तो यह कनाट प्लेस के व्यापार और बुनियादी ढांचे के लिए भारी नुकसान साबित होगा। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि अगर ऐसा दोबारा होता है तो इसे व्यवस्था की पूरी तरह विफलता और भ्रष्टाचार का चरम माना जाएगा। वे लोग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

बाजार में बिक रहा है सेहत बिगाड़ने वाला एनालॉग पनीर, कैसे करें असली और नकली की पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई राज्यों में एनालॉग पनीर और गैर-डेयरी सामग्री से तैयार खाद्य पदार्थों पर शिकंजा कसने के बाद भी इसका कारोबार गहरे तक जड़ें जमाए हुए है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, बिहार व झारखंड से प्राप्त आंकड़े बताते हैं कि इसका नेटवर्क कई राज्यों के बाजारों और थोक कारोबारियों तक फैला है। कहीं हजारों किलो की खेप पकड़ी जा

रही है तो कहीं बड़े पैमाने पर लिए गए नमून फेल हो रहे हैं। कई राज्यों ने उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया पर वहां अब भी एनलाग पनीर पकड़ा ज रहा है। कुछ राज्यों में पड़ोसी प्रदेशों से इसकी आपूर्ति चुनौती बनी हुई है। बाजार में दो तरह के पनीर बिकते हैं। एक पैकेट में बंद होता है तो कुछ जगहों पर खुले में बिकते हैं। पैकेट में जो बंद हैं, उस पर लेबल लगा होता है और लिखा होता है कि कैसे बना है। इससे आप उसकी पहचान कर सकते हैं। जिसमें सोया प्रोटीन और मटर का प्रोटीन लिखा है, वह एनालॉग पनीर होगा। दूसरा तरीका यह भी होता है कि प्राकृतिक पनीर में आपको दूध का गंध मिल जाएगी। एनालॉग के साथ ऐसा नहीं होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक पनीर पर आप आयोडिन डालेंगे तो उसका रंग बदल जाएगा। इससे पता चलेगा कि यह एनालॉग पनीर है। असली पनीर में रंग नहीं बदलता है। एनालॉग पनीर को दबाने पर रबर जैसी फीलिंग आती है। गर्म पानी में डालने पर केमिकल जैसी स्मैल आती है।

मिनी-मकोका से कांपे अपराधी

बीएनएस की 2 धाराओं के तहत गैंग्स पर एक्शन; अब तक 1232 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने संगठित अपराध और छोटे संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में ऐसे मामलों में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि गिरफ्तारियों की संख्या 60 प्रतिशत बढ़ गई। पुलिस अब केवल अपराध करने वाले लोगों तक सीमित रहने के बजाय पूरे आपराधिक नेटवर्क को निशाना बनाने के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 और 112 का इस्तेमाल कर रही है।

जनवरी से मई 2025 के दौरान धारा 111 और 112 के तहत कुल 634 मामले दर्ज हुए थे। इस साल इसी अवधि में इनकी संख्या बढ़कर 736 हो गई। गिरफ्तारियां भी 769 से बढ़कर 1,232 हो गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक इन दोनों धाराओं का इस्तेमाल बड़े रंगदारी गिरोहों से लेकर शराब तस्करी जैसे छोटे नेटवर्क पर कार्रवाई के लिए किया जा रहा है।

ब्नहस की धारा 111 गंभीर संगठित अपराध के लिए है। इसमें आर्थिक या दूसरे भौतिक लाभ के लिए गिरोह या आपराधिक नेटवर्क के जरिये किए जाने वाले अपराध शामिल हैं।

धारा 111 के तहत इस साल पहले पांच महीनों में 166 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 122 मामले थे। गिरफ्तारियां 76 से बढ़कर 333 हो गईं।

पुलिस की कार्रवाई में मामलों के निस्तारण में भी बढ़ोतरी हुई है। इस साल मई तक संगठित अपराध के 154 मामले सुलझाए गए, जबकि पिछले साल यह संख्या 45 थी। धारा 112 छोटे संगठित अपराध से जुड़ी है। इसमें ऐसे समूह या गिरोह आते हैं जो बार-बार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इस धारा के तहत मामले 512 से बढ़कर 570 हो गए। गिरफ्तारियां 693 से बढ़कर 899 तक पहुंचीं। सुलझाए गए मामलों की संख्या भी 500 से बढ़कर 533 हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने धारा 112 को 'मिनी-मकोका' बताते हुए कहा कि इससे आपराधिक सिंडिकेट को तोड़ने में मदद मिलती है। पुलिस के मुताबिक, इन धाराओं का इस्तेमाल केवल किसी एक अपराधी के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है।

सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के आरोपी सुधांशु और शुभम त्यागी को 12 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सत्य निकेतन इलाके में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी सुधांशु और शुभम त्यागी को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत

में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी हादसे में गिरी इमारत में पीजी चला रहे थे। अब दोनों से पूछताछ होगी। वहीं, सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में 2250 पीजी का सर्वे किया गया, जिसमें 138 इमारतों में मरम्मत की जरूरत पाई गई। इनमें से सर्वाधिक 90 पीजी दक्षिणी जोन में हैं, जहां 47,000 लोग रहते हैं, और 4 इमारतों को खतरनाक घोषित किया गया है। अदालत ने दिए थे सुरक्षा ऑडिट के आदेश सत्य निकेतन में इमारत गिरने के हादसे बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने एक सप्ताह में एमसीडी को पीजी का सुरक्षा आडिट करने का निर्देश दिया था। आवासों को संचालित करने के लिए लागू नियामक व्यवस्था की जानकारी भी मांगी थी।

दिल्ली पुलिस और राहुल गांधी का 169 साल पुराना रिश्ता, कौन थे 1857 में आखिरी कोतवाल पंडित गंगाधर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस का इतिहास करीब 789 साल पुराना है। आज जिस दिल्ली पुलिस के पास 6 रेंज, 15 पुलिस जिले और 209 पुलिस स्टेशन हैं, उसकी शुरुआत कभी कोतवाल व्यवस्था से हुई थी। क्या आप जानते हैं कि दिल्ली के पहले और आखिरी कोतवाल कौन थे? इतना ही नहीं आखिरी कोतवाल का रिश्ता आगे चलकर पंडित मोतीलाल नेहरू, पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राहुल गांधी से जुड़ता है।

पुरानी तस्वीरों से फिर चर्चा में इतिहास

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने हिस्सा लेते हुए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 1980 के दशक की पांच पुरानी वास्तविक तस्वीरें साझा कीं। दिल्ली पुलिस ने तस्वीरों के साथ लिखा कि जब उसके पास ओरिजिनल फोटो हैं, तो उन्हें एआई से बनवाने की जरूरत क्यों है।

इन तस्वीरों में साड़ी पहने महिला पुलिसकर्मियों का फायरिंग अभ्यास, परेड करते पुलिसकर्मी, सलामी लेते अधिकारी, कार में वायरलेस का इस्तेमाल करते पुलिसकर्मी और कारों के काफिले के पास

खड़े पुलिसकर्मी नजर आए।

इन पुरानी तस्वीरों के सामने आने के साथ दिल्ली पुलिस के लंबे इतिहास और उसके पुराने पुलिसिंग सिस्टम से जुड़ी कई रोचक जानकारियां भी सामने आती हैं। फखरुद्दीन बने थे दिल्ली के पहले कोतवाल दिल्ली पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, 1237 ईस्वी में 40 वर्षीय मलिक-उल-उमरा फखरुद्दीन दिल्ली के पहले कोतवाल बने थे। वह बलबन, कैकुबाद और कैखुसरो के शासनकाल में भी इस पद पर बने रहे। उस समय कोतवाल या दिल्ली पुलिस का मुख्यालय किला राय पिथौरा में था, जो आज महरौली के नाम से जाना जाता है।

1648 में सम्राट शाहजहां ने अपनी राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की। इसके बाद गजनफर खान को दिल्ली का नया कोतवाल नियुक्त किया गया।

1857 की क्रांति के दौरान कोतवाल व्यवस्था समाप्त कर दी गई। उस समय गंगाधर नेहरू दिल्ली के आखिरी कोतवाल थे। गंगाधर नेहरू, पंडित मोतीलाल नेहरू के पिता और भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के दादा थे।

जवाहरलाल नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी थीं और इंदिरा गांधी के पोते कांग्रेस नेता राहुल गांधी हैं। इस तरह दिल्ली के आखिरी कोतवाल का रिश्ता राहुल गांधी के परिवार से जुड़ता है। 1857 की आजादी की पहली लड़ाई के बाद अंग्रेजों ने 1861 में इंडियन पुलिस एक्ट लागू किया। इसके बाद दिल्ली में पुलिसिंग को संगठित रूप दिया गया और कोतवाल व्यवस्था के स्थान पर पुलिस का नया ढांचा विकसित हुआ। समय के साथ दिल्ली पुलिस की संरचना और जिम्मेदारियां भी बदलती गईं। एक दौर ऐसा भी रहा।

आप पर जोरदार वार

केजरीवाल की ही बात को कांग्रेस ने बना लिया हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया ने गोवा में जो बात कही उसने हजारों किलोमीटर दूर दिल्ली तक की सियासत में हलचल मचा दी है। भाजपा का वोटर ही आप के लिए वोट करता है, यह कहकर अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस को वह स्थापित करने का मौका दे दिया है, जिसकी कोशिशें वह लंबे समय से करती आ रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल की बात को तुरंत लपकते हुए कहा है कि वह भाजपा की बी टीम होने की बात स्वीकार कर रहे हैं। साथ ही यहकर भी तंज कसा कि इसिलए ही उन्हें आरएसएस का छोटा रीचार्ज कहा जाता है। गोवा में रविवार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अरविंद केजरीवाल उस नैरेटिव को काटने की कोशिश कर रहे थे जिसके तहत कहा जाता है कि वह विपक्षी वोटों का बंटवारा कर सकते हैं और इससे भाजपा को फायदा होगा। आप प्रमुख ने इसे पलटते हुए कहा

कि असल में वोट भाजपा समर्थकों का ही वोट हासिल करते हैं। इसके लिए उन्होंने दिल्ली के पिछले कुछ विधानसभा और लोकसभा चुनावों का उदाहरण भी दिया और कहा कि भाजपा से नाराज हुए वोटर कभी कांग्रेस के लिए वोट नहीं कर सकते हैं। जबकि आप को वे स्वीकार करते हैं। केजरीवाल ने अपनी बात समझाने के लिए बताया कि किस तरह उन्हें दिल्ली के विधानसभा चुनाव में ऐसे 20 पर्सेंट वोटर उनका साथ देते थे जो लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए वोट करते थे। इसके अलावा उन्होंने गुजरात का भी जिक्र किया।

अब अरविंद केजरीवाल की बात में ही कांग्रेस को नया नैरेटिव गढ़ने का मौका दिख रहा है। कांग्रेस के कई नेताओं ने अरविंद केजरीवाल की बात को हथियार बनाकर आप पर हमले शुरू कर दिए हैं और पार्टी उन्हें भाजपा-आरएसएस के साथ बता रही है। दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख देवेंद्र यादव ने केजरीवाल की बात को सच बताते हुए कहा कि वह खुद को भाजपा की बी टीम कह रहे हैं। यादव ने केजरीवाल का बयान शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, केजरीवाल ने बोला पहली बार सच। खुद ही बता रहे हैं कैसे वो बीजेपी की बी टीम हैं। कांग्रेस की सोशल मीडिया हेड सुप्रिया श्रीनेत ने भी अरविंद केजरीवाल की बात को आधार बनाकर उन पर तंज कसा। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी, इस समय देश में छिड़ी लड़ाई राजनैतिक दलों की नहीं दो विचारधाराओं की है और भाजपा की विचारधारा वाले आपके साथ इतने सहज क्यों हैं - यह सब जानते हैं। ऐसे ही थोड़े ही आप लोगों को आरएसएस का छोटा रिचार्ज कहा जाता है! कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि उन्होंने पहली बार ईमानदारी दिखाई और कहा कि उनमें और बीजेपी में ज्यादा अंतर नहीं है। खेड़ा ने मीडिया से कहा, कल देखा हमने कि यहां (दिल्ली) के पूर्व मुख्यमंत्री कह रहे थे कि जो बीजेपी को वोट देता है और नहीं देना चाहता है वह हमें देगा। पहली बार ईमानदारी का परिचय दिया, पहली बार और आखिरी बार... कि बीजेपी और उनमें ज्यादा अंतर नहीं है। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस की ओर से किए जा रहे हमलों के बीच मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रीनेत के ट्वीट पर जवाब देते हुए लिखा, आपकी विचारधारा सिर्फ ट्विटर पर ट्रेंड करती है।

स्वतंत्र भारद्वाज की अर्जी पर दिल्ली की कोर्ट आज सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट मंगलवार (15 सितंबर) को हिंदुत्व समर्थक इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज की जमानत की अर्जी पर आदेश को सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट कल इसपर अपना फैसला सुनाएगी।स्वतंत्र जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान सीजेपी की कार्यकर्ता के पिता पर हमले के मामले में गिरफ्तार है। स्वतंत्र ने नियमित जमानत के लिए कोर्ट का रुख किया है। जमानत याचिका पर 14 सितंबर यानी आज पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई।कोर्ट ने गिरफ्तारी के बाद स्वतंत्र को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा। इसके अलावा दिल्ली हाई कोर्ट से भी स्वतंत्र को तगड़ा झटका लगा था। हाई कोर्ट ने स्वतंत्र की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया था। यह दो अलग-अलग झटके एससी-एसटी और पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार स्वतंत्र को एक ही दिन में लगे थे। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के दौरान स्वतंत्र भारद्वाज ने कथित तौर पर सीजेपी की एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता पर कथित तौर पर हमला किया था। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। करीब दो महीने तक मामला शांत था मगर एक पॉडकास्ट में स्वतंत्र ने कहा इस मामले पर खुलकर बातें की और यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

दुबई। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

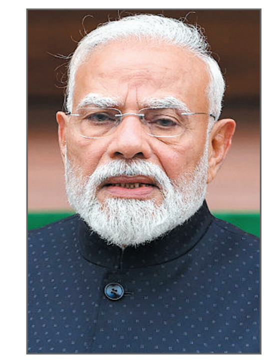

नई दिल्ली । दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज़्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज़्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

सार-समाचार

एमएलएस

इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

मियामी । मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

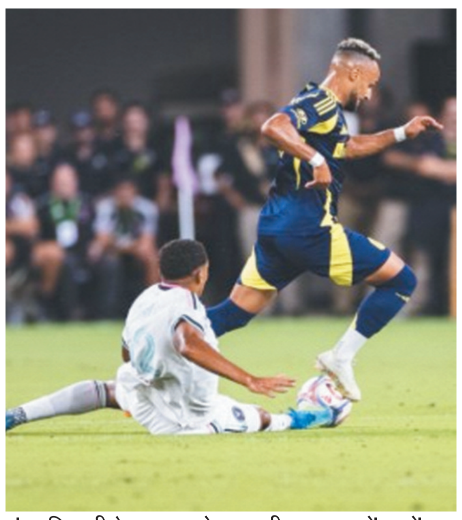

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

लेह। लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

दुबई । भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

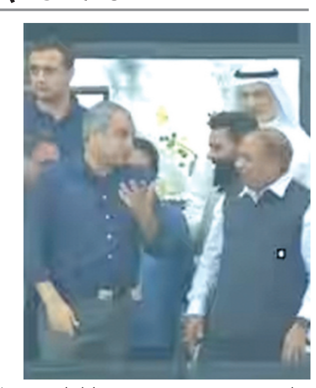

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

नई दिल्ली । महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली । भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेंदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।